आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, बुधवार
21 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 167
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

बिहार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन और गरीबी में नंबर वन: तेजस्वी यादव

झारखंड

10वी एवं 12वी कक्षा के बच्चे सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में टॉपर को सम्मानित किया गया

हज़ारीबाग

चुरचू की डॉली ने रचा इतिहास झारखंड के सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में कॉमर्स टॉपर बनी...

भगवान भरोसे रिम्स ! सीएसएसडी और लॉन्ड्री कर्मियों की हड़ताल से टले कई ऑपरेशन

विशेष संवाददाता द्वारा

रांची: राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स की व्यवस्था मामूली बातों को लेकर बेपटरी हो जा रही है. ताजा मामला सीएसएसडी और लॉन्ड्री कर्मियों से जुड़ा है. इनको पिछले छह माह से मानदेय नहीं मिला है. इसकी वजह से कर्मियों ने काम करना बंद किया तो अस्पताल में हड़कंप मच गया. रिम्स में कई ऑपरेशन टालने पड़े , लेकिन रिम्स निदेशक के स्तर पर त्वरित एक्शन से मामला सुलझ गया है. दैनिक कर्मियों की हड़ताल की जानकारी मिलते ही रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने अपर निदेशक सीमा सिंह, चिकित्सा अधीक्षक हीरेंद्र बिरुआ, उपाधीक्षक-2 डॉ. राजीव रंजन, उप निदेशक (वित्त) योगेंद्र प्रसाद और आंतरिक वित्तीय सलाहकार आलोक कुमार तपस्वी के साथ बैठक की.
इस मामले में खुद चिकित्सा उपाधीक्षक -2 ने स्वयं एजेंसी के कर्मचारियों से वार्ता की और उनसे भुगतान के विलंब की शिकायत एजेंसी से न करने की जानकारी मांगी. कर्मचारियों ने बताया कि एजेंसी का ठेकेदार यहां नहीं आता है. सुपरवाइजर के स्तर से इसका निराकरण संभव नहीं है. फिर चिकित्सा अधीक्षक और उपाधीक्षक की मध्यस्थता और एजेंसी द्वारा सभी लंबित वेतन का एक सप्ताह के अंदर भुगतान का लिखित आश्वासन देने के बाद कर्मचारी काम पर लौट गए. अब रिम्स की सभी सेवाएं सुचारु हो गई हैं.
निदेशक ने पूछा कि आखिर ष्टस्स्ष्ठ और लॉन्ड्री के भुगतान में विलंब क्यों हुआ. इसपर बताया गया कि रिम्स में CSSD और लॉन्ड्री की सेवाएं आउटसोर्सिंग एजेंसी मेडीलैब देती है. निविदा की शर्तों के तहत किए गए समझौते के अनुसार यदि किसी कारणवश संस्थान द्वारा भुगतान में विलंब हो रहा है, तब भी एजेंसी को अपने कर्मियों को भुगतान करते रहना है÷ जिसका साफ तौर पर एजेंसी द्वारा पालन नहीं किया गया है. साथ ही पूर्व के कुछ विपत्र एजेंसी द्वारा विलंब से प्रस्तुत किए गए थे. इसके संबंध में एजेंसी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया था. इधर, रिम्स निदेशक डॉ. राज कुमार ने संचिका में विलंब के कारणों को चिन्हित करते हुए 5 दिनों में रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया है. साथ ही उन्होंने तीन दिनों में एजेंसी को भुगतान करने का भी आदेश दिया है. डॉ. राज कुमार ने कहा है कि यदि ठेकेदार की गलती है तो उस पर अनिवार्य सेवाओं को बाधित करने और निविदा शर्तो का अनुपालन नहीं करने पर नियमानुसार एफआईआर भी दर्ज करायी जाएगी.
दरअसल, सीएसएसडी और लॉन्ड्री सेवा से जुड़े दैनिक कर्मियों ने 10 मई को रिम्स प्रबंधन को पत्र देकर अपनी स्थिति से अवगत कराया था. 50 कर्मियों ने स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें पिछले छह माह से मानदेय नहीं मिला है. अगर बकाया नहीं मिला तो 20 मई से काम बंद कर दिया जाएगा.

टीएसी की बैठक से पहले सियासत तेज, बीजेपी ने असंवैधानिक बताकर दूर रहने का लिया फैसला

संवाददाता द्वारा

रांची: लंबे अर्से के बाद 21 मई को हो रहे ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल की बैठक अहम होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में सीएनटी, पेसा डीवीसी हाइडल प्रोजेक्ट सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है. इन सबके बीच इस बैठक से पहले इसपर सियासत शुरू हो गई है. बीजेपी ने टीएसी की बैठक से अपने आपको एक बार फिर अलग रहने का फैसला किया है. इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को शामिल होना था. मगर इस बैठक को असंवैधानिक बताते हुए भाजपा ने इससे दूर रहने का निर्णय लिया है. बीजेपी मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा है कि टीएसी एक संवैधानिक संस्था के रूप में नहीं, बल्कि सरकार ने इसे एक व्यक्तिगत संस्था के रूप में बना दिया है. बीजेपी ने कहा कि पांचवी अनुसूची में इसके गठन का अधिकार राज्यपाल को है. मगर इसकी अनदेखी कर असंवैधानिक रूप से गठित की गई है. टीएसी आदिवासियों के हितों के लिए गठित कमेटी होनी चाहिए मगर राज्य में लगातार पांच सालों से जिस तरह से आदिवासी बच्चियों के साथ अत्याचार हो रहा है. वह सबके सामने है.
इधर सत्तारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस ने बीजेपी के फैसले की निंदा करते हुए आदिवासी विरोधी बताया है. जेएमएम केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा है कि इस राज्य के आदिवासी समाज के मुद्दे पर भाजपा हमेशा से लग रही है. उसे समाज की चिंता भारतीय जनता पार्टी को नहीं है. चिंता झारखंड मुक्ति मोर्चा और गठबंधन को है. जिसका जवाब राज्य की जनता ने उनको दे दिया है. झामुमो मे कहा कि लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को जवाब मिला और विधानसभा चुनाव में भी उनका जवाब मिला. भारतीय जनता पार्टी का चाल चरित्र और चेहरा उजागर हो चुका है.
इधर, कांग्रेस प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का टीएसी की बैठक में भाग नहीं लेने का फैसला संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन है. जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी तो उसने सीएनटी एक्ट में बदलाव कर आदिवासी अस्मिता पर प्रहार किया था और एक बार फिर टीएसी की बैठक से बाहर रहकर अपना चेहरा उजागर किया है. इससे साफ जाहिर होता है कि आदिवासियों के उत्थान और विकास की चिंता इन्हें नहीं है. वर्तमान में टीएसी के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं. कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपाध्यक्ष हैं. इसके अलावा बाबूलाल मरांडी, आलोक सोरेन, लुईस मरांडी, संजीव सरदार, चंपाई सोरेन, सोनाराम सिंकू, जगत मांझी, दशरथ गगराई, सुदीप गुड़िया, राम सूर्या मुंडा, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, नमन विक्सल कोंगारी और रामचंद्र सिंह विधायक के रूप में टीएसी के सदस्य और जोसाई मार्डी और नारायण उरांव मनोनीत सदस्य हैं.16 नवंबर 2023 को पिछली बैठक हुई थी जिसके निर्णय की समीक्षा बुधवार की बैठक में होने की संभावना है.

शराब घोटाला मामला

आईएएस विनय कुमार चौबे को एसीबी ने किया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के सीनियर आईएएस विनय कुमार चौबे को बड़ा झटका लगा है. एसीबी की टीम ने उन्हें शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कर लिया है. मंगलवार सुबह एसीबी की एक टीम तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के आवास पहुंची और उन्हें गाड़ी में बिठाकर एसीबी ऑफिस लाया गया. फिर शुरु हुआ पूछताछ का सिलसिला.
शाम होने से पहले पूर्व संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को भी पूछताछ के लिए बुला लिया गया. इसी बीच मेडिकल टीम के एसीबी दफ्तर पहुंचने से साफ हो गया था कि कोई बड़ी कार्रवाई होने जा रही है. शाम 4.30 बजे के करीब इस रहस्य पर से पर्दा तब उठ गया जब एसीबी की टीम विनय कुमार चौबे को लेकर कोर्ट के लिए रवाना हो गई.
विनय चौबे की गिरफ्तारी मामले में एसीबी ने बताया कि पद का दुरुपयोग कर प्लेसमेंट एजेंसियों का चयन गलत तरीके से किया गया. सरकार के साथ जालसाजी, धोखाधड़ी कर सामूहिक अपराध और अनैतिक लाभ पहुंचाया गया. नतीजतन झारखंड सरकार को करीब 38 करोड़ का नुकसान के साक्ष्य के आधार पर कैबिनेट सचिवालय से अनुमोदन मिला था.
प्राप्त अनुमोदन के आधार पर एसीबी ने 20 मई 2025 को कांड संख्या 9/25 दर्ज कर तत्कालीन प्रधान सचिव, उत्पाद विभाग विनय कुमार चौबे और संयुक्त आयुक्त, उत्पाद विभाग गजेंद्र सिंह के खिलाफ कांड दर्ज किया गया है. दोनों अधिकारियों पर भादवि और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया.एसीबी का कहना है कि अनुसंधान के दौरान दोनों अधिकारियों विनय कुमार चौबे और गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.
आपको बता दें कि एक दौर था जब विनय कुमार चौबे की प्रशासनिक गलियारे में तूती बोलती थी. वह सीएम हेमंत सोरेन के सचिव थे. उनके पास उत्पाद विभाग, नगर विकास विभाग के अलावा कई दूसरे विभागों की जिम्मेदारी थी. स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए आवास और राजधानी में फ्लाईओवर के निर्माण में इनकी बड़ी भूमिका रही है.
विवादों से इनका नाता तब जुड़ा जब ईडी की टीम ने छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए रायपुर बुलाया. इसी घटना के बाद विनय कुमार चौबे के स्टेट्स में कटौती शुरु हो गई. थोड़े समय के भीतर ही उन्हें सीएमओ से दूर कर दिया गया. वर्तमान में विनय कुमार चौबे पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव हैं.
इस गिरफ्तारी की पटकथा मार्च 2022 में ही लिखी जा चुकी थी. तब विनय चौबे उत्पाद विभाग के सचिव थे. कहा जाता है कि उनकी पहल पर ही मार्च 2022 में झारखंड में छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित उत्पाद नीति लागू हुई थी. झारखंड की पूर्व की उत्पाद नीति को राजस्व की कसौटी पर फ्लॉप बताकर पूरा गेम प्लान तैयार हुआ था.
इसको लेकर रायपुर में बैठक भी हुई थी. नई नीति के बनते ही छत्तीसगढ़ का सिंडेकेट सक्रिय हो गया था. इस दौरान नकली होलोग्राम और अवैध शराब की सप्लाई की वजह से झारखंड के राजस्व को भारी नुकसान हुआ था.
छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाला मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज कर झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव रहे विनय कुमार चौबे और पूर्व संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह से ईडी ने रायपुर में पूछताछ की थी. इसके बाद दोनों अधिकारियों के घरों पर ईडी की छापेमारी भी हुई थी. आपको बता दें कि रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह ने शराब घोटाला को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी.
छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा इस घोटाले की जांच कर रही है. बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ में अधिकारियों और शराब सिंडिकेट की मिलीभगत से 2000 करोड़ का शराब घोटाला हुआ था. इस मामले में कई कारोबारी और अधिकारी जेल जा चुके हैं. इस मामले की जांच ईडी भी कर रही है.

शराब घोटाले में सीबीआई जांच से बचने के लिए हुई एसीबी की कार्रवाई- बाबूलाल मरांडी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हम शुरू से कहते रहे हैं कि झारखंड में शराब घोटाला हुआ है. सरकार को हमने यह घोटाला जो आज सामने आ रहा है, उसके बारे में 19 अप्रैल 2022 को ही पत्र लिखकर घोटाले से पहले ही बता दिया था कि क्या होने वाला है. हमने तो छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के पहले ही बता दिया था कि छत्तीसगढ़ के माफियाओं के साथ मिलकर किन-किन लोगों को काम में लिया जाएगा. लेकिन सरकार ने मेरी बातों को न सिर्फ़ बिल्कुल अनसुना कर दिया, बल्कि मज़े से घोटाला किया और घोटाला होने दिया.
एसीबी की जांच पर भरोसा नहीं : बाबूलाल ने कहा कि आज उसी मामले में छत्तीसगढ़ में कार्रवाई हो रही है. मामला ईडी और सीबीआई तक पहुंच गया है. तो यहां एसीबी जो जांच कर रही, उस जांच और कार्रवाई पर कोई भरोसा कैसे करेगा? लगता है कि छत्तीसगढ़ में जारी सीबीआई जांच के भय से अब बड़ी मछलियों को बचाने के लिये कुछ लोगों को बली का बकरा बनाया जा रहा है.
सीएम से सीबीआई जांच करने का आग्रह : बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कहा है कि अगर आप सच में शराब घोटाले की सच्चाई उजागर करना चाहते हैं और आपमें हिम्मत है, तो इस मामले की सीबीआई से जांच कराने का आदेश दें.
दूसरी ओर शराब घोटाला में गिरफ्तार किए गए IAS अधिकारी विनय चौबे के अधिवक्ता देवेश आजमानी ने कहा है कि कोर्ट में उनके मुवक्किल को पेश किए जाने के दौरान ACB की ओर से न तो इस बात की जानकारी दी गई कि उन्हें किस आरोप में गिरफ्तार किया गया है और ना ही प्राथमिकी की कॉपी उन्हें दी गई है.
देवेश आजमानी ने बताया कि ACB की ओर से कोर्ट में सिर्फ इतनी जानकारी दी गई है कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह के विरुद्ध जिस मामले के कार्रवाई की गई है, उसको लेकर ACB ने कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है. उन्होंने बताया कि न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान IAS अधिकारी विनय चौबे के स्वास्थ्य की नियमित जांच होगी. क्योंकि उनकी तबियत खराब है.
उल्लेखनीय है कि एसीबी ने मंगलवार की सुबह आईएएस अधिकारी विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को हिरासत में लेकर एसीबी कार्यालय में लाया. यहां दोनों अधिकारियों से करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई. पूछताछ के बाद शाम को एसीबी ने दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार किया. जिसके बाद एसीबी ने दोनों अधिकारियों को अदालत में पेश किया.

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में प्रतिमा अनावरण

संवाददाता द्वारा

धनबाद: बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में झारखंड के महान नेता और आंदोलनकारी बिनोद बिहारी महतो जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मौजूद थे। दोनों ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिनोद बिहारी महतो जी के नाम पर बना यह विश्वविद्यालय कम समय में ही शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहां के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार काम कर रहा है।
मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य आंदोलन की देन है और यहां के कोने-कोने में हमारे शहीदों और आंदोलनकारियों की गहरी छाप है। यही वजह है कि राज्य सरकार उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए कई संस्थानों, सड़कों, चौक-चौराहों और इलाकों का नामकरण शहीदों के नाम पर कर रही है। विश्वविद्यालय का नाम भी इसी सोच का हिस्सा है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। खासकर गरीब और सीमित संसाधनों वाले बच्चों के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इसका नतीजा यह है कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के कई विद्यार्थियों ने इस साल बोर्ड परीक्षा में 90त्न से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के हर कोने तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे, ताकि बच्चे अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक सुधार जारी है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि धनबाद में इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य यही था कि यहां के विद्यार्थियों को अपने घर के पास ही उच्च शिक्षा की सुविधा मिले। आज यह सपना साकार होता दिख रहा है और यह विश्वविद्यालय राज्य की शान बन चुका है।
इस कार्यक्रम में मंत्री सुदिव्य कुमार, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, अरूप चटर्जी, चंद्रदेव महतो, राज सिन्हा, उमाकांत रजक, जयमंगल सिंह, शत्रुघ्न महतो और जयराम महतो सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. के. सिंह, जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और प्रशासन के अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे।

सरना धर्म कोड पर झारखंड में सियासी घमासान, बीजेपी के बयान पर जेएमएम नेता ने किया पलटवार

संवाददाता द्वारा

रांची: सरना धर्म कोड को लेकर झारखंड में सियासत जारी है. इस मुद्दे पर जेएमएम और कांग्रेस की ओर से आंदोलन की धमकी के बीच बीजेपी ने सरना धर्म कोड को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा पर घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप लगाया और 2014 में तत्कालीन यूपीए सरकार के आदिवासी कल्याण मंत्री वी किशोर चंद्रदेव के 11 फरवरी 2014 के पत्रांक 16012/19/2013 का हवाला देते हुए जमकर निशाना साधा है. इस पत्र का हवाला देते हुए बीजेपी नेता ने कहा है कि तत्कालीन केंद्रीय मंत्री ने ऐसी मांग को मानने से इनकार करते हुए उस समय दूसरे धर्म से भी सैकड़ों मांग आ सकती है यह कहते हुए खारिज कर दिया था.
वहीं सत्तारूढ़ जेएमएम के द्वारा सरना धर्म कोड लागू नहीं करने पर झारखंड में जनगणना नहीं होने देने की घोषणा की निंदा करते हुए बीजेपी मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा है कि जनगणना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है. यह भारत सरकार के अधीन है और झारखंड भी भारत का ही अंग है. उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से जेएमएम के नेता जनता को बरगलाने का काम कर रहे हैं.
इधर, जेएमएम ने एक बार फिर सरना धर्म कोड को लेकर पार्टी द्वारा प्रस्तावित आंदोलन को सही बताते हुए राज्य में सरना धर्म कोड नहीं होने पर जनगणना नहीं होने देने की बात कही है. पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने कहा है कि बीजेपी अपनी बात करें, ना कि पिछली बात करें. उन्होंने कहा कि यह पुरानी मांग है. राज्य सरकार ने विशेष सत्र बुलाकर इसे विधानसभा से पास कराकर केंद्र सरकार को भेजा था. लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार लगभग पांच सालों से इसपर कोई निर्णय नहीं लिया है. ऐसे में 27 मई को राज्यस्तरीय आंदोलन के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा हर जिले में आंदोलन करेगा और जब तक सरना धर्म कोड नहीं मिलेगा, तब तक जनगणना राज्य में नहीं होगी.
सरना धर्म कोड को लेकर सियासत होती रही है. कांग्रेस-जेएमएम ने इसे चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल कर रखा है. हालांकि बीजेपी इस मुद्दे पर अब तक दुविधा की स्थिति में है. खास बात यह है कि नवंबर 2020 में हेमंत सरकार ने जब विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सरना धर्म कोड को लेकर बुलाया तो सदन में सर्वसम्मति से पास कराने में भाजपा ने भी सहयोग किया था. पारित प्रस्ताव में जनगणना 2021 में सरना को एक अलग धर्म के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया था. विधानसभा से पारित यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है.

एशिया का सबसे बड़ा एनटीपीसी का कन्वेयर बेल्ट फिर सुर्खियों में

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

हजारीबाग: जिला के बड़कागांव से बानादाग कोल साइडिंग तक कोयला का परिचालन कन्वेयर बेल्ट के जरिए हो रहा है. यह कन्वेयर बेल्ट एशिया का सबसे बड़ा कन्वेयर बेल्ट कहा जाता है.
कन्वेयर बेल्ट निर्माण और इसे लेकर कई तरह के विवाद खड़ा होते रहे हैं. एक बार फिर स्थानीय, रैयत, ट्रांसपोर्टर और ग्रामीण कन्वेयर बेल्ट का विरोध कर रहे हैं. सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी दो दिवसीय धरने पर हैं. धरना के जरिए एनटीपीसी प्रबंधन से मांग की है कि हाइवा से ट्रांसपोर्टिंग करने का आदेश निर्गत करें.
ग्रामीणों का कहना है कि कन्वेयर बेल्ट चालू होने से 24 घंटे आवाज निकलती रहती है. जिससे ग्रामीण प्रभावित हो रहे हैं. बच्चों का पठन-पाठन भी प्रभावित हो रहा है. रात के समय सोना भी मुश्किल हो रहा है. कई ऐसे वृद्ध है जो बीमार हैं उनका जीवन भी इससे प्रभावित हुआ है.
दूसरी ओर कन्वेयर बेल्ट चालू होने के कारण हाईवा परिचालन पर भी बुरा असर पड़ा है. हाईवा से कोयला का ढुलाई होता था. कन्वेयर बेल्ट शुरू होने के बाद कोयला ढुलाई पर असर पड़ रहा है लगभग 550 हाईवा एनटीपीसी में कोयला ढुलाई में लगाया गया है. अब उन्हें कोयला ढोने के लिए नहीं मिल रहा है. अधिकतर गाड़ी एक बार ही कोयला ढो पा रहा है. जिस कारण इनके ऊपर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी पड़ रहा है.
ट्रांसपोर्टर मालिकों का भी यह भी कहना है कि ईएमआई भी देने में वो सक्षम नहीं हो पा रहे हैं. कई ऐसे गाड़ी है जो सड़क पर ही खड़ी रह जा रही है. ट्रांसपोर्टर मलिक ने ऐलान किया है कि अगर मांग पूरी नहीं होगी तो और भी बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा.
महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले दिनों एनटीपीसी के तत्कालीन पकरी बरवाडी के परियोजना प्रमुख फैज तैयब ने बताया था कि ?पर्यावरण और वन मंत्रालय के निर्देशों के तहत अब खदान से निकला कोयला कन्वेयर बेल्ट के जरिए ही भेजा जाएगा. बड़कागांव खदान से बानादाग कोल साइडिंग तक लगभग 22 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए यह कन्वेयर बेल्ट इस्तेमाल किया जाएगा.
1 अप्रैल 2025 से 3 मिलियन मीट्रिक टन कोयले को अस्थायी रूप से सड़क मार्ग से ले जाया जाएगा, जबकि शेष उत्पादन कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से भेजा जाएगा. कन्वेयर बेल्ट से सड़क मार्ग से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी और पर्यावरण को लाभ होगा. यह कन्वेयर बेल्ट आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सुविधा प्रदान करेगा.

बिहार की मौजूदा विधानसभा में 81% विधायक करोड़पति, महिला एमएलए महज 11 प्रतिशत

कीर्तिवर्धन मिश्र

बिहार में इस साल की अंतिम तिमाही में नई विधानसभा का गठन हो जाएगा। बीते चुनावों की तरह एक बार फिर पूरे देश की नजर बिहार में चुने गए विधायकों पर रहेगी। जनता अपने जनप्रतिनिधियों के बाहुबल के साथ-साथ उनके धनबल को भी परखेगी। एक तरह से देखा जाए तो यह दोनों मानक देश में स्वच्छ राजनीति के पहलू बन चुके हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव में लड़ने और इन्हें जीतने वाले प्रत्याशियों को लेकर विश्लेषण भी जल्द सामने आएंगे, हालांकि, उससे पहले यह जानना जरूरी है कि बिहार में बीते चुनावों में विधायकों के धनबल से जुड़े आंकड़े क्या कहते हैं? 'बात चुनाव की' की पिछली कड़ी में हमने बिहार विधानसभा में आपराधिक विधायकों के आंकड़ों को लेकर चर्चा की थी। आज हम आपको बताएंगे 2005 से लेकर 2020 तक चुनाव के बाद गठित हुई विधानसभा में करोड़पति विधायकों और महिला विधायकों के आंकड़े के बारे में। बिहार की मुख्य पार्टियों में विजेताओं की औसत संपत्ति 27 लाख रुपये थी। कांग्रेस विधायकों की औसत संपत्ति 21 लाख रुपये थी, जबकि भाजपा विधायकों की 22 लाख, इसी तरह राजद की 27 लाख रुपये और जदयू विधायकों की 34 लाख रुपये। सबसे ज्यादा 40 लाख रुपये औसत संपत्ति लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के विधायकों की थी। बिहार में उस दौर के सबसे अमीर विधायक उस वक्त जदयू के राजू कुमार सिंह थे, जो कि साहबगंज विधानसभा से चुनकर आए थे। उनकी कुल संपत्ति 6 करोड़ 11 लाख रुपये से ज्यादा थी। टॉप-10 में से आठ विधायक करोड़पति थे। इनमें सबसे ज्यादा छह विधायक जदयू के, दो राजद के, एक भाजपा का और एक लोजपा का था।

महिला विधायक : कुल 243 विधायकों में से 2005 में सिर्फ 35 महिलाएं चुनकर विधानसभा पहुंची थीं। यानी सिर्फ 14% विधायक ही महिलाएं थीं। 2010 में हुए बिहार के विधानसभा चुनाव कुल 3,523 उम्मीदवार मैदान में थे। यानी 2005 के मुकाबले कुल 65 फीसदी की बढ़ोतरी। इनमें से 3,215 यानी करीब 91 फीसदी पुरुष थे, वहीं 308 यानी 9 फीसदी महिलाएं थीं। बिहार में उस दौरान विजेता विधायकों की औसत संपत्ति 81 लाख तक पहुंच गई थी, जो कि 2005 के मुकाबले लगभग तीन गुना थी। राजद के विधायकों की औसत संपत्ति सबसे ज्यादा 1 करोड़ रुपये के करीब थी। वहीं, कांग्रेस विधायकों की 93 लाख, जदयू विधायकों की 84 लाख और भाजपा विधायकों की औसत संपत्ति 64 लाख रुपये आंकी गई थी। बिहार में उस दौरान सबसे अमीर विधायक मधुबनी की बिस्फी सीट से विधायक डॉ. फैयाज अहमद थे। उनके पास 15 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति थी। इसके अलावा भाजपा के सुरेश कुमार शर्मा 9 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति के साथ दूसरे नंबर थे। टॉप-10 अमीर विधायकों में अकेले जदयू के छह विधायक थे। वहीं, भाजपा के तीन और राजद के एक विधायक थे।

महिला विधायक : बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में कुल 308 उम्मीदवारों में से 34 ने जीत दर्ज की। यानी इस बार भी महिला विधायकों की संख्या महज 14 फीसदी ही रही। 2015 के विधानसभा चुनाव मे कुल 3450 उम्मीदवार खड़े हुए। इनमें महज 8 फीसदी यानी 273 महिला प्रत्याशी रहीं। यह संख्या 2010 की 307 महिला उम्मीदवारों की संख्या से कम रही। इन चुनावों में 158 राजनीतिक दल शामिल हुए। इसके अलावा कई निर्दलीय प्रत्याशी भी खड़े हुए।

करोड़पति विधायकों की संख्या : 2015 विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले कुल 243 विधायकों में से 160 विधायक करोड़पति थे। यानी पूरी विधानसभा में कुल 67 फीसदी विधायक करोड़पति थे। बिहार में उस दौरान विजेता विधायकों की औसत संपत्ति 3.06 करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी, जो कि 2010 के मुकाबले करीब चार गुना थी। राजद के विधायकों की औसत संपत्ति 3.02 करोड़ रुपये थी, जबकि जदयू विधायकों की औसत संपत्ति 2.79 करोड़ रुपये। इसके अलावा भाजपा विधायकों की औसत संपत्ति 2.38 करोड़ रुपये थी। कांग्रेस के विधायकों की औसत संपत्ति सबसे ज्यादा 4.36 करोड़ रुपये रही। बिहार में उस दौरान सबसे अमीर विधायक जदयू की पूनम देवी यादव रही थीं। खगड़िया से विधायक पूनम की कुल संपत्ति तब 41 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। दूसरे नंबर पर भागलपुर से कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा थे, जिन्होंने अपनी कुल संपत्ति 40 करोड़ से ज्यादा घोषित की थी। तीसरे नंबर पर मोकामा से निर्दलीय विधायक अनंत कुमार सिंह का नाम था, जिन्होंने अपनी कुल संपत्ति तब 28 करोड़ से ज्यादा घोषित की।

टॉप-10 अमीर विधायकों में तीन जदयू के, दो राजद के, दो कांग्रेस के, दो निर्दलीय और एक **महिला विधायक :** बिहार में 2015 के विधानसभा चुनाव में कुल 273 महिला उम्मीदवारों में से 28 ही जीत दर्ज करने में सफल रहीं। यानी इस बार विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या महज 12 फीसदी ही रही।

बंगलूरू में बारिश ने बिगाड़े हालात, करंट लगने से दो की मौत, अब तक पांच की जान गई

बंगलूरू: भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बंगलूरू के लिए ऑरेंज अलर्ट और कर्नाटक के कई जगहों पर येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी बंगलूरू केंद्र के निदेशक एन पुवियारासु ने कहा कि उन्होंने बंगलूरू के लिए 8 सेमी से 10 सेमी तक के प्रभाव के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो बड़े शहर को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा, 'जितनी बारिश हो रही है, वह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन चूंकि बंगलूरू जैसे शहर ज्यादातर कंक्रीट से बने हैं और इस तरह जल निकासी के लिए आउटलेट अवरुद्ध हैं, इसलिए हमने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है ताकि अधिकारी उसके आधार पर तैयारी कर सकें।' आईएमडी के बयान के अनुसार, आज प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्र बागलकोट, बंगलूरू शहरी, बंगलूरू ग्रामीण, बेलगाम, चिक्काबल्लापुरा, धारवाड़, गडग, कोलार, कोप्पल, विजयनगर जिले हैं।

शहर के 70% इलाकों में बाढ़ की समस्या हुई हल : वहीं राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि बंगलूरू में पहचाने गए 70 प्रतिशत इलाकों में बाढ़ की समस्या का समाधान हो गया है। शिवकुमार ने बंगलूरू के साई लेआउट, मान्यता टेक पार्क और सिल्क बोर्ड जंक्शन समेत प्रभावित इलाकों का दौरा किया और बताया कि उन्होंने शहर में बाढ़ की आशंका वाले 210 इलाकों की पहचान की है। उन्होंने कहा, 'जब से मैंने बंगलूरू विकास मंत्री का पद संभाला है, हमने उनमें से 166 (70 प्रतिशत) इलाकों में बाढ़ की समस्या का समाधान किया है। वर्तमान में 24 इलाकों में बाढ़ की रोकथाम का काम चल रहा है, जबकि शेष 20 इलाकों में जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। हमने 197 किलोमीटर लंबे तूफानी जल निकासी नाले बनाए हैं'। उन्होंने कहा, 'हम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुधार कर रहे हैं और आम लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। सिल्क बोर्ड जंक्शन, हेब्बल और येलहंका क्षेत्र में बारिश की मात्रा बहुत अधिक रही है। इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर अंडरपास का काम चल रहा है और वे बाढ़ में डूब गए हैं। हम इन मुद्दों को हल करने के लिए उन विभागों के साथ मिलकर काम करेंगे।

ऑरेंज और येलो का क्या है मतलब? : ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेमी से 20 सेमी तक की बहुत भारी बारिश, और येलो अलर्ट का मतलब है 6 सेमी से 11 सेमी के बीच भारी बारिश।

बंगलूरू में दो लोगों की करंट लगने से मौत : वहीं बंगलूरू पुलिस ने बताया कि शहर के एक अपार्टमेंट में घुसे बारिश के पानी को निकालने की कोशिश करते समय 12 वर्षीय एक बच्चे समेत दो लोगों की करंट लगने से मौत हो गई। मिको लेआउट पुलिस के अनुसार, बीटीएम द्वितीय चरण के पास एनएस पाल्या में मधुवन अपार्टमेंट के निवासी मनमोहन कामथ ने सोमवार शाम को अपने घर से पानी निकालने के लिए मोटर चालित पंप का उपयोग करने की कोशिश की थी।

'पता नहीं कब तक रहेंगी सरहदों की दूरियां...', ज्योति की डायरी में पाकिस्तान पर बड़ा खुलासा

हिसार: यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के घर से डायरी मिली है। उसने पाकिस्तान को लेकर कई चौंकाने वाली जानकारी डायरी में लिखी हैं। डायरी के पन्नों पर उसने अपने मन के भाव भी लिखे हैं। ज्योति विदेश यात्राओं पर जाने से पहले पूरा होमवर्क करती थी। ज्योति मल्होत्रा के घर से मिली डायरी में लिखे संस्मरण और मन की बातों से पता चलता है कि वह किसी भी जगह जाने से पहले पूरा होमवर्क करती थी। देश-विदेश से संबंधित सभी तरह की जानकारी अपनी डायरी में नोट करके रखती थी। इस डायरी के करीब 10 पन्नों पर इसी तरह के नोट्स बनाए गए हैं। तीन पेजों पर पाकिस्तान यात्रा का जिक्र है। आठ पेजों पर अंग्रेजी में लिखा है, जबकि पाकिस्तान के बारे में तीनों पेज पर हिंदी में लिखा है। साल 2012 के कैलेंडर को दर्शाती इस डायरी के पीले रंग के पन्नों पर ज्योति ने मन की भावनाएं भी उकेरी हैं। यात्रा के दौरान जो सूचनाएं जुटाईं, यात्रा पर जाने से लेकर आने तक, जो भी अनुभव रहे, उन्हें इस डायरी में साझा किया है। महाभारत, रामायण, ब्राह्मण, क्षत्रिय, ईसवीं, रजिया सुल्तान, कुतुबमीनार जैसे शब्द हैं। वहीं विदेशों के बारे में ऐसी जानकारी है, जिसमें तकनीकी शब्द प्रयोग किए गए हैं। कुछ पन्नों पर यात्रा खर्च का भी जिक्र है।

हम सब एक ही धरती, एक ही मिट्टी के हैं... : ज्योति ने पाकिस्तान को लेकर लिखा है... पाकिस्तान से 10 दिन का सफर तय करके आज आ गई हूं अपने देश इंडिया/भारत। इस दौरान पाकिस्तान की आवाम से काफी महोब्बत मिली। हमारे सबस्क्राइबर, फ्रेंडस भी हमसे मिलने आए। लाहौर घूमने के लिए मिला दो दिन का वक्त काफी कम था। सरहदों की दूरियां पता नहीं कब तक बरकरार रहेंगी पर दिलों में जो गिले शिकवे हैं वो मिट जाएं। हम सब एक ही धरती, एक ही मिट्टी के हैं। अगर ऐसा कुछ हो जिसको वीडियो में शेयर न किया हो तो आप बेझिझक कमेंट में पूछ सकते हैं। अब दीजिए इजाजत पाकिस्तान की सरहद यहीं तक थी।

संभल शहर में चौकसी के साथ बढ़ी जामा मस्जिद की निगरानी

शाहरुख खान

संभल में जामा मस्जिद सर्वे पर रोक लगाने के लिए हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका खारिज होने के बाद संभल में एहतियाती तौर पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने फोर्स के साथ शहर में पैदल मार्च किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो पुलिस को सूचना दें, जिससे सख्त कार्रवाई की जा सके। एसपी का कहना है कि जामा मस्जिद पर निगरानी बढ़ाने के लिए अधिनस्थों को निर्देश दिए हैं। सत्यव्रत पुलिस चौकी में पर्याप्त फोर्स तैनात पहले से है। पीएसी और आरआरएफ की कंपनी भी शहर में एहतियाती तौर पर तैनात हैं। मामला कोर्ट में है, इसलिए सभी को शांति बनाए रखनी चाहिए। यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो सख्ती से निबटा जाएगा। 19 नवंबर 2024 को चंदौसी जिला अदालत में स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में हिंदू पक्ष की ओर से हरिहर मंदिर होने का दावा करते हुए सर्वे कराए जाने के लिए वाद दायर किया था। इसमें सिविल जज सीनियर डिवीजन की ओर से आदेश किए। साथ ही कोर्ट कमिश्नर अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को नियुक्त किया था। कोर्ट कमिश्नर 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे के लिए पहुंच गए थे। डीएम और एसपी की मौजूदगी में पहले दिन सर्वे किया गया था लेकिन सर्वे पूरा नहीं होने की बात रमेश सिंह राघव ने कही थी। इसके बाद 24 नवंबर की सुबह में सर्वे शुरू किया गया था। इसी दौरान भीड़ एकत्र हुई और बवाल हो गया था। फायरिंग के साथ आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। 24 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे तक हुए सर्वे के बाद टीम को पुलिस ने सुरक्षित रास्ते से बाहर निकाला था। यह सर्वे रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर द्वारा 2 जनवरी 2025 को अदालत में सील बंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश की थी। इसमें मस्जिद परिसर की वीडियोग्राफी और फोटो भी शामिल किए गए थे। हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि मंदिर होने के प्रमाण मिले हैं।

> “19 नवंबर 2024 को चंदौसी जिला अदालत में स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में हिंदू पक्ष की ओर से हरिहर मंदिर होने का दावा करते हुए सर्वे कराए जाने के लिए वाद दायर किया था। इसमें सिविल जज सीनियर डिवीजन की ओर से आदेश किए। साथ ही कोर्ट कमिश्नर अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को नियुक्त किया था। कोर्ट कमिश्नर 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे के लिए पहुंच गए थे। डीएम और एसपी की मौजूदगी में पहले दिन सर्वे किया गया था लेकिन सर्वे पूरा नहीं होने की बात रमेश सिंह राघव ने कही थी। इसके बाद 24 नवंबर की सुबह में सर्वे शुरू किया गया था। इसी दौरान भीड़ एकत्र हुई और बवाल हो गया था। फायरिंग के साथ आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। 24 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे तक हुए सर्वे के बाद टीम को पुलिस ने सुरक्षित रास्ते से बाहर निकाला था।

जामा मस्जिद कमेटी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी : 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। याचिका दायर सर्वे पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्रवाई को रोकते हुए हाईकोर्ट को सुनवाई करने के लिए आदेश किया था। इसके बाद अलग-अलग समय में सुनवाई की गई। जामा मस्जिद कमेटी की सर्वे पर रोक लगाने वाली याचिका अब खारिज कर दी गई है।

बाबरनामा में संभल का जिक्र : हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि 1526 में मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था। इसका उल्लेख बाबरनामा में होने का हवाला भी दिया गया था। संभल की शाही जामा मस्जिद दक्षिण एशिया में सबसे पुरानी जीवित मुगल-युग की मस्जिद बताई जाती है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह हरिहर मंदिर था जो सदियों पुराना है। मंदिर ध्वस्त कराकर मस्जिद का रूप दिया गया था। सर्वे रिपोर्ट में भी यह दावा किया गया था कि मस्जिद में 50 से ज्यादा फूल, निशान और कलाकृतियां मिली हैं। अंदर दो वट वृक्ष हैं। हिंदू धर्म में वट वृक्ष की पूजा की जाती है। एक कुआं है, उसका आधा हिस्सा मस्जिद के अंदर और आधा हिस्सा बाहर है। कई तथ्य मंदिर होने के प्रमाण के रूप में पेश किए जाने की चर्चा है। पैदल मार्च कर जनसंवाद किया गया है। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। शहर में शांतिपूर्ण माहौल है। इसको किसी ने बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एहतियाती तौर पर चौकसी बनी रहेगी। शहर में पूरी तरह से शांति है। एहतियाती तौर पर फोर्स शहर में तैनात है। पैदल मार्च कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया है कि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें। तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

संभल की जामा मस्जिद पर हिन्दू पक्ष का दावा पोषणीय, सर्वेक्षण भी सही : हाईकोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की ऐतिहासिक जामा मस्जिद को लेकर जिला अदालत में हिंदू पक्ष के लंबित सिविल वाद की पोषणीयता पर मुहर लगा दी है। साथ ही सर्वे आदेश को सही ठहराते हुए आठ जनवरी को मुकदमे और सर्वेक्षण पर लगाई गई रोक हटा लिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐतिहासिक और ठोस तथ्यों के आधार पर ऐतिहासिक विरासत का दावा दरकिनार करना न्याय की आत्मा के विपरीत होगा। लिहाजा, विवादित स्थल मस्जिद है या मदिंर, इसकी जांच जरूरी है। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत ने मस्जिद कमेटी की ओर से सिविल वाद की पोषणीयता व सर्वेक्षण के आदेश को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त के जनता दरबार में लगभग 1 दर्जन से अधिक फरियादियों ने दिया आवेदन

● आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के दिये गये निर्देश

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किये।

इस अवसर पर शहरी सहित विभिन्न प्रखंड से आये आवेदकों में मारपीट, आवास योजना का लाभ दिलाने, दाखिल खारिज, पेंशन, भूमि अतिक्रमण, दिलाने, भूमि पर अवैध कब्जा आदि से संबंधित आवेदन देकर समाधान की मांग की। रूके हुए दिव्यांगता पेंशन चालू कराने का अनुरोध।

इस मौके पर सदर प्रखंड से तारा प्रवीण ने अपने बच्चे के विद्यालय में नामांकन हेतु उपायुक्त को आवेदन दिए, बरकट्ठा प्रखंड से भुवनेश दास ने अबुआ आवास का लाभ दिलाने को लेकर उपायुक्त को आवेदन दिए, बरही से रेणु कुमारी ने रोजगार को लेकर आवेदन दिया, ग्राम अडारा बरही से विष्णु ठाकुर ने भु-दान से प्राप्त भूमि पर अतिक्रमण करने तथा विपक्षी द्वारा जमीन का जमाबंदी अवैध तरीके से अपने नाम दर्ज करने के संबंध में उपायुक्त को आवेदन दिए, ओकनी से एनुल हक ने अपनी जमीन की रसीद किसी अन्य व्यक्ति के नाम से कटाने से रोक करने के सम्बंध में उपायुक्त को आवेदन दिए, इचाक प्रकरण से कमता देवी ने अपने आवास की स्थिति जर्जर होने पर अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर आवेदन दिया, पदमा थाना क्षेत्र बरही से भगवान प्रसाद साव ने जमीन पर रिश्तेदारों के द्वारा अवैध जमाबंदी करने तथा जमीन हड़पने से बचाव को लेकर उपायुक्त को आवेदन सौंपा, बड़कागांव से विनय साव ने रिस्तेदारों द्वारा जमीन पर विवाद करने एवं जबरन आवास बनाने लेकर उपायुक्त आवेदन देते हुए समाधान का अनुरोध किया।

मौके पर आये सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए जांचोपरांत त्वरित करने का निर्देश दिया गया।

विभावि के कुलपति ने स्नातकोत्तर विभागों का किया औचक निरीक्षण

● समय पर कक्षाओं के संचालन पर दिए सख्त आदेश

● पाठ्यक्रम का समय-समय पर पुनरीक्षण हो, विद्यार्थियों को केंद्रीय पुस्तकालय भेजें: प्रो चंद्र भूषण शर्मा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा ने रवींद्रनाथ टैगोर कला भवन मे अवस्थित स्नातकोत्तर इतिहास विभाग एवं स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग का मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। विभावि मे जब भी कुलपति नियुक्त होते हैं वह सर्वप्रथम इतिहास विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग का निरीक्षण अवश्य करते हैं। कुलपति पूर्वाहन 10:00 बजे के लगभग कला भवन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले इतिहास विभाग का भ्रमण किया। यहां समसत्र दो और समसत्र चार की कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही थी। इतिहास विभाग की कक्षाएं पूर्वाह्न 10:00 बजे से संचालित होते हैं। दोनों ही कक्षा का संचालन यूजीसी जेआरएफ के शोधार्थी कर रहे थे। कुलपति विभाग का रूटीन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कक्षा लेने वाले का नाम को रूटिंग से मिलाया। कुलपति ने समसत्र दो की कक्षा में प्रवेश कर विद्यार्थियों से कई मुद्दों पर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ हितेंद्र अनुपम से जानना चाहा कि वर्ग का संचालन नियमित शिक्षक क्यों नहीं कर रहे हैं। इस पर डॉ हितेंद्र अनुपम ने बताया कि विभाग में शिक्षकों की घोर कमी है।

कुलपति इसके बाद पूर्वाहन 10:30 को भवन के पहले तल्ले में अवस्थित राजनीति विज्ञान विभाग पहुंचे। यहां विभागीय प्राध्यापक डॉ अजय बहादुर सिंह समसत्र दो की कक्षा का संचालन कर रहे थे। इसके बाद कुलपति समसत्र चार की कक्षा पहुंचे जहां कोई भी शिक्षक नहीं थे। कुलपति स्वयं ही वर्ग का संचालन करते हुए विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम एवं पठन-पाठन से संबंधित बातचीत करने लगे।

इस वर्ग को लेने के लिए निर्धारित जेआरएफ शोधार्थी और विद्यार्थियों के पहुंचने का इंतजार कर रहे थे। कुलपति के कक्षा में जाने से वह घबरा गए। तब डॉ मोइत्रा कक्षा मे जाकर कुलपति का अभिवादन किया। कुलपति ने घड़ी दिखाते हुए कहा कि वर्ग प्रारंभ करने में पूरा 9 मिनट का विलंब हुआ है जो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आप विभागाध्यक्ष है यह आपकी जवाबदेही है। इस पर डॉ मोइत्रा ने भविष्य में कक्षाओं के सुचारू संचालन का आश्वासन दिया और बताया कि वर्तमान में विभाग का कोई भी अध्यक्ष नहीं है।

ज्ञात हो कि विभावि स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में पिछ्ले दो महीने से अध्यक्ष का स्थान रिक्त है । विपरीत परिस्थिति में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों के आपसी सूझबूझ से विभाग का संचालन किसी तरह किया जा रहा है। कुलपति ने पाठ्यक्रम पुनरीक्षण की जानकारी ली। निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को नियमित केंद्रीय पुस्तकालय भेजी जाए। उन्होंने राजनीति विज्ञान विभाग के पुस्तकालय का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर की साफ सफाई का भी जायजा लिया।

चुरचू की डॉली ने रचा इतिहास झारखंड के सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में कॉमर्स टॉपर बनीं, विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया सम्मानित

● डॉली ने रचा शिक्षा में इतिहास, गांव की बेटियाँ भी देश का भविष्य बदल सकती हैं : प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड के शैक्षणिक इतिहास में एक नया अध्याय तब जुड़ गया जब हजारीबाग जिले के चुरचू गांव की छात्रा डॉली कुमारी ने मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की 12वीं बोर्ड परीक्षा में कॉमर्स स्ट्रीम में 93.8व अंक प्राप्त कर राज्यभर के सभी 80 सीएम स्कूलों में प्रथम स्थान हासिल किया। अपनी असाधारण उपलब्धि से डॉली ने न केवल स्कूल और जिले का, बल्कि पूरे झारखंड का नाम गौरव से ऊँचा कर दिया है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर मंगलवार को सदर विधायक प्रदीप प्रसाद स्वयं डॉली के घर चुरचू पहुँचे और परिवारजनों के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक सफलता की खुशी साझा की। उन्होंने डॉली को पुष्पगुच्छ और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया तथा उसे उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की डॉली ने राज्य के शिक्षा क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह इस बात का प्रतीक है कि गांव की बेटियाँ भी देश की दिशा बदलने का माद्दा रखती हैं। केंद्रीय सरकार ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों की हरसंभव सहायता हेतु प्रतिबद्ध है। डॉली के पिता शंकर प्रसाद मेहता एक साधारण किसान हैं, जो केवल चौथी कक्षा तक पढ़ सके। माँ पुष्पा देवी एक गृहिणी हैं, जिन्होंने नौवीं तक शिक्षा प्राप्त की। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद, परिवार ने डॉली की पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी।

डॉली कहती हैं, मैंने सिर्फ मेहनत और लगन पर भरोसा किया। आर्थिक परेशानियाँ थीं, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। यह मेरी नहीं, मेरे माता-पिता और शिक्षकों की भी जीत है। डॉली की ऐतिहासिक सफलता से चुरचू गांव में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों ने मिठाइयाँ बाँटीं, और विधायक के आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। डॉली के माता-पिता की आँखों में गर्व के आँसू और मुस्कुराहट दोनों नजर आए।

बे मौसम बारिश ने तोड़ी ईंट भट्ठा मालिकों की कमर, करोड़ों का हुआ नुकसान

1000 हजार से 2000 प्रति हजार ईंट के मुल्य में हो सकती है वृद्धि

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। पिछले कई दिनों से बे मौसम बरसा ने खासकर ईंट भट्ठा मालिकों के लिए मुसीबत बना हुआ है।बड़कागांव प्रखंड सहित हजारीबाग जिले में लगभग 125 से 150 फिक्स चिमनी ईंट भट्ठा है। वही सैकड़ो छोटे-छोटे बांग्ला ईंट भट्ठे हैं। लगातार चार पांच बार की बे मौसम बारिश से लगभग प्रति ईंट भट्ठा मालिकों का 4 से 5 लाख का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।इस प्रकार छोड़ छोड़ के क्षेत्र में बे मौसम बारिश ने से ईंट उद्योग की कमर तोड़ दिया है।भारी बारिश से जहां एक तरफ उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है।वहीं इस बारिश से ईंट भट्ठा मालिकों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है।ईंट भट्ठा पर कच्ची ईंट का निर्माण बारिश के पहले खत्म हो जाता है।बारिश के पहले ईंट भट्ठा मालिक कच्ची ईंटों की पथाई कर कई महीनो के स्टॉक कर लेते हैं।और बारिश के पहले उन ईंटो को भीगने से बचने के इंतजाम कर लेते हैं।लेकिन बे मौसम बारिश ने ईंट उद्योग के लिए काफी नुकसानदायक साबित हुआ है।मामले को लेकर एक ईंट भट्ठा के मालिक ने

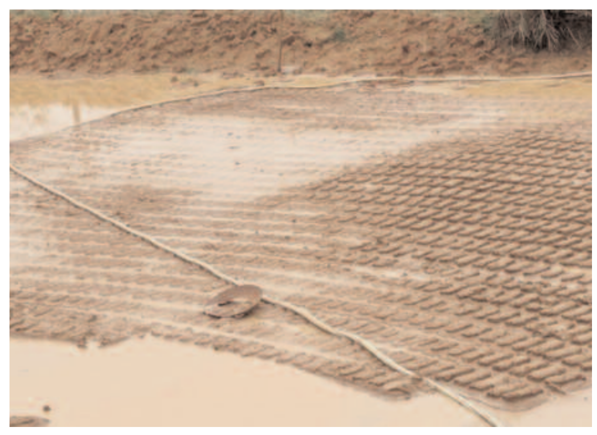

अपनी ब्यथा बताया कि अब पथाई बंद होने वाली थी।कच्ची ईंटों को बारिश से बचाने का अभी तक कोई इंतजाम नहीं हो पाया था।और हजारों हजार ईंट वर्षा के पानी से गल कर बर्बाद हो गई।बड़कागांव प्रखंड के अधिकतर ईंट भट्ठों पर लगभग 4 से 5 लाख कच्ची ईंट बारिश में गल गई और जो ईंट भराई या खेवाल में लग गई थी।सब बर्बाद हो गया।मानो हम ईंट भट्ठा मालिकों की किस्मत ही फूट गई हो।कुछ वर्ष पूर्व लॉकडाउन ने पहले ही कमर तोड़ दी थी।हम ईंट व्यवसाय काफी कर्ज में डूब गए थे।उस कर्ज से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि अब अधिकतर भट्ठों पर लगभग 4 से 5 लाख कच्ची ईंट बारिश में गल गई।ईंट बनाने एवं भट्ठा लगाकर उसे जलाने का काम जारी था।विगत कुछ दिनों से लगातार बदली छाई हुई है एवं बारिश का माहौल बना हुआ है।और बारिश होने से इससे ईंट बनाने वालों की नींद उड़ी हुई है।लगातार बदली एवं समय-समय पर हो रही बारिश के कारण ईंट जहां नहीं सुख पा रही है। वहीं लगे हुए ईंट से केवल धुआं उठ रहा है।इससे भट्ठा के ऊपर जहां तक आग नहीं पहुंची है वह ईंट भी गलने लगी हैं।ईंधन का भी काफी नुकसान हो रहा है।ईंट पथाई करने वाले मजदूरी पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है।ईंट भट्ठा मालिकों को बे मौसम बारिश ने कहीं का नहीं छोड़ा।अब तो यह चिंता सताने लगी है कि पथेरों का हिसाब होगा।पथेरों का जाने का भी समय आ गया है।बे मौसम बारिश जहां एक ओर क्षेत्र के तमाम किसानों के लिए वरदान साबित हुई।वहीं ईंट उद्योगों के लिए यह बारिश कहर बनकर टूटी।कुल मिलाकर कहां जाए तो इस वर्ष ईंट का व्यवसाय बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।वैसे इसका सीधा असर ग्राहकों पर पड़ेगा।भट्ठा मालिक का कहना है कि मौसम की पुनः बदलने पर रेट भी बढ़ने की संभावना है।अब ईंट कीमत लगभग प्रति हजार 1000 से ?2000 अधिक कीमत बढ़ाई जा सकती है।वहीं ईंट के छोटे छोटे-छोटे व्यवसाय या ग्रामीण अपने मकान बनाने को लेकर भी जो बांग्ला ईंट का निर्माण करते हैं।उनका भी रोने का लाले पड़े हैं। कई व्यवसाय व ग्रामीण कर्ज लेकर भी ईंट बनाने का कार्य को करते हैं।और अब उनकी चिंता सता रही है कि हम मजदूर को मजदूरी देंगे या फिर कर्ज लिए गए पैसे की ब्याज सहित अदायगी करेंगे।

कुलपति से मिली एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के गतिविधियों से कुलपति को अवगत कराया। कुलपति ने डॉ लक्ष्मी सिंह को कुछ आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ज्ञात हो कि डॉ लक्ष्मी सिंह नियमित रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना का कैंप का आयोजन पिछ्ले एक दशक से करती आ रही है। वह विश्वविद्यालय में बास्केटबॉल की चयनकर्ता भी है। इनकी गिनती यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज में सर्वाधिक कक्षा लेने वाले शिक्षकों में होती है। यह विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय मानी जाती है। उनके आकर्षक कार्य शैली के कारण बड़ी संख्या में लॉ कॉलेज के विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ते हैं।

नव नियुक्त कुलपति से मिला छात्र मोर्चा

● छात्र हितों का रखा जाएगा भरपूर ख्याल,जल्द ही होगी सभी समस्याओं का समाधानः कुलपति सी.बी.शर्मा

● विधि महाविद्यालय में एल.एल.एम नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएः चंदन सिंह ● छात्र मोर्चा विश्वविद्यालय हितों के लिए सदैव तत्पर रहेगाः लड्डू यादव

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। नव नियुक्त कुलपति से छात्र मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल ने मुलाक़ात किया। छात्र मोर्चा के पदाधिकारियों ने कुलपति से मिल उन्हें पुष्प गुच्छ प्रदान किया। मौके पर चंदन सिंह ने कुलपति को छात्रों की समस्याओं से अवगत करवाया। लड्डू यादव ने मौके पर कहा की छात्र हितों के लिए मोर्चा सदैव तत्पर रहेगा। विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में हुई चार महीने पूर्व नामांकन प्रक्रिया को अविलंब पूर्ण करने का आग्रह सुनील मेहता ने किया साथ ही साथ विधि महाविद्यालय में रिक्त स्थानों को भी भरने का आग्रह किया वहीं नेशनल यूथ फ़ेस्टिवल में विश्वविद्यालय को जीत दिलाने वाले छात्रों को भी सम्मानित करने का आग्रह किया गया। कुलपति ने शीघ्र ही सभी मामलों पर कारवाई का आश्वासन दिया। मौके पर मुख्य रूप से चंदन सिंह, लड्डू यादव,सुनील मेहता,निशि मेहता, रोहित वर्मा, साजन मेहता, अनिल मेहता, इमरान ख़ान, दीपक झा और पवन कुमार सामिल थे।

सदर ब्लॉक खो खो संगठन के तहत लॉर्ड कृष्ण स्कूल ने खो खो प्रतियोगिता मे तृतीय रैंक लाकर विद्यालय का किया नाम रोशन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सदर ब्लॉक खो खो संगठन के तहत लॉर्ड कृष्ण स्कूल अमृत नगर हजारीबाग ने खो खो प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें -18 के विद्यार्थी होली क्रॉस पी टी सी, जैक एंड जिल, माउंट एगमाउंट हजारीबाग सेक्रेड हार्ट स्कूल के साथ प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में इस खेल का आयोजन संयोजक सुशांत कुमार सदर प्रखंड खो खो संघ के द्वारा किया गया जिसमें लॉर्ड कृष्णा स्कूल अमृत नगर के छात्राओं एवं छात्रों के -18 के विद्यार्थी सम्मिलित हुए एवं दोनों टीम के विद्यार्थी तृतीय रैंक लाकर विद्यालय का नाम खेल में उजागर किये। छात्रों का नाम क्रमशः स्नेहा, रोशनी ,शीतल ,लक्ष्मी, दीपिका ,अर्चना, देवंती, श्रुति ,प्रतिभा ,साक्षी, तारा, राशिका, सिमरन ,बॉबी, संध्या, सोनम एवं दीपिका। दूसरी टीम छात्रों में सूरज यादव, नवनीत ,सुनील, कृष्णा, विक्रम, रंजीत रौनक, सुमित, अजीत, पृथ्वी ,संजीत, शिवा आर्य ,ईश्वर, मोहित, विवेक ,सूरज ,उत्पल ,शिवराज ,अंकित , सूरज ,राजनंदन, समर एवं सुमित भाग लिए। इस कार्य को संपन्न करने के लिए विद्यालय के सपोर्ट शिक्षक विजय कुमार यादव, लीडर कोमन कुमार एवं को लीडर देवंती देवी को प्रतिनियुक्त किया गया । बच्चों में उत्साह बढ़ाने के लिए लॉर्ड कृष्णा स्कूल के सचिव अमिताभ नीरज ओरिया ग्राउंड में स्वयं उपस्थित होकर खेल का आनंद लिए एवं सभी विद्यालयों को एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापन किए। इस कार्य के लिए संयोजक सुशांत कुमार को भी धन्यवाद दिए।

विधायक रोशनलाल चौधरी ने प्रखंड मुख्यालय कार्यालय का किया औचक निरीक्षण कई अधिकारी अनुउपस्थित थे

● विधायक ने सीओ को लगाया फटका कहा जनता की कार्यों को समय पर करें, परेशान नहीं करें

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। मंगलवार को बड़कागांव विधानसभा विधायक रोशन लाल चौधरी ने बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। विधायक ने वर्तमान में बड़कागांव अंचल के कार्यों का निरीक्षण करते हुए लंबित कार्यों का जल्द से जल्द निष्पादित करने को कहा। इस दौरान दर्जनों ग्रामीण अंचल के शिकायत को विधायक के समक्ष रखा। ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी मनोज कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अंचलाधिकारी द्वारा सरल कार्यों को भी लंबित कर रखा जाता है । जिस कारण हम ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि लंबित कार्यों में कुछ कार्य योजना को धरातल में उतारने से संबंधित भी है। कई ग्रामीणों को जमीन बेचकर बेटी की शादी करनी है, लेकिन अंचल में लंबित कागजात संबंधित कार्यों के कारण ग्रामीणों को कई दिक्कतें हो रही है। वहीं विधायक रोशन लाल चौधरी ने अंचलाधिकारी को दो-चार दिन के अंदर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अंचल में लंबित कार्यों का निष्पादित करने का आदेश दिया।कहा जनता की कार्यों में लेट लतीफ नहीं करें परेशान नहीं करें समय पर कार्यों का निपटारा करें।

ज्ञात हो कि बीते सोमवार को बड़कागांव में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी प्रहलाद मांझी को एसीबी की टीम ने 3000 रिश्वत लेते रंगे हाथ पड़कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। बड़कागांव अंचल में भ्रष्टाचार के चर्चाएं बड़ी जोरों पर है। कई ग्रामीणों ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि अबूवा आवास के लिए भूमि प्रतिवेदन में भी भ्रष्टाचार जोरो पर रहा। मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, मुखिया संघ के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, पूर्व मुखिया भीखन महतो, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, प्रखंड कर्मी आशीष कुमार, अरुण पासवान, भास्कर राज,राजा खान, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइंया, आजसू प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, सचिव मनोज दागी, गिरेंद्र प्रसाद, कामेश्वर महतो के अलावा कई विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

छात्र नेताओं ने विभावि कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा का किया स्वागत

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की लगभग दो वर्षों के लंबे इंतजार के बाद नियुक्ति होने पर छात्रों में हर्ष की लहर है। आज विश्वविद्यालय के छात्र नेता अभिषेक राज अपने साथियों के साथ नवनियुक्त कुलपति प्रो. चंद्रभूषण शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत किया। अभिषेक राज ने कुलपति महोदय को पुष्पगुच्छ भेंट कर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने कहा कि छात्रहितों, शैक्षणिक गुणवत्ता और विश्वविद्यालय के समग्र विकास को लेकर छात्रों को उनसे विशेष अपेक्षाएं हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करेगा और एक सकारात्मक, शिक्षाप्रद वातावरण की स्थापना हेतु हरसंभव प्रयास किया जाएगा। छात्र नेताओं ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा से ही छात्र-छात्राओं की आवाज़ बनकर विश्वविद्यालय को एक बेहतर दिशा देना रहा है। प्रो. चंद्रभूषण शर्मा जैसे अनुभवी शिक्षाविद् के आगमन से विश्वविद्यालय को एक नई ऊर्जा मिलेगी और यह शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करेगा।

बड़कागांव में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो महिला सहित 6 लोग गिरफ्तार

● सूर्य मंदिर के पास राधा मोहन इन होटल में चलती थी देह व्यापार

● होटल मालिक समाजसेवी बनकर बंद कमरे में चलाते थे सेक्स रैकेट

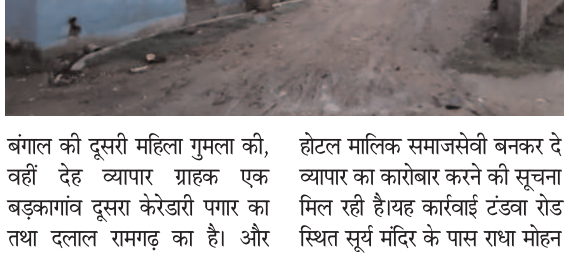

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। स्थानीय पुलिस ने रविवार को एक बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो महिलाएं, दो पुरुष, एक दलाल और होटल मालिक शामिल हैं। एक महिला बंगाल की दूसरी महिला गुमला की, वहीं देह व्यापार ग्राहक एक बड़कागांव दूसरा केरेडारी पगार का तथा दलाल रामगढ़ का है। और होटल मालिक समाजसेवी बनकर दे व्यापार का कारोबार करने की सूचना मिल रही है।यह कार्रवाई टंडवा रोड स्थित सूर्य मंदिर के पास राधा मोहन इन होटल में की गई, जहां यह अनैतिक गतिविधियाँ लंबे समय से संचालित हो रही थीं। आरोपियों के विरुद्ध बड़कागांव थाना कांड संख्या 125/25 के तहत आरोपियों के विरुद्ध 292/296/318(4)338/61(2) बी.एन.एस. एवं 3/4/5 धाराओं के तहत मामला दर्ज की गई।

गुप्त सूचना के बाद कई दिनों से थी निगरानी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिछले कई दिनों से होटल में संदिग्ध गतिविधियों की गुप्त सूचना मिल रही थी। संदेह के आधार पर पुलिस ने होटल पर निगरानी शुरू की और पुष्टि होने पर छापेमारी कर रैकेट का पर्दाफाश किया।

छापेमारी में आपत्तिजनक हालत में युवक-युवतियां पकड़े गए

पुलिस ने मौके पर अनैतिक कार्य में लिप्त युवक-युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। पूछताछ के दौरान चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं, जिनके आधार पर पुलिस अब रैकेट से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

लगभग दो-तीन वर्षों से चल रहा था रैकेट

अब तक बचते रहे थे संचालक पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि यह रैकेट पिछले दो-तीन वर्षों से संचालित हो रहा था, लेकिन अब तक किसी ने औपचारिक शिकायत नहीं की थी। होटल मालिक और दलाल की मिलीभगत से यह कारोबार चल रहा था।

सभी आरोपियों को भेजा गया जेल

बड़कागांव थाना प्रभारी के अनुसार, पकड़े गए सभी छह आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आगे की जांच जारी है और इस रैकेट से जुड़े अन्य सहयोगियों की भी पहचान की जा रही है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा संख्याः** TRD/OT/04/OHE/NON PB/2025-26 **(1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधिः** Outsourcing of OHE non power block activities in DHN Division for (02) years कार्य समापन की अवधि- (24) चौबीस माह **(2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशिः** रूपया 5,99,56,525/- निविदा प्रपत्र का मुल्य-शून्य/- **(3) बीड सिक्युरिटिः** 4,49,800/- **(4) ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समयः** ई-निविदा बंद होने की तिथि 16.05.2025 को 11:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि 16.05.2025 को 11:30 बजे **(5) वेबसाईट का विवरणः** वेबसाईट **www.ireps.gov.in** ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क॰वि॰
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0277/डीएचएन/टीआरडी/टी/25-26/28

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरीय मंडल अभियंता, टी.आर.एस., पूर्व मध्य रेलवे, गोमो सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से ई.निविदा सं ELS_401_cleaning_24-25_11. हेतु खुला ई. निविदा आमंत्रित करती है।

1. कार्य का नाम तथा स्थान : विद्युत लोको शेड, गोमो में तीन साल के लिए विविध सफाई, रख रखाव तथा औद्योगिक कचरौ का निष्कासन। स्थान : विद्युत लोको शेड, गोमो, 2. कार्य का अनुमानित लागत : ₹1,40,87,302.83 रु. (एक करोड़ चालीस लाख सत्तासी हजार तीन सौ दो रूपये तथा तिरासी पैसे मात्र), 3. अग्रधन राशि : ₹2,20,400/- रु. (रूपये दो लाख बीस हजार चार सौ मात्र), 4. निविदा जमा करने तथा बंद होने की तिथि तथा समय : 26.05.2025 से 09.06.2025 को 11:30 बजे निविदा बंद होने तक, 5. वेबसाइट का विवरण जहाँ निविदा दस्तावेज उपलब्ध है। सम्पूर्ण विस्तृत निविदा देखने के लिए सूचना पट्ट की स्थिति : आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट www.ireps.gov.in. निविदा भरने वाले उनका मूल या परिभोधित बिड (निविदा प्रस्ताव) केवल इसी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते है। इस निविदा के तहत मैनुवल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है तथा ऐसे किसी भी मैनवुल निविदा प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। विद्युत लोको शेड, गोमो का सूचना पट्ट।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता/
पूमरे/गोमो

पीआर/0279/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/40

संक्षिप्त समाचार

सोंस में पारंपरिक जेठ जतरा का हुआ आयोजन

संवाददाता–अंगद कुमार सिंह

चान्हो। प्रखण्ड के सोंस में मंगलवार को पारंपरिक जेठ जतरा का आयोजन हुआ। जेठ जतरा में दूर दराज से विभिन्न गांवों से आए हुए खोड़हा में शामिल होकर पारंपरिक नृत्य लोगों ने किया। जेठ जतरा उरांव समुदाय की संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पर्व समुदाय के बीच एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देता है।यह पर्व हर साल वैशाख माह की पूर्णिमा के अगले दिन, यानी पहले जेठ कृष्ण को मनाया जाता है। यह उरांव समुदाय की अस्मिता, गौरव और वीरता का प्रतीक है। जतरा में विभिन्न पड़हा के सदस्य शामिल होते हैं, जो अपने-अपने पड़हा के पताका लेकर जाते हैं। मांदर की थाप पर लोग गीत और नृत्य की प्रस्तुति करते हैं, सरना झंडा लेकर जतरा में भाग लेने की भी परंपरा है। जतरा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

ऑक्सब्रिज स्कूल में विद्यार्थी हुए सम्मानित

संवाददाता–अंगद कुमार सिंह

मांडर। कंदरी मोड़ मांडर स्थित ऑक्सब्रिज स्कूल में सी. बी. एस. ई. बोर्ड परीक्षा (2024-2025) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं के विद्यार्थियों को स्कूल मोमेंटो एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य मिस ईवोन ई. एक्का ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों के सकारात्मक सोच एवं उनकी अंतर्निहित क्षमता का विकास एवं प्रतिभा को उजागर करना है। समारोह में मौजूद वर्तमान कक्षा 10वीं के छात्रों की उपस्थिति में अतिथि श्री मनीष कुमार (आई. आई. टी. रुड़की) ने बच्चों को अपने सम्बोधन में नियमित रूप से पढ़ाई करने तथा प्रश्नों को रटने के बजाय समझकर अभ्यास करने पर जोर दिया तथा अपने आत्मविश्वास को बनाए रखने को कहा।

विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर भाजपाइयों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाला गया तिरंगा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता–मोहम्मद शमीम

उंटारी रोड, पलामू। जिले के विश्रामपुर नगर परिषद मुख्यालय में सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर भाजपाइयों द्वारा तिरंगा यात्रा निकल गया। तिरंगा यात्रा की शुरुआत सोरडीहा स्थित भाजपा कार्यालय से हुआ। तिरंगा यात्रा की अगुआई मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी कर रहे थे। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारत की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम और अदम्य साहस का परिचायक है। यह तिरंगा यात्रा भारतीय सेना को समर्पित है। जो दिन-रात मातृभूमि की रक्षा में तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय फौज के वीरता पूर्ण कार्यों के लिए देश कृतज्ञ है और जनता भी अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है। मौके पर वरीय भाजपा नेता डॉ बी पी शुक्ला, ललन प्रसाद पांडेय, बिहारी लाल गुप्ता, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी, शिववंश मिश्रा, देवनारायण सिंह, शंकर केशरी, विजय कुमार रवि, मनीष कुमार, रजनीश कुमार, संजय शाह सहित सैकड़ो लोगों उपस्थित थे।

मामूली विवाद में आधा दर्जन गंभीर रूप से हुए घायल, तीन रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी स्वर्णकार मोहल्ला में सोमवार रात लगभग शाम 5 बजे आपसी विवाद को लेकर दो सगे भाईयों के परिवारों के बीच जमकर मारपीट की घटना हो गई। इस घटना में एक पक्ष के परमेश्वर साव व उनकी पत्नी सुनीता देवी, पुत्री श्वेता देवी, तन्नू कुमारी, तनीषा कुमारी और मनीषा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इन घायलों को इटखोरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने इलाज के बाद सुनीता देवी, पुत्री श्वेता देवी और मनीषा कुमारी को गहन चिकित्सा के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दी है। घायल सुनीता देवी ने बताई की घटना से पूर्व हमारी बच्ची कुएं पर बर्तन धो रही थी। इसी को लेकर दोनों पक्षों की बीच पहले कहासुनी हुई। बाद में मामला मारपीट तक पंहुच गया। जिस दुर्घटना में मनीषा कुमारी की हाथ की हड्डी टुट गई एवं दीपिका के हाथ की उंगली टूट गई। वहीं परमेश्वर साव का सिर में चोट लगा और सुनीता देवी के सर पर गंभीर रूप से चोटें आई हैं। तनीषा के सर पर गंभीर रूप से चोटें आई है। जबकि तन्नू कुमारी की पीठ के पीछे की रीड की हड्डी टुट गई है। इधर दुसरे पक्ष के बबलू सोनी और पुष्पा को भी चोटें आई है। इस संबंध में परमेश्वर साव ने इटखोरी थाने में मारपीट में शामिल शंकर सोनी व बबलू सोनी तथा उनके परिजनों के विरुद्ध आवेदन दी है। पुलिस पुरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

10वी एवं 12वी कक्षा के बच्चे सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में टॉपर को सम्मानित किया गया

संवाददाता–अंगद कुमार सिंह

मांडर। प्रखण स्थित कन्दरी मोड़ मंगलवार को दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल, मांडर, रांची के प्रांगण में आज कक्षा 12वीं एवं 10वीं के बच्चे जो सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के टॉपर है तथा पिछला सत्र के सभी कक्षाओं के टॉपर बच्चों को मोमेंटो तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर मांडर के पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, मांडर

थाना प्रभारी राहुल कुमार, शिक्षाविद डॉक्टर डी. एन .सिंह एवं राजू सिंह विद्यालय के निदेशक डॉ राजेश दत्त तथा विद्यालय की सेक्रेटरी अर्चना मैडम के द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा सभी अतिथियों का स्वागत सॉल् तथा पौधा देकर किया गया इस कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा स्वागत गाण की प्रस्तुति की गई विद्यालय के निदेशक डॉ राजेश दत्त ने कहा कि सीबीएसई बोर्ड में विद्यालय के टॉपर बच्चे आदित्य आर्यन चौबे 12वीं में 95त्न तथा विवेक कुमार सिंह दसवीं में 96त्न लाकर विद्यालय तथा अभिभावक का सर गर्व से ऊंचा किया साथ ही सभी बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए साथ ही साथ विद्यालय के 12वीं के बच्चे आदित्य आर्यन चौबे जी मैंस परीक्षा में 99.6% लाकर रांची के टॉपर बने। इन सब के पीछे बच्चों का मेहनत, शिक्षकों का मेहनत तथा अभिभावकों का मेहनत भी शामिल है उन्होंने यह भी कहा कि यह आपकी पहली सीढ़ी है जिसे आपने सफलतापूर्वक प्राप्त किया अब आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहे और अपने लक्ष्य को प्राप्त करते रहें उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विचार होता है इसलिए अपने शरीर पर भी बच्चे ध्यान दें और पढ़ाई को भी समय सारणी बनाकर पढ़ाई करते रहें। धन्यवाद ज्ञापन तथा मंच संचालन रेहाना के द्वारा किया गया इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य ,उप- प्राचार्य, शिक्षक गण, बच्चों के अभिभावक सभी उपस्थित थे।

प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए बालूमाथ में एनडीआरएफ का जागरूकता शिविर

बालूमाथ। बालूमाथ आपदा की घड़ी में सतर्कता और सही जानकारी से जान बचाई जा सकती है इसी उद्देश्य को लेकर बालूमाथ प्रखंड कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की ओर से एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आपदा प्रबंधन से जुड़ी अहम जानकारियों और प्राथमिक चिकित्सा तकनीकों को प्रदर्शित कर आम लोगों को प्रशिक्षित किया गया। शिविर में उपस्थित एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों ने बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के समय सही और त्वरित प्रतिक्रिया जान बचाने में बेहद अहम होती है। लोगों को

रक्तस्राव को रोकने के लिए दबाव बिंदुओं और पट्टियों का सही उपयोग, हृदय गति रुकने की स्थिति में सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) देने की विधि, पानी में डूबने की स्थिति में अस्थायी राफ्ट बनाने का तरीका और सड़क दुर्घटनाओं के समय घायल व्यक्ति को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के लिए अस्थायी स्ट्रेचर बनाना सिखाया गया। इसके साथ ही, लिफ्टिंग और मूविंग तकनीकों की जानकारी दी गई,जिससे घायल व्यक्ति को सुरक्षित रूप से उठाकर स्थानांतरित किया जा सके। सांप काटने जैसी आकस्मिक स्थितियों में प्राथमिक उपचार के सही उपायों को भी विस्तार से समझाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में आम लोग, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, स्कूली बच्चे और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने एनडीआरएफ की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम गांव-गांव में होने चाहिए ताकि आमजन में आपदा से निपटने की तैयारी मजबूत हो सके। इस मौके पर एनडीआरएफ अधिकारियों ने यह भी बताया कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है।जिसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

बिजली ठीक करने ट्रांसफार्मर पोल पर चढ़े मैकेनिक को लगा करंट, घायल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। मंगलवार को हंटरगंज थाना क्षेत्र के हंटरगंज सीआरपीएफ कैंप के समीप बिजली ठीक करने के लिए ट्रांसफॉमर पोल पर चढ़े एक मैकेनिक करंट की चपेट में आकर नीचे जमीन पर गिर गया। जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। इधर ग्रामीणों के सहयोग से घायल मैकेनिक को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज हेतु गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मैकेनिक के

कमर में गंभीर चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सीआरपीएफ कैंप के समीप मोहल्ले में बिजली लाइन में खराबी आने से बिजली गुल हो गई थी। शिकायत पर बिजली मैकेनिक देवनबार निवासी लवकुश कुमार (30) बिजली ठीक करने के लिए ट्रांसफार्मर के पोल पर चढ़े। और ट्रांसफार्मर में फॉल्ट बना रहे थे । इसी दौरान उन्होंने बिजली के तारों को हाथ लगाया, उसमें करंट आ गया। करंट का झटका लगते ही वह नीचे धड़ाम से गिरे। और गंभीर रूप से घायल हो गए।ग्रामीणों ने आनन - फानन में उन्हें घायल अवस्था में हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें गया रेफर कर दिया। घटना की सुचना मिलते ही हंटरगंज बिजली विभाग सुपरवाइजर पिंटू सिंह, मैकेनिक संजीत कुमार, अमरेश कुमार, आशीष कुमार, तनु राज, समुदायिक स्वास्थय केन्द्र पहुंचे और मैकेनिक का हाल चाल जाना। वही हंटरगंज बिजली विभाग सुपरवाइजर पिंटू सिंह ने बताया कि विभाग को इसकी जानकारी दे दी गई है वही उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि विभाग से मदद दिलाई जाएगी।

रविदास समाज के लोगों ने छत्तर रविदास के दशगात्र के मौके पर दी श्रद्धांजलि

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के ग्राम पकरिया में दशगात्र कार्यक्रम में मंगलवार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में रविदास समाज के लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। यहां समाज के लोगों ने छत्तर रविदास की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मृतक के परिजनों को ढाढस बंधाए। बताते चले कि 90 वर्षीय छत्तर रविदास का आकस्मिक निधन पिछले 10 मई को हो गया था।

इस मौके पर सोभि रविदास, रामबृक्ष रविदास, निरंजन रविदास, बाबूलाल रविदास, शिक्षक फागू राम, शिक्षक राम सुरेश रविदास, राजकुमार रविदास, मुंशी रविदास, विष्णुदेव रविदास, ईश्वर रविदास, सीताराम रविदास,बालदेव रविदास,राजदेव रविदास, ललित कुमार, किशोर रविदास,घमस्याम रविदास,सकलदेव रविदास, अशोक रविदास,नागेश्वर रविदास, हेमराज रविदास,सम्भु रविदास, शिवकुमार रविदास, नीरज कुमार,रमन रविदास, रामभरोस रविदास, जानकी रविदास,चितरंजन रविदास, रघु रविदास, सोनू कुमार दास,अर्जुन रविदास, अनिल कुमार दास, बोधा रविदास, अशोक रविदास, चंदू रविदास मौजूद थे।

फाइलेरिया को लेकर बैठक नाइट ब्लड सर्वे अभियान को सफल बनाने का लिया निर्णय

आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता

चरही। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरचू में फाइलेरिया रात्रि रक्त पट संग्रह कार्यक्रम 2025 की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक ने की। बैठक में फाइलेरिया के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित होने वाले नाइट ब्लड सर्वे कार्यक्रम की सफलता पर विचार विमर्श किया गया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक राम ने बताया गांव में रात्रि रक्त पट संग्रह के द्वारा फाइलेरिया की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया का जीवाणु रात में ही सक्रिय होते हैं। इसको देखते हुए यह

कार्यक्रम रात 8 बजे से प्रारंभ होगा। जिस भी गांव या पंचायत में इसका आयोजन होगा, उस गांव के लोग कर्मियों को सहयोग करे।

कहा कि फाइलेरिया एक गंभीर लाइलाज बीमारी है। समय पर जांच एवं पता चलने पर उचित इलाज के द्वारा फाइलेरिया से बचा जा सकता है। फाइलेरिया बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य कर्मी रात के समय गांव में जाकर ग्रामीणों का निःशुल्क रक्त संग्रह करेंगे। रक्त पट्ट संग्रह के माध्यम से ग्रामीणों के रक्त में फाइलेरिया के वायरस है अथवा नहीं, इसकी जांच चरही पंचायत और जरबा मे की जायेगी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया मुक्त गांव बनाने के लिए चयनित कुछ पंचायत गांवों में ही यह अभियान चलाया जाएगा। मुख्य रूप से शामिल ललित राम प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, अशोक राम चिकित्सा पदाधिकारी चुरचू, चौलेश्वर महतो पूर्व उप प्रमुख चुरचू, प्लेन इंडिया प्रखंड के पदाधिकारी शामिल थे।

हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं का समाधान शीघ्र हो : सुषमा गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता– लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में व्याप्त जन समस्यओं के समाधान को लेकर वार्ड पांच की पूर्व पार्षद सुषमा गुप्ता मुखर हैं। इसे लेकर उन्होंने नगर प्रशासक को एक पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा है। साथ ही समस्याओं का त्वरित समाधान की मांग की है। कहा है कि हुसैनाबाद नगर क्षेत्र के सभी नालियों की सफाई, चापाकल की मरम्मती व पेयजल सुविधा के लिए जलमीनार का रख रखाव, टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट मरम्मती व आवश्यकतानुसार लाइट की व्यवस्था, पीएम आवास योजना के चयनित लाभुकों की बकाए किश्तों का भुगतान करना एवं नगर पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय का भुगतान करना आदि शामिल है। निवर्तमान पार्षद सुषमा ने बताया है कि वर्तमान समय मे नगर पंचायत बोर्ड की बैठक कार्यकाल की समाप्ति के कारण नही हो रही है। इससे कई मूलभूत जन समस्याओं का समाधान समय से नही हो पा रहा है। उन्होंने नगर प्रशासक से नगर क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं का समाधान शीघ्र कराने की मांग की है।

चिमनी ईंट भट्ठा में वज्रपात से एक मजदूर की मौत, चार घायल

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के सीरम गांव में कैलाश भगत के चिमनी ईंट भट्ठा पर मंगलवार को वज्रपात से कन्हैया लाल,55 वर्ष,पिता रघु लाल,ग्राम मलसिया,जिला सक्ती छत्तीसगढ़ की मौत हो गयी. जबकि सुखलाल कवर 25 वर्ष पिता सुधु कवर,नीलाधर साहू 15 वर्ष, योगेश्वरी कुमारी दोनों पिता फुलसाय साव और जानकी कवर 16 वर्ष पिता लालकुमार कवर चारो ग्राम मसलिया जिला शक्ति छत्तीसगढ़ घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों और चिमनी भट्ठा संचालक कैलाश भगत की मदद से सभी लोगों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां कन्हैयालाल को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मिली जानकारी के अनुसार सभी मजदूर छत्तीसगढ़ से आये थे और कैलाश भगत के अवैध चिमनी ईंट भट्ठा में ईंट बनाने का काम करते थे। तभी जोरों की बारिश होने लगी. तभी अचानक आकाशीय बिजली गिरने से कई मजदूर इसकी चपेट में आ गये. घटना के बाद बालूमाथ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया।

100 वर्षीय समरी देवी की आकस्मिक निधन

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड के टोनाटांड निवासी प्रभु रविदास की 100 वर्षीय माता समरी देवी का पहले सुबह 4-00 बजे आकस्मिक देहावसान हो गया। दिवंगत समरी देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। दिवंगत समरी देवी के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार मुहने के श्मशान घाट पर किया गया। दिवंगत समरी देवी के पोते रवि कुमार दास ने बताया कि मेरे दादी की मंगलवार को अहले सुबह निधन हो गया उनकी उम्र 100 साल थी। समरी देवी की चार पुत्र हैं प्रभु रविदास, वकील रविदास भिखारी रविदास मुख्यअग्नि छोटे पुत्र गणेश रविदास ने दिया।

फुफेरी बहन के शादी में माता पिता को पहुचा कर घर वापस जा रहे युवक की दुर्घटना में हुई मौत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता– लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला छतरपुर मुख्य सड़क के चौहान मोड़ के पास दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गयी, जिसमे एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गयी, मृतक हैदरनगर थाना क्षेत्र के बहेरा हरिजन बीघा गांव निवासी 19 वर्षीय गोल्डन कुमार है, पुलिस दोनो बाइक को कब्जे लेकर शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौप दिया, बताया जाता है मृतक की फुफेरी बहन की आज शादी थी उसी को लेकर मृतक अपनी मा-पिता को हुसैनाबाद के खरार पर फूफा के घर पहुचा कर वापस अपने घर जा रहा था, उसी क्रम में बाइक दुर्घटना का शिकार हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर चरही में निकाली गई तिरंगा यात्रा

आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता

चरही। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर चरही में निकाली गई तिरंगा यात्रा चरही चुरचू प्रखंड भाजपा की ओर से मंगलवार को चरही चौक से दुर्गा मंडप मैदान से तिरंगा यात्रा निकाली गई। ऑपरेशन

सिंदूर की सफलता पर तिरंगा यात्रा चरही के मैदान से निकालकर चरही चौक होते हुए दुर्गा मंडप पहुंची।तिरंगा यात्रा में शामिल लोग पाकिस्तान मुर्दाबाद, पाकिस्तान हाय- हाय के नारे लगा रहे थे। बाजार टांड में नारेबाजी करते हुए वापस मैदान पहुंची। निकाली गई तिरंगा यात्रा में मंडल अध्यक्ष शशि कुमार भाजपा वरिष्ठ नेता द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह,रमेश करमाली पूर्व उप मुखिया सह भाजपा एस टी मोर्चा अध्यक्ष चुरचू, आशा राय प्रखंड महिला मोर्चा अध्यक्ष चुरचू , बीना मिश्रा, संगीता देवी, रोशनी मुर्मू, मुरारी सिंह, भोपाल ठाकुर, फुलेश्वर महतो,रोहित महतो, महादेव विश्वकर्मा, रजनीकांत बरनवाल, रमेश करमाली माथुर महतो, राजू राम,सहदेव राम, सहित अन्य लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

लिट्टीपाड़ा प्रखंड के मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में तिथि भोजन के तहत कराया गया विशेष भोजन

● बच्चों ने जन्मदिन पर उत्साहित होकर काटे केक

आदिवासी एक्सप्रेस लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) मंगलवार को उपायुक्त पाकुड़ के निदेशानुसार लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत पूर्वी एवं पश्चिमी भाग के सभी 183 मध्याह्न भोजन संचालित विध्यालयों में छात्र छात्राओं को तिथि भोजन के तहत विशेष भोजन कराया गया
साथ ही जिन बच्चों का माह मई 2025 में जन्मदिन है उन बच्चों से केक कटिंग कर उत्साहवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रकार के आयोजित कार्यक्रम में बच्चे काफ़ी खुश और उत्साहित होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया साथ ही विशेष लजीज व्यंजनों के आहार का आनन्द भी लिया।
इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विद्यालय के शिक्षक, बी.आर.पी सी.आर.पी, सभी ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों ने अपनी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम का सफल आयोजन कराया।

प्रखंड के सभी विद्यालयों में तिथि भोज का किया गया आयोजन

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता आमड़ापाड़ा
अमड़ापाड़ा (पाकुड़) प्रखंड के सभी स्कूलों में उपायुक्त पाकुड़ के निर्देश पर मंगलवार 20 मई को तिथि भोज का आयोजन किया गया। वहीं प्रखंड के अनुसूचित जनजाति मध्य विद्यालय अमड़ापाड़ा में भी तिथि भोज के मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता,मुखिया गयालाल देहरी, प्रखंड बीपीआरओ जिल्लुर रहमान,पंचायत सचिव शशांक शेखर पांडेय,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विनोद दास ने बच्चों के साथ जमीन में बैठक कर भोजन किया. इससे पूर्व बीडीओ की उपस्थिति में अनुसूचित जनजाति मध्य विद्यालय अमड़ापाड़ा कक्षा आठ की छात्रा संजू मुर्मू का जन्मदिन पर केक काट कर जन्मदिन मनाया गया।बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने बच्चों से कहा की यह तिथि भोजन हर माह के 20 तारीख पर मनाया जायेगा.इस दिन स्कूल में बच्चों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की जायेगी।

नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के द्वितीय चरण के पात्र लाभुकों का किया जा रहा सर्वे

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना द्वितीय चरण के तहत लाभुकों द्वारा किए गए आवेदनों को जिला प्रशासन के पीएमयू सेल के सदस्यों एवं नगर परिषद के कर्मियों के द्वारा संयुक्त स्थल निरीक्षण करके लाभुकों की योग्यता की जांच की गई। इस क्रम में कुल 450 आवेदनों की जांच की गई। जांच में योग्यता के अनुसार सही पाए गए आवेदनों को जल्द से जल्द योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत द्वितीय चरण में पात्र बेघर परिवारों और कच?चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराया जाएग।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड के मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में तिथि भोजन के तहत कराया गया विशेष भोजन और बच्चों ने जन्मदिन पर उत्साहित होकर काटे केक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) मंगलवार को उपायुक्त पाकुड़ के निदेशानुसार लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत पूर्वी एवं पश्चिमी भाग के सभी 183 मध्याह्न भोजन संचालित विध्यालयों

में छात्र छात्राओं को तिथि भोजन के तहत विशेष भोजन कराया गया साथ ही जिन बच्चों का माह मई 2025 में जन्मदिन है उन बच्चों से केक कटिंग कर उत्साहवर्धक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रकार के आयोजित कार्यक्रम में बच्चे काफ़ी खुश और उत्साहित होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया साथ ही विशेष लजीज व्यंजनों के आहार का आनन्द भी लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विद्यालय के शिक्षक, बी.आर.पी, सी.आर.पी, सभी ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों ने अपनी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम का सफल आयोजन कराया।

प्रखंड मुख्यालय का दीवार तंबाकू के रंग से रंगा पड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी मौन

आदिवासी एक्सप्रेस/देवघर
कृष्णा गोस्वामी
पालोजोरी प्रखंड मुख्यालय में इन दिनों भ्रष्टाचार के साथ साथ अब प्रखंड मुख्यालय के दीवारों पर भी पान गुटखा मसाला के पीक की कलाकारी देखने को मिल रही हैं। बताते चलें कि प्रखंड मुख्यालय के लगभग सभी कर्मियों के कार्यालय के अपोजिट खिड़की वाली दीवारों पर अत्यधिक मात्रा में पान गुटखा मसाला के पीक इस कदर आके हुवे हैं। मानों भारत की मानचित्र आंकी गई हो। जबकि यहां किसी ना किसी कामों को लेकर लोग हर-दिन प्रखंड मुख्यालय

में पहुंचते थे। जबकि वहीं इस प्रखंड मुख्यालय में बीडीओ आमिर हमजा साहब भी रहते हैं लेकिन उन्हें इन सब चीजों से फुर्सत कहां। प्रखंड मुख्यालय में मनरेगा कोडिंग को लेकर पैसों का बंदरबांट इस कदर हावी है मानों मुख्यालय नहीं सब्जी मंडी बन गया हो हरेक योजनाओं में 40 से 50प्रतिशत पीसी के रूप में लूटें जा रहें हैं। वहीं लोगों की शिकायत हैं कि प्रखंड कर्मी प्रखंड मुख्यालय के दीवारों पर गंदगी फैलाने जैसे काम कर रही हैं। जबकि वहीं दूसरी और प्रखंड मुख्यालय के दिवारों पर प्रखंड विकास पदाधिकारी के खुद आदेशानुसार द्वारा चिपकाए गए नोटिस पर धूम्रपान, पान मसाला ,गुटखा आदि चिजों की सेवन को लेकर कड़ी हिदायत दी गई है। फिर इस तरह की हिमाकत करने वालों को कैसे छूट दी जा रही है। कहीं ना कहीं प्रखंड मुख्यालय भ्रष्टाचार की आगोश में समा गई है। जिसके कारण बीडीओ भी इस मामले में दिलचस्पी कम लेते हुए देखने को मिल रहें हैं। वहीं भ्रष्टाचार जैसे ढांचा को और अत्यधिक बढ़ावा देने काम की जा रही।

कुछ बिचौलिए के द्वारा ट्रैक्टर एवं जेसीबी से मिट्टी डालकर समतल किया जा रहा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बरहरवा मंगलवार को बरहरवा अंचल अंतर्गत मिर्जापुर फुटानी मोड़ स्थित छठ घाट तालाब को कुछ बिचौलिए के द्वारा ट्रैक्टर एवं जेसीबी से मिट्टी डालकर समतल किया जा रहा था एवं तालाब का स्वरूप को बदला जा रहा था। इस घटना की प्रेस बयान जारी करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो ने बताया कि, उपयुक्त साहिबगंज के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो एवं अंचल अधिकारी बरहरवा रामजी वर्मा, अंचल अमीन के साथ जब घटनास्थल पर पहुंचे तो पाया कि ट्रैक्टर संख्या जेएच 18 जी/5998 एवं जेसीबी

संख्या/डब्ल्यू बी 98/ए एक्स /6621 से मिट्टी डालकर तालाब को समतल किया जा रहा था। जांच पड़ताल के दौरान उन्होंने पाया कि मौजा मिर्जापुर संख्या 156, खाता संख्या 147, दाग नंबर 256, कुल रखवा 09- 03-06 धुर वाला तालाब का स्वरूप बदलकर सरकारी तालाब का प्राकृतिक बदलकर संमतलीकरण का कार्य किया जा रहा था। इस मामले को अनुमंडल पदाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए इस घटना में सम्मिलित लोग तथा इसमें प्रयुक्त किए गए ट्रैक्टर एवं जेसीबी को जब्त करते हुए भारतीय दंड विधान की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई।मालूम हो कि उक्त तालाब को आसपास के बहुल संख्यक आबादी के लोग छठ पर्व के अवसर पर यहां पर पूजा पाठ करते हैं एवं इसके अलावा अगल-बगल में और कोई तालाब नहीं है गांव वालों ने भी इसका भारी विरोध किया है। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

डायन बिसरी के संदेह में अपने ही चाची को गला दबाकर मार डाला

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
अमड़ापाड़ा (पाकुड़)। अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के सिंगारसी अंतर्गत पकलो गांव में अंधविश्वास की क्रूरता डायन-बिसाही के संदेह अपने ही चाची 40 वर्षीय सुरजु मुर्मू को उनके ही भतीजे ने उन्हें मौत की नींद सुला दिया।घटना उस वक्त हुई जब गांव के लोग फुटबॉल मैच खेलने व देखने में व्यस्त थे। इसी वक्त मृतिका के भतीजा आरोपी दुरबीन सोरेन के लिए मारने का मौका मिल गया। वह घर में घुसा

और अपनी चाची का गला दबा दिया। जिससे उसकी चाची की मृत्यु हो गई। बताते चलें कि दूरबीन का बेटा प्रमोद की अचानक मौत ने उसे तोड़ दिया था। लेकिन इस दुख में उसने सच्चाई नहीं,बल्कि अंधविश्वास को पकड़ लिया।कई बार गांव में पंचायत भी हुई,पर दुरबीन का अन्धविश्वास न मिटा।घटना की जानकारी स्थानीय थाना को लगा वहीं सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा ने अपनी टीम के साथ पकलो गांव पहुंचे।और घटना की सारी जानकारी ली,तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।यह सिर्फ एक हत्या नहीं,बल्कि समाज को झक-झोर करने वाली एक कहानी है।जहां अपने ने भी अपनों को नहीं पहचाना।पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

भारतीय सेना के पराक्रम के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने निकाली तिरंगा यात्रा

शिकारीपाड़ा/दुमका/
ललित कुमार पाल की रिर्पोट।
ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के पराक्रम को सम्मान देने के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओ ने तिरंगा यात्रा निकाली। भाजपा मंडल अध्यक्ष तरुण नंदी एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष विकाश भगत के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिकारीपाड़ा हनुमान मंदिर से लेकर दुर्गा मंदिर तक तिरंगा यात्रा निकालकर सेना के शौर्य को सलाम किया। विकाश भगत ने बताया हमारी भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को तबाह कर

दिया उनके मिसाइल एवं ड्रोन को हवा में ही मार गिराया भारतीय सेना का शौर्य और बलिदान हर नागरिक के लिए गर्व का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई से साबित होता है कि हमारी सीमाएं सुरक्षित हाथों में हैं। सभी कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम, भारतीय सेना जिंदाबाद, के नारे लगाये साथ ही पाकिस्तान के विरोध में पाकिस्तान मुर्दाबाद के भी नारे लगाए इस कार्यक्रम में युवा मोर्चा अध्यक्ष हेमंत साहा, सूरज कुमार पाल, धीरज रजक, जयदेव गोस्वामी, अभिजीत दियासी, सुमित सिंह, दिवाकर भगत, लक्ष्मण भगत, अंजन दियासी, चंदन दास, वीरेंद्र भगत, सुंदर ठाकुर, नानी गोपाल पाल, डेनियल किस्कू, पलटू मंडल, कालीचरण साहा, इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद थे।

घर में अकेली सो रही महिला के साथ बलात्कार करने का नाकाम कोशिश मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के बाद भेजा जेल

रामगढ़/रामजी साह।
रामगढ़ थाना कांड संख्या 45.2025 दिनांक 20 5.2025 के प्राथमिकी अभियुक्त इलियास मुर्मू पिता लखन बबलू मुर्मू ग्राम बाराटांड़ पोस्ट सुसुनिया थाना रामगढ़ जिला दुमका को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के बाद जेल भेजा गया।

ज्ञात हो कि इलियास मुर्मू द्वारा रामगढ़ की एक गांव में घर में अकेली सो रही महिला के साथ बलात्कार करने की नाकाम कोशिश किया गया था असफल होने पर आरोपी द्वारा महिला के साथ मारपीट कर महिला की स्कूटी को तोड़फोड़ करने का आरोप युवक पर लगाया गया था बहरहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

गर्भवती महिला के लिए दो युवाओं ने किया रक्तदान, पीड़ा सुनते ही रवाना हुए रामपुरहाट

आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- इंसानियत फाउंडेशन के सदस्य रक्तदान क़र मानवता का परिचय दे रहे ह. महेशपुर दराजपुर के 27 वर्षीय सुहाना खातून क़ो रामपुरहाट मे ओ पॉजिटिव ब्लड की जरूरत पड़ी,, डियूटी मे तैनात डॉक्टर ने कहा ब्लड चढ़ाना अति आवश्यक है नहीं तो इलाज करना मुश्किल हों जायेगा. परिजनों ने काफ़ी खोजबीन पर विफल रहे उसके बाद इंसानियत फाउंडेशन के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन से संपर्क किया तभी संस्था के उप सचिव आसादुल और सदस्य चाँद शेख रक्तदान के लिए तैयार हों गया, दोनों रामपुरहाट सदर अस्पताल जाकर ओ पॉजिटिव रक्तदान

किया. तब जाकर इलाज संभव हों पाया परिजनों ने आभार व्यक्त किया. आसादुल ने कहा मैंने अपने जीवन मे 13वीं रक्तदान किया और मेरा दोस्त 6 बार बहुत अच्छा लग रहा ज़ब मै अपना खून देकर किसी जरूरत मंद लोगों का मदद करता हूँ आगे भी इंसानियत फाउंडेशन के माध्यम से रक्तदान करता रहूंगा. मौक़े पर अध्यक्ष सद्दाम हुसैन चाँद शेख, आसादुल मुल्ला मौजूद रहे है.

राज्य योजना जलनिधि के तहत परकोलेशन टैंक निर्माण योजना की हुई जांच

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार आज मंगलवार को भूमि संरक्षण कार्यालय अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य योजनान्तर्गत जलनिधि योजनान्तर्गत जिले के सभी प्रखंडों में संचालित परकोलेशन टैंक निर्माण योजना का जांच पीएमयू सेल के कर्मियों के द्वारा कराया गया। कर्मियों ने स्थल भ्रमण कर योजना की प्रगति, सूचनापट्ट, कार्य की गुणवत्ता को देखा। कर्मियों ने बताया कि योजना स्थल का निरीक्षण उसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए की गई है। जांच में योजना के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया गया, जैसे कि टैंक निर्माण, सामग्री की गुणवत्ता और स्थानीय लोगों का लाभ।
भात और मिक्स सब्जी, और खीर पड़ोस गया उससे पहले एक केक भी काटा गया जबकि आधा बच्चा को खाते-खाते भोज की सामग्री समाप्त हो गई पुण~ बनाना पड़ा। वहीं प्राथमिक विद्यालय जबरदाहा संथाली मैं पुरी आलू सोयाबीन एवं भुजिया खिलाया गया जबकि कमल घाटी स्थित अपग्रेड मध्य विद्यालय में पुरी चना दाल आलू का सब्जी और रसगुल्ला यहां केक भी काटा गया। सुदूर क्षेत्रों में तो इससे भी बात से बेहतर स्थिति देखी गई।

उपायुक्त के पहल से जिला के 900 से अधिक सरकारी विद्यालयों में पहली बार तिथि भोजन में बच्चों का जन्मदिन भी मनाया गया, बच्चों ने उठाया लुत्फ

● उपायुक्त ने इसके सफल आयोजन हेतु सभी शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षा विभाग की पूरी टीम, सभी जन प्रतिनिधि विशेषकर जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया एवं वार्ड सदस्य को बधाई दी ● जनप्रतिनिधि के साथ-साथ जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा छात्र-छात्राओं को तिथि भोजन कराया गया जिसमें बच्चों को भोजन में पुरी, बुंदिया, मिक्स सब्जी व सलाद, दाल एवं अंडा, मिठाई , चिकन, केला परोसा गया ● प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में तिथि भोजन का हुआ आयोजन ● कहीं मिला सोयाबीन आलू का सब्जी तो कहीं दाल आलू को पुरी के साथ परोसा गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के सभी मध्याहन भोजन संचालित विद्यालयों में विभागीय निदेशानुसार तिथि भोजन का आयोजन करवाने का निदेश दिया गया है। उपायुक्त मनीष कुमार के पहल पर जिला के 900 से अधिक विद्यालयों में पहली बार जन्मोत्सव सह तिथि भोजन का आयोजन किया गया।
उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार सरकारी स्कूलों में तिथि भोजन का आयोजन कराया जा रहा है। इसके तहत हरेक माह में एक दिन बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया जायेगा। इस योजना का उद्देश्य बच्चों को स्कूल की ओर आकर्षित किया जाना है। उन्होंने बताया कि तिथि भोजन कोई प्रबुद्ध जन या जनप्रतिनिधि अपने जन्मदिन,

वैवाहिक वर्षगांठ, त्योहारों पर भी आयोजित करवा सकते हैं।

तिथि भोज में कहां क्या छात्रों को परोसा गया

तिथि भोज के अवसर पर डिस्ट्रिक सिएम स्कूल आफ़ एक्सीलेंस पाकुड़ (राज हाई स्कूल) में आज दाल-भात सब्जी चना का सब्जी खिलाया गया, वहीं हिरणपुर बाजार स्थित बालक मध्य विद्यालय में दाल भात और मिक्स सब्जी, और खीर पड़ोस गया उससे पहले एक केक भी काटा गया जबकि आधा बच्चा को खाते-खाते भोज की सामग्री समाप्त हो गई पुण~ बनाना पड़ा ।
वहीं प्राथमिक विद्यालय जबरदाहा संथाली मैं पुरी आलू सोयाबीन एवं भुजिया खिलाया गया जबकि कमल घाटी स्थित अपग्रेड मध्य विद्यालय में पुरी चना दाल आलू का सब्जी और रसगुल्ला यहां केक भी काटा गया। सुदूर क्षेत्रों में तो इससे भी बात से बेहतर स्थिति देखी गई।

शत्रुता-मित्रता का आधार है स्थाई हित

>> विचार

> “ पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने, भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने-अपने टैरिफ़ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं - और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैझ्र‘न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं’। बीते दिन के अख़बार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है।

ज्योति मल्होत्रा

कुछेक दिन पहले हुए भारत-पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की और से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही, डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच-बचाव उन्होंने ही करवाया है : ‘झ्वऔर वैसे तो मैं बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी’। उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल-उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :‘मैं आपको बता रहा हूं, मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला’। अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल-गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें, जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी झ अर्थात वे स्वयंझ जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक-दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच ‘1,000 साल से चले आ रहे युद्ध’ को जारी रखने से रोका जा सके। लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफ़गानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फ़ोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फ़ोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह ज़रूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुत्ताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है। पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुत्ताकी ने वास्तव में एक-दूसरे से बात कीझ्र यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है झ या फिर उन्होंने जानबूझकर यह

खुले तौर पर किया। यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ-साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ़ कर दिया जाएगा। जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं; बीते हफ़्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल-कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर है; और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में, उन्होंने सभी संकेतों को नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि अल-थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है। यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं (‘मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करें’), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नज़रअंदाज़ किया। इसकी बजाय, भारतीयों ने एप्पल के अधिकारियों का रुख किया, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कुक वास्तव में भारत में कारखाना स्थापित करने की अपनी योजना को जारी रखेंगे। पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने, भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने-अपने टैरिफ़ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं - और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैझ्र‘न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं’। बीते दिन के अख़बार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है, पिछले हफ़्ते के पक्के दोस्त आज दूर के रिश्तेदार हो सकते हैं। इसलिए ‘अब की बार ट्रम्प सरकार’ किसी और ही सदी का नारा था। आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच ‘मध्यस्थता’ का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। जहां तक पाकिस्तान द्वारा इस संघर्ष में अपनी ‘जीत’ का जश्न मनाने का प्रश्न है, तो शायद न तो ट्रम्प ने और न ही पाकिस्तानियों ने नज़रअंदाज़ किया है कि 11 पाकिस्तानी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बींध दिया। इसी वजह से पाकिस्तानियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख किया और उनसे लड़ाई बंद करवाने की गुहार लगाई। या, हो सकता है, ट्रम्प ने खुद से इस पर गौर किया होझ्र हालांकि अब वे किसी और चीज़ में व्यस्त हो चुके हैं, फिलहाल नए जन्मे पोते का जश्न मना रहे हैं। तीसरी सीख यह है कि सत्ता में अपने तीन महीनों में, ट्रम्प ने आधी दुनिया को सफलतापूर्वक नाराज़ कर डाला है। तथ्य है कि चीन को जलाकर राख करने के अपने वादे-इरादे से वे मुकर गए हैं क्योंकि उनकी अपनी अमेरिकी कंपनियों का विशाल कारोबार चीन में है, जिनसे वे काफी मुनाफ़ा कमाते हैं, अवश्य ही उन्होंने यह समझाया होगा कि चीन पर उच्च टैरिफ केवल अमेरिकी ग्राहकों को ही नुकसान पहुंचाएगा झ यह दर्शाता है कि जब आप शक्तिशाली हों, तो हल्की बातें भी चल निकलती हैं। जहां तक जयशंकर-मुत्ताकी बातचीत का प्रश्न है, वास्तव में यह संवाद ऑपरेशन सिंदूर के अंत के करीब हुआ है या कहें कि ऐसे मौके पर जब पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से खंजर खिंचे हुए हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में, भारत पिछले कुछ समय से तालिबान को डोरे डालने की कोशिशें कर रहा है, लगभग उसी समय से जब उसने 2021 में भारत की स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के दिन काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक साल बाद काबुल की अपनी यात्रा पर, यह स्पष्ट दिखा कि तालिबान के किसी समय अपने उस्ताद और संरक्षक यानि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ रिश्ते बिगड़ चुके हैं। यह कहानी कि आईएसआई ने तालिबान पर किस प्रकार पकड़ बनाई और उसका तब तक पोषण किया, जब तक पश्चिमी मुल्कों ने 9/11 के बाद अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर लिया था, यह कि कैसे आईएसआई ने 20 साल तक इसका खूब फायदा उठाया और उसके बाद तालिबान को अमेरिकियों और उसके नाटो सहयोगियों से देश वापस छीनने में मदद की झ यह किस्सा फिर किसी वक्त के लिए। गत सप्ताह के बड़े खेल में, जबकि सतलुज के पानी की भांति ट्रंप अपना बहाव नित बदल रहे हैं और शेष दुनिया उसके मुताबिक खुद को पुनर्व्यवस्थित करने में जुटी है झ भारत ने तालिबान को कैसे अपनी तरफ किया, यह गाथा शायद ज्यादा दिलचस्प है।

संपादकीय

घर का भेदी लंका ढाए

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी ंकि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी। पाक दूतावास की एक पार्टी के वीडियो में भी वह नजर आई है। दरअसल, सूचना क्रांति के इस दौर में विदेशी खुफिया एजेंसियां टेलीग्राम, स्नैपचैट व व्हाटसएप आदि के जरिये भारतीय मददगारों से संपर्क साध रही हैं, जिस पर हमारी प्रवर्तन एजेंसियां आसानी से नजर नहीं रख सकती। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए। बहरहाल, देश विरोधी तत्वों की निगरानी तेज करना वक्त की जरूरत है।

विराट और उनकी कालजयी विराटता

प्रदीप मैगज़ीन

हर वह चीज़ जिसकी शुरुआत है, उसका अंत भी है, चाहे वह जीवन हो या खिलाड़ी का करियर। इन दो छोरों के बीच, सफलता-असफलता, खुशी-गम, जीत-हार के साथ जीवन संघर्ष अपने आप में एक अप्रत्याशित यात्रा है। खेल की दुनिया में, रिटायरमेंट चाहे मजबूरी में हो या स्वेच्छा से, वह अंतिम मुकाम है, जहां पर खेल-यात्रा खत्म हो जाती है। टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की पारी खत्म हो गई है। कई लोगों का मानना है कि यह समय से पहले लिया गया फैसला है, जबकि कोहली का मानना है उनके पास टेस्ट क्रिकेट की कठिन दरकारों में सफल होने के वास्ते जो ऊर्जा, मानसिक शक्ति और कौशल होना चाहिए, खासकर इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि दस हजार टेस्ट रन का मील का पत्थर, जो कि बहुत करीब था, वह भी इंग्लैंड जाने और क्रिकेट के मैदान पर अपनी ज्वलनशील ऊर्जा को बाहर निकालने का पर्याप्त लालच न बन पाया। कोहली अब 36 वर्ष के हैं, दो बच्चों के पिता हैं। उनकी जीवन संगिनी फिल्म स्टार अनुष्का हैं, जिन्होंने एक व्यक्तित्व के रूप में उनके विकास में बहुत योगदान दिया है। जीवन के बही-खाते में, यह एक ऐसी उम्र है जब पूरी दुनिया आपके आगे होती है, पीछे नहीं। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में, यह वह उम्र होती है जहां करिअर का अंत सामने नज़र आने लगता है। मन चाहे करे, लेकिन शरीर साथ नहीं देता। हालांकि, कोहली के मामले में इसका उल्टा है। टेस्ट क्रिकेट में उनकी फॉर्म भले ही पहले जितनी न रही हो लेकिन उनकी फिटनेस का स्तर किसी किशोर को भी शर्मिंदा कर सकता है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट प्रारूप में उनकी सफलता और आईपीएल की फॉर्म के बूते उनकी प्रतिष्ठा जस की तस है, तथापि उनका

मानना है कि अब उन्हें उस प्रारूप को अलविदा कर देना चाहिए जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसे उन्होंने ‘खून, पसीने और आंसू’ से सींचा है। एक ऐसा प्रारूप जिसे वह ‘इश्क’ करते हैं और जिसने उन्हें एक व्यक्ति के रूप में ‘आकार’ दिया। पारंपरिक ज्ञान यह कहता है कि आप अपने पास वही रखें जो आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और जो अधिक महत्त्वपूर्ण न हो और जिसमें सार और अर्थ नहीं है, उसे तज दें। तब क्यों न सफ़ेद टेस्ट क्रिकेट की बजाय सफेद गेंद वाले प्रारूप को छोड़ते? लेकिन! समस्या यहीं पर है। अपनी अपार लोकप्रियता और प्रशंसकों के अलावा, कम ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप (आईपीएल) को मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लघु प्रारूप यानी टी-20 के मुकाबले संभालना ज्यादा आसान है। शायद यह ‘धंधा’ इस मायने में मजेदार है, जिसमें विफलता बहुत नुकसान नहीं पहुंचाती और न ही सफलता यह महसूस करवाती है कि आप शिखर पर पहुंच गए हैं। और आईपीएल में आप जो करोड़ों कमाते हैं, वह इसे न छोड़ने के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन है। यह किसी राष्ट्र के लिए न होकर एक व्यावसायिक उद्यम के लिए प्रतिबद्धता है, जहां विफलता का जोखिम ‘विश्वासघात’ के बराबर नहीं है। प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक विराट, प्रतिद्वंद्वियों का ध्यान अपने शारीरिक हाव-भावों से भंग करने वाली खूबी रखने के साथ खेल के लघु संस्करण में प्रतिद्वंद्वियों को चबाने की ताब रखते हैं। वह बल्लेबाजी, दौड़ने और मानसिक दृढ़ता में उन्हें मात दे सकते हैं। वे अब क्रिकेट के सबसे कठिन प्रारूप यानी टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं कर सकते। उनके पास अपने खेल में रिस चुकी तकनीकी कमियों से पार पाने और पूरे पांच दिनों तक विस्फोटक स्तर को बनाए रखने के लिए पहले जितनी ऊर्जा और ताकत नहीं रही। सही मायने में विराट वीरता का सबसे बढ़िया मूर्त रूप हैं। वह निडर योद्धा, जो अपने विरोधियों को छकाने करने के लिए खुद को महामानव-सी ऊर्जा से भर लेता है। दुनिया के क्रिकेट इतिहास में दुर्लभ और भारत में भी इससे पहले ऐसा कोई नहीं हुआ जिसकी आक्रामकता, यहां तक कि अपनी तीव्र और कठोर अभिव्यक्ति में, ज़ैन मुनियों जैसी एकाग्रता के साथ शानदार प्रदर्शन करने से लैस हो। उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड इसी कारण से शानदार है कि उन्होंने मैदान में टीम को बिजली के करंट जैसी ऊर्जा से भर दिया, जिसने उन्हें टेस्ट क्रिकेट का ‘पोस्टर ब्वॉय’ बना दिया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस काम ने उन्हें थका दिया है। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें खुद अपने कुछ पहलू नहीं भाए, फिर भी वे अपनी ही छवि के कैदी बने रहे। उन्हें न चाहते हुए भी ‘प्रदर्शन’ करना पड़ा। एक बल्लेबाज के रूप में उनकी गिरती सफलता दर के साथ, उन्हें ‘अवसाद’ का सामना करना पड़ा और इससे पार पाने का रास्ता तलाशने के लिए बेताब रहे। वे अपने भीतर के ‘दानव’ का सामना करना चाहते हैं और अपने दिमाग को ‘धोकर’ स्वच्छ करना चाहते हैं। वे हमेशा बदलने, आत्मनिरीक्षण करने और अपने भीतर के ‘नकारात्मक पक्ष’ का सामना करने के लिए तत्पर रहने वाले इंसान हैं और आध्यात्मिकता की ओर उनका रुख यह दर्शाता है कि वे ‘आंतरिक शांति’ पाने की तलाश में हैं। उनकी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक ऐसे युवा लड़के के रूप में शुरू हुई थी, जिसे इस बात की जरा परवाह नहीं हो कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। उसने भारत को अंडर-19 विश्वकप में जीत दिलाई। अनुशासन और कड़ी ट्रेनिंग में दुनिया की बेहतरीन चीजों का लुत्फ उठाने की इच्छा बलि चढ़ गई। उन्हें समय रहते अहसास हो गया कि उनका खेल बिगड़ रहा है और उन्हें बदलाव की जरूरत है। इसके वास्ते कठोर अनुशासन और आहार में बदलाव अपनाए, जिसने तराश कर वह विराट कोहली तैयार किया, जिसको दुनिया जानती है और प्रशंसा करती है। डेढ़ दशक में विराट ने वह सब हासिल कर लिया है जिसकी चाहना तमाम खिलाड़ियों को होती है, लेकिन हासिल बहुत कम कर पाते हैं : एक ‘लीजेंड’ का दर्जा। टेस्ट क्रिकेट का शुभंकर, बल्लेबाज़ी की लासानी प्रतिभा और एक बेहतरीन कप्तान। खेलना जारी रखूं या नहीं, यही सवाल उनके दिमाग को परेशान और रातों को बेचैन कर रहा होगा। वह विराट, जो चुनौतियों में फला-फूला था और जिसे तगड़ा मुकाबला पसंद था, आखिरकार उसने खुद को यह समझा लिया कि अब मैदान से हटने और जीवन में आगे बढ़ने का समय आ गया है। जीवन में ‘केवल’ क्रिकेट के अलावा भी बहुत कुछ है।

लेखक वरिष्ठ खेल समीक्षक हैं।

शराब माफिया का जाल लील रहा जिंदगियां

ज्ञान चाँद पाटनी

देश में जहरीली या नकली शराब पीने से लोगों की मौत के मामले चिंता पैदा करने वाले हैं। एक बार फिर जहरीली शराब ने लोगों की जान ले ली है। ताजा मामला पंजाब का है। पंजाब के अमृतसर के मजीठा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुछ गांवों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई है। बिहार या गुजरात में जब भी इस तरह के मामले सामने आते हैं तो शराबबंदी को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन पंजाब जैसे राज्य में जहां सरकारी शराब ठेकों की भरमार है वहां जहरीली शराब से लोगों की मौत के मामले सामने आने पर सवाल उठना लाजिमी है। असल में शराब की लत के शिकार गरीब तबके के लोग अक्सर सस्ती शराब की तलाश में रहते हैं। पंजाब ही नहीं पूरे देश में अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का काम बड़े पैमाने पर होने की वजह भी यही है। इसे उन इलाकों में चोरी-छिपे बेचा जाता है, जहां कम आय वर्ग के लोग रहते हैं, क्योंकि यह सस्ती पड़ती है। लेकिन, कई बार लोगों की जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। कच्ची शराब बनाने के लिए यूरिया और दूसरे खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन रसायनों और दूसरे पदार्थों को मिलाकर जब शराब बनाई जाती है तो इथाइल अल्कोहल की जगह मिथाइल अल्कोहल बन जाता है जो जानलेवा साबित होता है। ऐसी त्रासदियां अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री रोकने को लेकर सरकार द्वारा बरती जा रही लापरवाही और उदासीनता को भी उजागर करती हैं। असल में शराब माफिया और पुलिस-आबकारी विभाग की मिलीभगत के चलते कच्ची शराब की भट्टियों की

अनदेखी की जाती है। जब तक इस गठजोड़ को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक नकली व जहरीली शराब के उत्पादन का खतरा बना रहेगा। देश में अवैध शराब का उत्पादन तो रुकना ही चाहिए, सभी तरह के नशे की रोकथाम भी आवश्यक है। देश में कभी नशे के खिलाफ सरकारी और गैर सरकारी अभियान चला करते थे, लेकिन अब ये कहीं नजर नहीं आते। शराब जैसे नशीले पदार्थों के प्रचार अभियानों ने तो लोगों में इसके प्रति आकर्षण बढ़ाया है। युवा वर्ग में तो यह स्टेटस सिंबल बन गया है। नतीजा यह है कि आजकल शराब के ठेकों पर भीड़ नजर आती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गत वर्ष जारी अपनी रिपोर्ट ‘ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन अल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर’ में इस तथ्य को भी उजागर किया था कि शराब का सेवन, चाहे कम मात्रा में ही क्यों न किया जाए, स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। हालत यह है कि भारत में एक लाख मौतों में से शराब से 38.5 मौतें हो रही हैं। यह संख्या चीन से दोगुनी से भी अधिक है। जब असली शराब ही नुकसानदेह है तो गलत तरह से तैयार शराब तो खतरनाक होगी ही। इसलिए अवैध शराब की रोकथाम के साथ शराब और दूसरे नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान की जरूरत है, ताकि नशा मुक्त समाज बनाने का महात्मा गांधी का सपना साकार हो सके।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सोमवार को देर शाम थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट बोरियो मुख्य पथ अंतर्गत बरहेट थाना के समीप सोमवार को देर शाम थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में एंटी क्राइम वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया आदि वाहनों की डिक्की सहित अन्य का तलाशी ली गई। साथ ही वाहन संबंधित आवश्यक दस्तावेज को भी बारीकी से जांच किया गया। वही बिना हेलमेट लगाकर चलने वाले मोटरसाइकिल चालकों को कड़ी फटकार लगाया और चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। साथ ही कहा कि वाहनों में आगमन करते समय हेलमेट कागजात साथ लेकर चलें। मौके पर एसआई रघुवीर राम, अशोक सिंह के अलावा अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

झारखंड में झमाझम बारिश, राजधानी के निचले इलाकों में भरा पानी

संवाददाता द्वारा

रांची: झारखंड के कई जिलों में आज मंगलवार जमकर बारिश हुई. राजधानी रांची का आलम ऐसा रहा कि दोपहर के वक्त सड़कों पर शाम सा नजारा बन गया था. लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है. इसके साथ ही बेमौसम बारिश ने नगर निगम की पोल खोल दी है. राजधानी के निचले इलाकों में नाली का पानी सड़कों पर बहने लगा. कई जगह पेड़ उखड़ गये हैं. रांची में सदर थानाक्षेत्र के पास पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गये हैं. मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से झारखंड के ज्यादातर इलाकों के मौसम में बदलाव आया है. सबसे ज्यादा बारिश देवघर के सिकटिया में 53.6 मिमी रिकॉर्ड हुआ है.

पिछले 24 घंटे में झारखंड का अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है. आम तौर पर मई के महीने में डाल्टनगंज का पारा पिक पर रहता है. मौसम केंद्र के मुताबिक अगले 24 मई तक राज्य के अलग-अलग इलाकों में बारिश, मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना है. 20 मई को रांची के अलावा चतरा, गुमला, लातेहार, हजारीबाग, लोहरदगा, बोकारो, दुमका, जामताड़ा, धनबाद, रामगढ़, पाकुड़, गोड्डा, सरायकेला-खरसांवा और पश्चिमी सिंहभूम के लिए मौसम केंद्र में ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा था.

21 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र यानी देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है. 22 मई को तेज हवा और वज्रपात की संभावना के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 23 मई को उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को छोड़कर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा और वज्रपात की संभावना है. इस दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. लेकिन 24 मई को फिर उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में तेज हवा और वज्रपात की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट की घोषणा की गई है.

गिरिडीह में अधिवक्ताओं ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का किया सम्मान

गिरिडीह, प्रतिनिधि। हेमंत सरकार के स्वास्थ बीमा योजना से जोड़ने से उत्साहित गिरिडीह के अधिवक्ताओ ने मंगलवार को वकालत खाना मे सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह मे सूबे के उच्च तकनीकी शिक्षा सह नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू शामिल हुए। इस दौरान बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रकाश सहाय, चुन्नूकांत, सुबोनील सांमता, अपर लोक अभियोजक जयंत कुमार, जयप्रकाश राय, अजय सिन्हा, दसरथ वर्मा ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को बुके देकर और शाल ओढ़ाकार सम्मनित किया। मौक़े पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि हेमंत सरकार का प्रयास हैं कि हर वर्ग तक उनके क्षमता के अनुसार योजनाओ का लाभ मिले और राज्य के वकील जो मुकदमो का भार झेलते हैं न्याय कि लड़ाई लड़ते हैं, उन्हें हेमंत सरकार अपनी योजना से कैसे बंचित करती। इधर सम्मान समारोह को बार एसोसिएशन के कई पदाधिकारियों ने सम्बोधित किया। जबकि समारोह मे कई वकील मौजूद थे, पंकज कुमार, विशाल आनंद, प्रमोद सिंह आदि मौजूद थे।

दहेज के लिए तीन बच्चों की मां को मार डाला

● पति, देवर और सास ससुर के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज

जमुआ, प्रतिनिधि। दहेज के लिए एक तीन बच्चों की मां की हत्या कर देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस बाबत मृतिका अप्पु देवी के पिता जमुआ थाना क्षेत्र के जेरुआ डीह निवासी रामवृक्ष यादव ने जमुआ पुलिस को आवेदन देकर कहा है कि उन्होंने अपनी बेटी अप्पु देवी की शादी दस वर्ष पूर्व इसी थाना क्षेत्र के बड़ा डीह निवासी प्रकाश यादव के साथ किया था। कुछ दिन तक रिश्ता सामान्य रहा फिर पति और उसके माता पिता और भाई और दहेज की मांग करने लगे और उनकी बेटी को प्रताड़ित करने लगे। इस दौरान बेटी को तीन बच्चे भी हुए। बीते 19 मई को पति प्रकाश यादव और अन्य ने उनकी बेटी को मारपीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया और पति प्रकाश यादव एवं छोटेलाल यादव मोटरसाइकिल में बिठाकर उनके घर के सामने उतार कर भागने लगे। ग्रामीणों ने मोटरसाइकिल समेत दोनों को पकड़ लिया। वे अपनी जख्मी बेटी को इलाज के लिए जमुआ स्थित क्रेस्ट केयर हॉस्पिटल ले गया जहां जांच के बाद उनकी बेटी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के कब्जे में रहे दामाद प्रकाश यादव को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने प्रकाश को जेल भेज दिया और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

अमृत भारत योजना के अंतर्गत राजमहल रेलवे स्टेशन ऐतिहासिक कायाकल्प की ओर अग्रसर

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड के एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रूप से समृद्ध राजमहल रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना के अंतर्गत एक अभूतपूर्व परिवर्तन की दिशा में विकसित किया जा रहा है। 7 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत से किया जा रहा यह पुनर्विकास कार्य न केवल यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा, बल्कि इस स्टेशन को आधुनिकता और क्षेत्रीय विरासत के अनूठे संगम का प्रतीक भी बनाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत समग्र उन्नयन के बाद, इस पुनर्विकसित स्टेशन का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 22. मई 2025 को किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत यह महत्वाकांक्षी परियोजना यात्री सुविधाओं के व्यापक उन्नयन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय रेल की अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता इस दूरदर्शी परियोजना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जो रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प में एक नया मानदंड स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। पुनर्विकास योजना एक समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसका उद्देश्य राजमहल स्टेशन को एक बहु-आयामी परिवहन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

एनएसजी-5 श्रेणी में शामिल राजमहल स्टेशन, पूर्व रेलवे ज़ोन के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है। पुनर्विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण के लिए 7.03 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें सिविल, विद्युत, सिग्नल एवं दूरसंचार (एस एंड टी) कार्य, साइनेज शामिल हैं।

पूर्ण किए गए प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:

सौंदर्यपूर्ण अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग (फसाड) का निर्माण पूरा हो चुका है।

सर्कुलेटिंग एरिया और पैदल यात्री मार्गों का विकास।

लंबी ट्रेनों को समायोजित करने के लिए प्लेटफ़ॉर्म विस्तार।

प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के प्रतीक्षालय, रिजर्व्ड लाउंज, एग्जीक्यूटिव लाऊंज और महिला प्रतीक्षालय का नवीनीकरण और निर्माण, जिसमें एक नया सुलभ शौचालय सुविधा भी शामिल है।

*स्टेशन नेविगेशन को सुव्यवस्थित करने के लिए साइनेज कार्य का कार्यान्वयन।

आकर्षक मूर्तियों की स्थापना और मानक आंतरिक सज्जा।

स्थानीय कला और ऐतिहासिक स्मारकों से प्रेरित आंतरिक और बाहरी डिज़ाइन।

सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से दिव्यांगजन-अनुकूल बुनियादी ढाँचा।

गतिशील यात्री सूचना के लिए एक बड़े आकार की इनडोर वीडियो वाल की स्थापना।

स्टेशन परिसर के भीतर नेविगेशन को सुव्यवस्थित करने के लिए साइनेज का कार्यान्वयन।

अमृत भारत योजना के अंतर्गत यह समग्र उन्नयन कार्य यात्रियों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ राजमहल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत की झलक भी समाहित है। वर्तमान में, योजना के अंतर्गत सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। जैसे-जैसे राजमहल रेलवे स्टेशन नया रूप ले रहा है, यह इतिहास और आधुनिकता के समन्वय का प्रतीक बन रहा है। यह परिवर्तन न केवल यात्रियों की यात्रा को सुखद बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भी एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, अखिल कुमार ने आज स्थानीय स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सरकार तथा प्राधिकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सभी प्रकार की सुविधाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहाँ प्रदान की जा रही सुविधाओं के साथ-साथ सफाई व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं तथा भवन की स्थिति का भी अवलोकन किया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा, बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं, जबकि बच्चे हमारे भविष्य। हमें अपने वरिष्ठजनों का सम्मान तो बच्चों को स्नेह करना चाहिए। दूसरों की देखा-देखी एकल परिवार प्रणाली अपनाकर हम अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। समाज में वृद्धजनों की उपेक्षा निंदनीय है।÷ बाल सुधार गृह में कुल आठ बच्चे हैं। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया और कहा, ÷आपको डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। यहाँ आपको सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। पारिवारिक वातावरण में रहकर आप पढ़ाई-लिखाई करें और एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हों।÷ उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रहना चाहिए ताकि वे निर्भय होकर खेल-कूद सकें - यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बच्चों को टॉफी प्रदान की। इस कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, मुख्य विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता अरविंद गोयल, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, पारा विधिक स्वयंसेवक सहित अन्य उपस्थित थे।

गवाही को डराने धमकाने एवं घर पर फायरिंग करने की आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना में गवाही को डराने धमकाने एवं घर पर फायरिंग करने की आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार छोटी कोदरजन्ना निवासी फिरोज, पिता शेख इबरार द्वारा थाना में आवेदन दिया गया कि मुफस्सिल थाना कांड संख्या 96/24 का गवाह है। गांव के मो. मोफिज द्वारा उक्त कांड में गवाही नहीं देने हेतु डरा धमका रहा था। साथ ही घर पर फायरिंग भी किया गया है। थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया कि घटनास्थल से गोली का खोखा भी बरामद किया गया है। कांड दर्ज कर प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

उपायुक्त ने जनता दरबार मे लोगों की समस्याएं सुनी, समाधान का दिया आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। यह दरबार उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित किया गया, जहां विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया।जनता दरबार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, बिजली, और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग उपायुक्त से मिले।

उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के पदाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जनता दरबार में उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध तरीके से हल करें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जो शिकायतें तुरंत हल हो सकती हैं, उनका समाधान मौके पर ही किया जाए।

टोटो चलाने के दौरान चालक गंभीर रूप से घायल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। शहर के चौक बाजार में मंगलवार को टोटो से पानी बांटने जाने के दौरान टोटो चालक के पैर चक्का में फंसने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल टोटो चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। चालक भरतिया कॉलोनी के रहने वाला ऋत्सु चौरड़िया उम्र 17 वर्ष है। घायल ने बताया कि वे टोटो से पानी बांटने जा रहा था। ब्रेक मारने के दौरान पैर चक्का में फंस गया। इसमे उसका बांया पैर फ्रेक्चर हो गया।

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने विभिन्न निर्माण स्थलों का किया निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने पुलिस लाईन स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एसटी-एससी) थाना निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने निर्माण स्थल पर उपयोग की जा रही सामग्रियों की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया। इसके उपरांत उपायुक्त जिरवाबाड़ी स्थित झारक्राफ्ट शॉप के निर्माण स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने कार्य की प्रगति का जायजा लिया और स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने हेतु योजना तैयार करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उपायुक्त ने पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास प्रस्तावित बाल सुधार गृह की भूमि का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभाग को भूमि की साफ-सफाई एवं निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाएं जनहित से जुड़ी हैं और इनके समय पर पूर्ण होने से आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा।

वीबीयुनेशन ने विभावि मे शतरंज प्रतियोगिता का किया आयोजन

● रुपेश सोनी और फरहान दानिश बने विजेता और उपविजेता

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में छात्रों द्वारा गठित VBUNation के द्वारा आंतरिक शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन 19-20 मई को किया गया। इसमें 50 से भी अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूवात खुशबु द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय नृत्य से हुआ। तमाशा सोसाइटी के गायत्री, गुलशन,आदित्य,अमन तथा संदीप द्वारा कल्पनापुर लघु नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए रामस्तुति के साथ पायल वर्मा तथा अपने राजनीतिक कविता के साथ अश्मित ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न सोसाइटियों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में शतरंज जैसी बौद्धिक खेलों के प्रति कौशल और रुचि को बढ़ावा देना था।

19 मई को पहले दिन के नॉकआउट पद्धति से मैच का आयोजन किया गया। 20 मई को कैन्टीन परिसर में हुए फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए INKS सोसाइटी की ओर से खेलते हुए रुपेश सोनी VBU Grandmaster का खिताब जीत लिया। वेब मंथन सोसाइटी के फ़रहान दानिश उपविजेता बने। चर्चित अभिनेता सौरभ सिंह उर्फ़ निशाचर तथा सामाजिक कार्यकर्ता चंदन सिंह, बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

इस आयोजन को सफल बनाने में VBU Nation के सदस्यों काजल, शगुफ्ता, मिसकात, शौर्याश्री, अविनय राज, गुलशन, राहुल, रितिक, पीयूष, राजन और अश्मित ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोटरसाइकिल और टोटो के आमने-सामने की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार तीन लोग गिरकर घायल हो गए

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज

साहिबगंज। शहर के राजमहल उधवा मुख्य पथ पर प्रखंड कार्यालय के सामने मंगलवार को एक मोटरसाइकिल और टोटो के आमने-सामने की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार तीन लोग गिरकर घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार फुलवरिया निवासी अमीर शेख 21 वर्षीय, अलमस खातून 22 वर्षीया, और काबिल शेख का 7 साल का बेटा हसनीम शेख तीनों मोटरसाइकिल से राजमहल किसी काम से आ रहा था। इस दौरान राजमहल की तरफ से जा रहे तेज रफ्तार टोटो चालक अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल चालक को धक्का मार दिया। जिससे मोटरसाइकिल सवार तीनों लोग बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज किया गया।

ई रिक्शा से धक्का लगने से 5 वर्ष के बालक की हो गई मृत्यु

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंज। तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली छोटी भगियामारी गांव में मंगलवार को अपने घर के पास खेल रहे पांच वर्षीय बालक को तेज रफ्तार ओटो ने जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना मे बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन व ग्रामीणों ने घायल बालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचा।जहां चिकित्सक डॉ प्रभात मल्लिक व डॉ तबरेज आलम ने जांच कर घायल बालक को मृत घोषित कर दिया। बालक सकरीगली छोटी भगियामारी गांव निवासी छोटू यादव का 5 वर्षीय एकलौता पुत्र रामलखन यादव उर्फ आनंद था। मृत बालक की मां ममता कुमारी ने बताई कि मेरा पुत्र घर से बाहर निकला ही था। इस दौरान तेज रफ्तार ओटो ने धक्का मार दिया। हुई दुर्घटना मे बालक का जबड़ा व सिर मे गंभीर चोट लगा था।साथ ही नाक से लाल रंग का झाग निकल रहा था। ग्रामीणों ने इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा। हालांकि रास्ते मे ही बालक की मौत हो गया था। वही बालक का पिता साहिबगंज से बाहर मजदूरी का काम करता है।मामले की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंच कर मामले की जांच मे जुट गई।

मां की गुहार डॉक्टर साहब मेरे बच्चे को बचा लो

सड़क दुघर्टना मे घायल पांच वर्षीय बालक को इलाज के लिए पहुंचे बाबल की मां बच्चे को गोद मे लिए दहाड़ मारकर रो रही थी। डॉक्टर के पास पहुंचने के बाद बालक की मां ममता कुमारी ने डॉक्टर से कहती जा रही थी कि डॉक्टर बाबु हम जमीन बेच कर पैसा देगे मेरे लाल को बचा लिजिए। जितना पैसा इलाज मे लगेगा हम देगे मेरे कलेजे के टुकड़े को ठीक कर दिजिए। मेरा एक ही लाल है कुछ हो गया तो मेरी गोद सुनी हो जाएंगी। मुझे मां कौन कहेगा यह बात कहते हुए मां ममता कुमारी दहाड़ मारकर रोए जा रही थी। वही इस हृदय विदारक दृश्य को देखकर सदर अस्पताल परिसर में मौजूद महिला व पुरुष की आंखों में भी आंसू छलक पड़े।

संक्षिप्त समाचार

बिशनपुर जान देंगे पर किसी भी कीमत में माइंस खोलने नहीं देंगे ग्रामीण

- फर्जी ग्रामसभा कर माइंस खोलने का आरोप
- 23 मई को माइंश के खिलाफ ग्रामीण एकजुट होकर जमुआ में सड़क सो जागरूकता करेंगे

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौडीहा बाज़ार, पलामू। जिले के नौडीहा बाज़ार प्रखंड अंतर्गत बिशनपुर पंचायत के जमुआ गांव में माइंस खोलने के खिलाफ में ग्रामीण एकजुट होकर जान देंगे पर किसी भी कीमत में जमुआ बिशनपुर में माइंस होने नहीं देंगे। सोमवार को माइंस बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में बिशनपुर पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार भारती उर्फ जीतू के अध्यक्षता में एक बैठक की आहूत की गई। जिसका संचालक भाजपा नेता रौशन सिंह ने किया. बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि माइंस माफिया फर्जी ग्राम सभा कर जमुआ में माइंस जबरन पूर्ण, हथियार के बल पर खोलना चाहते हैं जो की जमुना में लगभग 100 घर मुईया परिवार के कचिया घर है जिस जमीन में माइश खोलना चाहते हैं वह जमीन खाता 75,16,76 प्लॉट संख्या 152,68 गैरमंजुर्बा जमीन है ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी कीमत में माइंस नहीं खोलने देंगे। रोशन सिंह, विजय सिंह, मिथिलेश यादव, अजय राम,अभय यादव ने बताया कि हम लोग लिखित आवेदन पलामू एसपी, छतरपुर डीएसपी, नौडीहा थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिए हैं कि माइंस माफिया फर्जी एफआईआर कर फसाना चाहते हैं जो लोग घर पर नहीं थे उनका भी नाम देकर फसाने का काम कर रहे हैं जो कि माइंस माफिया का गलत मनसा है भाजपा नेता रोशन सिंह पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार भारती ने कहा कि 23 मई को बिशनपुर के जमुआ में लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर ग्रामीणों का जागरूकता करेंगे। 13 मई को ग्रामीण और माइंस संचालकों के द्वारा लिखित आवेदन नौडीहा थाना में दिया था नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने कहा कि दोनों पक्षों से आवेदन मिला था आवेदन के आधार पर दोनों पक्षों पर एफआईआर कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केसीसी ऋण माफी योजना को लेकर महुअरि पंचायत सचिवालय में विशेष कैंप का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड के महुअरि पंचायत सचिवालय के सभागार में केसीसी ऋण माफी योजना को लेकर विशेष कैंप का आयोजन किया गया।इस दौरान किसान हित में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ लेने प्रेरित किया गया।साथ ही किसानों को नया केसीसी एवं केसीसी ऋण माफी ,ब्लॉकचेन रजिस्ट्रेशन, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र सोलर पंम्प उधान विभाग से संचालित योजना आदि के लिए किसानों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महुअरी पंचायत की मुखिया सरिता कुमारी ने किया।मौके पर उपस्थित किसानों व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुखिया सरिता कुमारी ने कहा की इस विशेष कैम्प का मुख्य उद्देश्य केसीसी ऋण माफी योजना के बारे में जानकारी देना और किसानों को योजना का लाभ उठाने में मदद करना है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित मे कई जनउपयोगी योजना चलाया जा रहा है।किसानों को जागरूक होकर लाभ उठाने की जरूरत है।मौके पर बीटीएम जय गोविंद कुमार यादव, प्रखंड समन्वयक सतीश कुमार चतुर्वेदी, पैक्स अध्यक्ष बिमलेश पासवान ,कृषि मित्र नागेंद्र कुमार सिंह ,सुदर्शन सिंह ,जितेंद्र सिंह, नवल किशोर त्रिवेदी समेत किसान जमुना प्रसाद सिंह, सत्यनारायण सिंह ,आरके मेहता ,शत्रुघ्न सिंह, भोला सिंह, सत्यनारायण चौहान, राजू मेहता, संजय सिंह ,गौरव कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, विक्की कुमार सिंह, मंटू कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह ,आदि उपस्थित थे।

जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने लगाया जनता दरबारः स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, चापाकल, सड़क, नाली, जमीन समेत अन्य समस्याएं लेकर पहुंचे लोग

- जमुआ प्रखंड मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में सुनी समस्याएं

जमुआ, प्रतिनिधि। मंगलवार को जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने प्रखंड मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में क्षेत्र की समस्याएं सुनी और निराकरण किया। जन सुनवाई के दौरान लोगों ने विधायक के समक्ष कई समस्याएं रखी जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। आम लोगों के राहत पहुंचाने के लिए वह ईमानदारी से कार्य कर रही हैं। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया, बाकी बची समस्याओं को उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान लोगों ने विधायक के समक्ष स्वास्थ्य, पेयजल, चापाकल, बिजली, जमीन, सड़क, नाली सहित अन्य कई समस्याओं से संबंधित लिखित प्रार्थना पत्र देकर अपनी उनका निदान कराने का अनुरोध किया।

जनता की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएः मंजू कुमारी

जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि जनता की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो, इसके लिए अधिकारियों को इसकी शीघ्र प्रगति रिपोर्ट भी देने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में कोई तकनीकि या अन्य समस्या आ रही है, उस बारे उन्हें अवगत करवाएं, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके।

कई क्षेत्रो से पहुंचे थे लोग,गोदाम को पुनः जमुआ प्रखंड मुख्यालय लाने का निर्देश

जमुआ विधानसभा क्षेत्र के भूपतडीह, पालमो, बलगो, बलबला, लताकी, सकरडीहा धुरैता आदि कई जगहो से लोग अपने-अपने समस्या लेकर पहुंचे थे। जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने बीडीओ अमल कुमार को निर्देश देते हुए कहा कि गोदाम को पुनः भाटडीह-गोलोडीह से जमुआ प्रखंड मुख्यालय जल्द से जल्द लाए। नल-जल योजना से संबंधित समस्याओं का निपटारा अविलंब करने का निर्देश दिया, शौचालय को तीन दिनों के अंदर चालू करने का निर्देश दिया। सीओ संजय पांडेय को जाति, आवासीय, म्यूटेशन, ऑनलाइन आदि संबंधित कार्य को करने का निर्देश दिया। पेंशन ऑपरेटर दीपक कुमार को अविलंब पेंशन संबंधित समस्याओं का निपटारा करने का निर्देश दिया। जमुआ प्रखंड अंतर्गत निर्माणाधीन पुल का जांच करने का निर्देश बीडीओ और सीओ को दिया।

इनकी थी मौजूदगी

जमुआ बीडीओ अमल कुमार, सीओ संजय पांडेय, भाजपा नेता परमेश्वर यादव, कार्यालय प्रभारी गोपाल कृष्ण पांडेय, सह प्रभारी रूपलाल रविदास, सुमन सिन्हा, प्रदीप सिंह, विकास मंडल, बालगोविंद यादव, सुधीर राय, प्रकाश यादव, सोनू मोदी, रामानंद कुशवाहा, सुनील राय, परिणय सिन्हा, रंजन सिंह, पप्पू कुमार, विवेकानंद कुशवाहा आदि कई मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूरः चुन चुन करके मारा हैं, बदला अब उतारा हैं...

- जमुआ में निकाली गई तिरंगा यात्रा, लोगों ने भारतीय सेना के शौर्य को किया सलाम
- जो भी भारत की ओर बुरी नजर से देखेगा, उसे मुंह तोड़ जवाब मिलेगाः मंजू कुमारी
- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में जमुआ में तिरंगा यात्रा निकाली गई
- सैकड़ो की संख्या में भाजपाई शामिल हुए

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ में भारतीय जनता पार्टी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में जमुआ विधायक मंजू कुमारी भी मौजूद थीं।

तिरंगा यात्रा जमुआ चौक-चौराहों का भ्रमण किया

तिरंगा यात्रा इंदिरा गांधी मैदान जमुआ से निकलकर जमुआ प्रखंड मुख्यालय तक गई। जिसमें जमुआ भाया द्वारपहरी रोड, जमुआ भाया मिर्जागंज रोड भ्रमण किया। जमुआ चौक पर कुछ देर के लिए भाषण भी दिया गया। इस दौरान समाज के कई प्रबुद्ध लोग भी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए भारत माता की जय के नारे लगाते रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारतीय सेना और सरकार को बधाई दी, साथी ही पाकिस्तान विरोधी नारे भी लगाए।

जो भी भारत की ओर बुरी नजर से देखेगा, उसे मुंह तोड़ जवाब मिलेगा- मंजू कुमारी

जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा उन्होंने कहा कि पहलगाम में मासूम लोगों की हत्या के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। भारतीय सेना ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है जो भी भारत की ओर बुरी नजर से देखेगा उसे मुंह तोड़ जवाब मिलेगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारतीय सेना ने बदला लिया और पाकिस्तान के अंदर चल रहे आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने न सिर्फ अपने शौर्य का प्रदर्शन किया, बल्कि इस दौरान भारत की सैन्य शक्ति का बखूबी दर्शाया।

तिरंगा यात्रा में इनकी थी मौजूदगी

भाजपा नेता राजेंद्र राय, खंड कार्यवाह बालगोविंद यादव, मंडल संयोजक सुमन सिन्हा, भाजपा नेता परमेश्वर यादव, प्रदीप सिंह, विकास मंडल, सुधीर राय, प्रकाश यादव, गोपाल कृष्ण पांडेय, रूपलाल दास, गंगाधर वर्मा, रविषेक राय, राहुल सिंह, सोनू मोदी, रामानंद कुशवाहा, सुनील राय, परिणय सिन्हा, रंजन सिंह, पप्पू कुमार, विवेकानंद कुशवाहा, बीरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, बादल कुमार, विशाल कुमार, मनीष कुमार, वकील कुमार आदि मौजूद थे।

सेना के शौर्य से हर भारतीय गौरवान्वित हुआ

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में अवस्थित आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त किया था। हमले में कई आतंकी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने हमला बोला तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। सेना के शौर्य से हर भारतीय गौरवान्वित हुआ। सेना के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसी कड़ी में जमुआ में तिरंगा यात्रा निकाला गया।

जमुआ प्रखंड मुख्यालय में विधायक मंजू कुमारी ने सुनी जनता की समस्याएं, कई मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन

जमुआ, प्रतिनिधि। मंगलवार को जमुआ प्रखंड मुख्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जमुआ विधायक मंजु कुमारी ने आम जनता की समस्याएं सुनीं। अपने मुख्यालय कक्ष में पहुंचते ही विधायक ने जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और जो मुद्दे तत्काल हल किए जा सकते थे, उन्हें मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर समाधान करवा दिया। इस जनसुनवाई के दौरान कई ऐसे मामले भी सामने आए जो लंबे समय से लंबित थे। विधायक ने ऐसे मामलों का भी निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर कराया। जनता से संवाद के दौरान स्वास्थ्य, सड़क, पानी, बिजली और पेंशन जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आई।विधायक ने आश्वासन दिया कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्यों में कोई लापरवाही न हो और समयबद्ध ढंग से कार्यों को पूरा किया जाए। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस तरह की जनसुनवाई नियमित रूप से होती रहेगी।

बगोदर में ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में निकली तिरंगा यात्रा

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के बगोदर में मंगलवार को सेना के शौर्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिम्मत के समर्थन में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। 75 फीट लंबे तिरंगे के साथ इस यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, भाजपा नेता आशीष बॉर्डर, भाजपा नेत्री शालिनी वैशखियार और जिप उपाध्यक्ष छोटेलाल यादव सहित कई देशभक्तों की उपस्थिति रही। तिरंगा यात्रा बगोदर बाजार से शुरू होकर पूरे क्षेत्र में घूमा, जहाँ सेना और पीएम मोदी के समर्थन में जमकर नारे लगाए गए। विधायक नागेंद्र महतो ने कहा कि भारत की बेटियों का सिंदूर मिटाने की सजा पाकिस्तान देख चुका है। अब देश विरोधी सोच रखने वालों को जनता माफ नहीं करेगी।

4 लेबर कोड वापस ले मोदी सरकारः राजेश यादव

- राष्ट्रव्यापी विरोध के तहत झंडा मैदान में हुआ कार्यक्रम

गिरिडीह, प्रतिनिधि। संयुक्त ट्रेड यूनियन के आह्वान पर झंडा मैदान गिरिडीह में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक तथा टीयूसीसी की ओर से एक प्रतिरोध कार्यक्रम आयोजित कर केंद्र की मोदी सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों का विरोध किया गया तथा प्रमुखता से 4 लेबर कोड वापस लेने की मांग की गई।इस बाबत कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे पूर्व जिप सदस्य सह फारवर्ड ब्लाक नेता राजेश यादव ने कहा कि आज के दिन राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के आंदोलन को स्थगित करते हुए विरोध कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया गया था। इसी के तहत पूरे देश में विरोध कार्यक्रम हो रहे हैं। हम यह बताना चाहते हैं कि, मोदी सरकार मेहनतकशों के खिलाफ जबरदस्त तरीके से हमला चला रही है। एक-एक करके मजदूरों के अधिकार छीने जा रहे हैं। कहा कि, पहले किसानों के ऊपर हमला कर उनके खिलाफ काले कानून लाए गए थे, जिसे किसान आंदोलन के बल पर वापस लिया गया। लेकिन अब इनका पूरा फोकस मजदूर वर्ग के अधिकारों को छीनने पर केंद्रित है। चार (4) लेबर कोड इसी की एक बानगी है। सरकार मजदूरों से 8 के बजाय 12 घंटे काम कराने और उनके किसी भी विरोध को दबा देने की भरपूर कोशिश कर रही है। इसके लिए एक तरफ जन विरोधी कानून, तो इसके खिलाफ विरोध को कमजोर करने के लिए देश भर में मेहनतकशों को नफरती विचारों के आधार पर बांटने की भी लगातार कोशिशें जारी हैं। विरोध कार्यक्रम के जरिए हम सरकार से 4 लेबर कोड वापस लेने सहित 17 सूत्री मांगों को पूरा करने के अपील करते हैं तथा आगामी 9 जुलाई को इन्हीं सवालों पर राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को भी सफल बनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंभू तुरी, शिवनंदन यादव, मनोज यादव, रियाज अंसारी, अन्ना मुर्मू, दिनेश राय, दुखी तुरी, महेश निराला, रीतलाल दास, विजय डोम सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

महाप्रबंधक ने विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज 20.05.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों, मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गय । इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें । महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय-पालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान, राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता एवं कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।ज्ञापन भारत में नवाचार-संचालित, सतत संसाधन विकास को बढ़ावा देने कीदिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

काली मंदिर का वार्षिकोत्सव पूजा शांतिपूर्ण संपन्न

स, सू पंकज कुमार ठाकुर

चांदन(बांका) पंचायत क्षेत्र के पाण्डेय गांव स्थित वट वृक्ष में स्थापित दक्षिण काली मंदिर का वार्षिकोत्सव पूजा आज मंगलवार को चार गांवों के द्वारा सम्मिलित पूजा संपन्न हो गया। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित गवाली पूजा का आचार्य जितेन्द्र पाण्डेय एवं पूजा समिति के अध्यक्ष सह् यजमान बैजनाथ यादव के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ सप्तशती का पाठ किया गया। साथ ही फुलधरिया के द्वारा माता का सिंगार कर के आचार्य जितेन्द्र पाण्डेय एवं बिनोद पाण्डेय के द्वारा कुमारी भोजन एवं ब्राह्मण भोजन कराकर बली कराकर पाठा की बली प्रदान की गई। पूजा को सफल आयोजन में नावाडीह, गोपडीह, पाण्डेयडीह आदि गांवों की डॉ सुनील राय,प्रो0उत्तम राय, श्रीराम राय, प्रकाश राय, प्रमोद सिंह, विनोद सिंह,चंदन सिन्हा,रजत सिन्हा, अनील यादव आदि ग्रामीणों की योगदान रहा।

भूमि विवाद में तीन सदस्यों के साथ बेरहमी से मारपीट

बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका कटोरिया क्षेत्र के जमदाहा पंचायत अन्तर्गत जमुआ गांव में भूमि विवाद को लेकर गोतिया ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों के साथ बेरहमी से मारपीट की। जिनसे तीन लोग पुरी तरह जख्मी हो गए। जख्मियों में जगदेव यादव की पत्नी वीणा देवी, बहू रीता देवी पति राजू यादव एवं पोती रूचिका कुमारी पिता राजू यादव शामिल हैं।

सभी जख्मी को इलाज के लिए कटोरिया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर विनोद कुमार की देखरेख में सबका इलाज किया गया। पीड़ित ने गांव के ही बंगाली यादव, दिनेश यादव, अशोक यादव सहित अन्य पर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि नामजद अपना घर बना रहा है। इसमें उसके आंगन की ओर छज्जा बना रहा है। साथ ही उसके हिस्से पर दीवार भी दे दी है। इसका विरोध करने पर नामजद सभी ने घर में घुसकर तीनों के साथ बेरहमी से मारपीट कर जख्मी कर दिया। पूर्ण रूप से जख्मी रीता देवी के पति राजू यादव बाहर बंगलोर कमानें गया है। जिनके घर में विवाद हुआ है।घटना की सूचना डायल 112 को दी गई। जिन्होने अस्पताल पहुंचाकर सभी घायलों का इलाज कराया। वही कटोरिया पुलिस द्वारा छानबीन कार उचित कार्रवाई किया जा रहा है।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड और सीएसआईआर-आईएमएमटी के एमओयू पर हस्ताक्षर

संवाददाता द्वारा

रांची। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) और वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद- खनिज एवं सामग्री प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईएमएमटी) ने महत्वपूर्णखनिजों, खनिज प्रसंस्करण और सतत खनन प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकासके लिए सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन श्री नवीन जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनएमएल एवं आरईडी (माइनिंग), एनटीपीसी, और डॉ. रामानुज नारायण, निदेशक, सीएसआईआर-आईएमएमटी द्वाराहस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर के समन्वय में डॉ. काली संजय, प्रमुख, हाइड्रो, बायो

एवंइलेक्ट्रोमेटलर्जी विभाग एवं व्यवसाय विकास, सीएसआईआर-आईएमएमटी; श्री धनंजय श्रीखंडे,महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं एवं वाणिज्यिक); और श्री अनिल कुमार सोनी, अपर महाप्रबंधक(तकनीकी सेवाएं एवं व्यवसाय विकास), एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड, शामिल रहे। इस अवसर पर बोलते हुए श्री नवीन जैन ने कहाः यह सहयोग हमारे उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत हम तकनीकी उत्कृष्टता औरपर्यावरणीय उत्तरदायित्व के माध्यम से सुरक्षित, सतत और कुशल खनन के क्षेत्र में एकमानक संस्था बनना चाहते हैं। एनटीपीसी माइनिंग की संचालनात्मक क्षमता औरसीएसआईआर-आईएमएमटी की अग्रणी अनुसंधान क्षमताओं को एकजुट कर हम खननयोजना, खनिज लाभ-संशोधन और सतत खदान बंदी प्रथाओं में परिवर्तनकारी सुधार लाने का लक्ष्य रखते हैं। डॉ. रामानुज नारायण ने कहाः जैसे-जैसे भारत राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के अंतर्गत अपने प्रयासों को तेज कर रहा है, यह सहयोग एक उपयुक्त समय पर हुआ है। महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में एनटीपीसी माइनिंग की रणनीतिक भागीदारी और संसाधन सुरक्षा में इसकी अग्रणी भूमिका हमारे उसउद्देश्य के साथ पूरी तरह मेल खाती है, जिसमें हम उद्योग के लिए विज्ञान-आधारित और विस्तार योग्य समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

2018 में स्थापना के बाद से, एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एकप्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। स्न्ह्व 2024-25 में एनटीपीसी की कोयला आवश्यकताका लगभग 15त्न आपूर्ति करते हुए कंपनी अब तक 134 मिलियन टन से अधिक कोयलाउत्पादन कर चुकी है। जैसे-जैसे भारत स्वच्छ ऊर्जा की ओर अग्रसर हो रहा है, एनएमएलघरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विकास के क्षेत्र मेंविविधीकरण कर रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का समर्थन करता है। सीएसआईआर-आईएमएमटी को महत्वपूर्ण खनिजों के अनुसंधान और प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण में दशकों का अनुभव प्राप्त है, और यह खनन व सामग्री क्षेत्रों को उन्नत समाधान प्रदान करता है। सहयोग के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी माइनिंग प्रतिनिधिमंडल ने सीएसआईआर-आईएमएमटी की उन्नत प्रौद्योगिकी विकास सुविधाओं का दौरा किया औरआत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित अनुसंधान और तकनीकी सहयोग पर विचार-विमर्श किया।यह समझौता ज्ञापन भारत में नवाचार-संचालित, सतत संसाधन विकास को बढ़ावा देने कीदिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सी.सी.एल. के सी.एस.आर. के तहत सिलाई प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र का शुभारंभ

संवाददाता द्वारा

रांची, महिलाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने हेतु कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सी.सी.एल.) द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (ष्टस्क्र) के अंतर्गत एक नई पहल की गई है। इसी क्रम में सिलाई प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र विशेष रूप से समाज की जरूरतमंद, गरीब एवं निराश्रित महिलाओं/युवतियों के कौशल विकास और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण हेतु स्थापित किया गया है। यहां महिलाओं को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) द्वारा मान्यता प्राप्त "Self Employed Tailor" नामक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कोर्स पूर्णतः निःशुल्क है।?

प्रशिक्षण अवधि कुल 97 दिन की होगी, जिसमें प्रत्येक महिला को प्रति दिन 4 घंटे का प्रशिक्षण दिया

जाएगा। प्रशिक्षण इस प्रकार तैयार किया गया है कि महिलाएं अपने वर्तमान आजीविका कार्यों को बाधित किए बिना इसमें भाग ले सकें।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को आधुनिक तकनीक से युक्त उन्नत मशीनें एवं उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। केंद्र में इंडस्ट्रियल सिलाई मशीन, ऋस्रू फुट ऑपरेटेड सिलाई मशीन, फुट ऑपरेटेड ओवरलॉक मशीन जैसी मशीनें अधिष्ठापित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक प्रशिक्षु को एक सिलाई किट भी प्रदान की जाएगी जिससे उन्हें प्रशिक्षण में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। सी.सी.एल. द्वारा इस केंद्र के संचालन के लिए निःशुल्क किराया आधार पर दो क्वार्टर आवंटित किए गए हैं, जो प्रशिक्षण कार्य में उपयोग किए जा रहे हैं।

ज्ञात हो कि सीसीएल सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में सीसीएल द्वारा समावेशी विकास एवं महिलाओं के उत्थान के लिए कई के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।यह परियोजना केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने का एक मंच है। इसका उद्देश्य महिलाओं को न सिर्फ कुशल बनाना, बल्कि उन्हें रोजगार योग्य बनाना और अंततः आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना है। यह पहल समाज की उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से समर्पित है जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को साकार नहीं कर पातीं।

इस केंद्र का उद्घाटन श्रीमती विमला प्रसाद के करकमलों से किया गया । इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह, क्लब की सदस्यगण एवं क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं , सीसीएल कर्मी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सी.सी.एल. का यह प्रयास महिलाओं के समग्र विकास की दिशा में एक ठोस कदम है, जिससे न केवल वे खुद सशक्त होंगी, बल्कि समाज और परिवार को भी मजबूती प्रदान करेंगी।

सीएनडी मैदान में कुछ सुबह क्रिकेट के नाम : इंतज़ार हुआ खत्म, मंदार स्पोर्ट्स क्लब की टी20 ट्राई सीरीज़ का 21 मई से होगा आगाज, मैदान का कार्य पूरा,खिलाडियों ने जमकर किया अभ्यास

आदिवासी एक्सप्रेस/ बौसी (बांका)

मंदार स्पोर्ट्स क्लब गर्व के साथ घोषणा करता है कि बहुप्रतीक्षित टी20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राई सीरीज़ 2025 मौसम के बाधा के कारण निर्धारित तिथि 18 मई को रद्द किये जाने के बाद अब 21 मई 2025 से नयी तिथि से शुरू होने जा रही है। बरसात के उत्पन्न तमाम बाधाओं के बाद अब फिर से मैदान और पिच को क्रिकेट के अनुकूल तैयार कर लिया गया है। इस सीरीज का इंतजार कर रहे क्रिकेटर और क्रिकेटप्रेमियों के लिए भी इंतज़ार

खत्म होने के साथ अच्छी खबर है। मैच के प्रदर्शन के लिए टीमें तैयार हैं, खिलाड़ी जोश में हैं, और दर्शक अपने पसंदीदा सितारों को मैदान में देखने के लिए उत्साहित हैं। मंगलवार को खिलाड़ियों ने जमकर मैदान में अभ्यास किया।

यह सीरीज़ का मैच एमएससी ईस्ट, एमएससी सेंट्रल, और एमएससी वेस्ट के बीच रोमांचक मुकाबलों के साथ शहर के सीएनडी के ऐतिहासिक मैदान पर सुबह 7 बजे से खेली जाएगी। प्रथम दिन बुधवार को एमएससी ईस्ट, एमएससी सेंट्रल के बीच मैच के साथ सीरीज का आगाज होगा। सभी टीम के बीच कुल 6 मैच खेले जायेंगे। जिनका शानदार समापन समारोह के साथ शीर्ष दो टीमों के बीच खेले जाने वाले फाइनल मैच से होगा। यह सिर्फ क्रिकेट का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे लाने का एक सुनहरा मंच भी है।

बिहार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन और गरीबी में नंबर वनः तेजस्वी यादव

गया। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि 20 साल से उनकी सरकार है और राज्य भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन और गरीबी में नंबर वन है।

तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बोधगया में एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे

ज्यादा पलायन बिहार में होता है और सबसे ज्यादा गरीबी भी बिहार में है। यहां अपराध चरम पर है। प्रतिदिन कोई न कोई घटना अपराधियों द्वारा अंजाम दी जाती है। उन्होंने कहा कि अब तो अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे लोग पुलिस का ही एनकाउंटर करने लगे हैं। राजद नेता ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं। स्थिति यह है कि यदि वह अपने दोनों उपमुख्यमंत्रियों का नाम भी बता दें, तो बहुत है। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी बिहार को लूटने में लगे हुए हैं, वही लोग मुख्यमंत्री के साथ रहते हैं। ये लोग बिहार को लूटने का काम कर रहे हैं। अफसरशाही चरम पर है, जनप्रतिनिधियों की बातों को अधिकारी सुनते तक नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को शहीद का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि ये जवान आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद होते हैं।

असम के मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने किया कामरूप जिले में अरुणोदय 3.0 के कार्यों की समीक्षा

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम

असम सरकार में पर्यावरण और वन मंत्री तथा कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने आज असम के कामरूप जिले के अमीनगांव में एकीकृत जिला कार्यालय के बैठक कक्ष में अरुणोदय 3.0 के लिए गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अरुणोदय 3.0 के तहत कामरूप जिले के 1,66,380 लाभार्थियों को कवर करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किए जाने वाले उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से अभिभावक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण लाभार्थियों के आवेदन पत्रों के डिजिटलीकरण के क्षेत्र में जिले में विकास खंड स्तर पर किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से काम करें कि 30 मई तक सभी फॉर्मों को डिजिटल कर दिया जाए ताकि फॉर्मों के डिजिटलीकरण का काम पूरा हो सके। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को अरुणोदय 3.0 के कार्यान्वयन के लिए डीआईडीएस पोर्टल पर लाभार्थी की जानकारी अपलोड करते समय जानकारी की सटीकता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि एक परिवार से एक से अधिक लाभार्थियों के नाम शामिल न हों। बैठक में रंगिया विधानसभा चुनाव क्षेत्र के विधायक भवेश कलिता, पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया और बोको विधानसभा क्षेत्र के विधायक नंदिता दास के साथ-साथ सांसदों और विधायकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे बैठक में सबसे पहले कामरूप जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता ने अरुणोदय 3.0 के तहत कामरूप जिले में किए जा रहे कार्यों की प्रगति पर प्रस्तुति दिया। बैठक में रंगिया सम-जिला के सम-जिला आयुक्त देबाशीष गोस्वामी, सहायक आयुक्त पार्थ प्रतिम चौधरी और विभिन्न विकासखंडों के खंड विकास अधिकारी उपस्थित थे।

असम से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने साधारण सोशल मीडिया ट्रोल से किया राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की तुलना

पंकज नाथ, असम

असम के जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला करते हुए उन पर बार-बार गलत सूचना फैलाने और निराधार दावे करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री के एक वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सांसद गोगोई ने कहा कि, असम के मुख्यमंत्री सबसे हास्यास्पद और निरर्थक झूठ बोलने में बार-बार गलती करते हैं। कभी-कभी उनमें और एक आम सोशल मीडिया ट्रोल में ज़्यादा फ़र्क नहीं होता है । ÷इस वीडियो में सीएम सरमा आरोप लगाते हुए दिख रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी ने असम में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के लिए एक बॉडी डबल का इस्तेमाल किया, जिसमें उन्होंने इंडिया टुडे एनई द्वारा उठाए गए एक सवाल का हवाला दिया। फुटेज में मुख्यमंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भारत जोड़ो यात्रा बस के सामने देखा गया व्यक्ति राहुल गांधी नहीं था और गांधी एक बड़े कमरे में थे, जो ÷हमारे बेडरूम से बेहतर था, जबकि बाहर के लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि वह लंबी दूरी तक पैदल चलकर आए हैं। गोगोई ने टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि अगर सरमा मुख्यमंत्री के पद पर नहीं होते तो इस तरह के निराधार बयानों पर कोई ध्यान नहीं देते । गौरव गोगोई ने कहा, अगर वह असम के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठे होते तो कोई भी उन पर ध्यान नहीं देता। इस तरह के बाद विवाद से इनदिनों हिमंत बिस्वा सरमा और गौरव गोगोई के बीच चल रहे तनाव को उजागर करता है। विशेष रूप से इसके कारण शुरू हुए राजनीतिक विमर्श के इर्द-गिर्द की कहानियों को लेकर इनदिनों राजनीतिक महलों में काफी गर्मी छायी हुई है।

मध्य एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरणः एक भारतीय दृष्टिकोण

नई दिल्ली, (आरएनएस)। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में ताशकंद राज्य ओरिएंटल स्टडीज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ÷आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मध्य एशिया- स्थिरता और विकास के अवसर÷ का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के 17 विद्वानों ने मध्य एशिया के बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भारत की ओर से प्रो. रामाकांत द्विवेदी, मेरी, सीआईएस के प्रमुख और इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन (आईसीएएफ), नई दिल्ली के निदेशक ने मध्य एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरणः एक

भारतीय दृष्टिकोण विषय पर प्रस्तुति दी। प्रो. द्विवेदी ने मध्य एशिया के प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धता और इसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति पर विशेष जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत का इस क्षेत्र के साथ प्राचीन काल से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध रहा है। उन्होंने मध्य एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण की प्रक्रिया को तीन चरणों में विभाजित किया। मध्य एशिया में क्षेत्रीय सहयोग मुख्य रूप से आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे (विशेषकर परिवहन और ऊर्जा), और व्यापार सुलभता पर केंद्रित है। बेहतर कनेक्टिविटी और गतिशीलता से साझा समृद्धि और सतत विकास को बढ़ावा मिला है। इस संदर्भ में, केंद्रीय एशिया क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग (सीएआरईसी), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), यूरेशियन आर्थिक संघ (ईइयू) और वार्षिक परामर्श समिट जैसी प्रमुख संस्थाएं सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति मिर्ज़ियोएव की सक्रिय पहल से क्षेत्रीय एकीकरण में नया उत्साह आया है। भू-रणनीतिक दृष्टि से, मध्य एशिया की अफगानिस्तान के निकटता इसे आतंकवाद रोधी प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। भारत इस क्षेत्र में SCO के माध्यम से बहुपक्षीय और मध्य एशियाई गणराज्यों (CARs) के साथ द्विपक्षीय सहयोग से आतंकवाद, नशीली दवाओं की तस्करी और अस्थिरता के खिलाफ सक्रिय है। भारत का मध्य एशिया के साथ संबंध हाल के वर्षों में और गहरा हुआ है। भारत-सेंट्रल एशिया संवाद और इंडिया-सेंट्रल एशिया बिजनेस काउंसिल के माध्यम से व्यापार, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा मिला है। तकनीकी सहयोग खासकर अंतरिक्ष और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ा है, जहां इसरो ने कज़ाखस्तान और उज्बेकिस्तान में क्षमता विकास में मदद की है। भारत अपनी सॉफ्ट पावर का उपयोग कट्टरपंथी विचारधाराओं के खिलाफ प्लूरलिज़्म और सेक्युलरिज़्म को बढ़ावा देकर करता है। सांस्कृतिक जुड़ाव के तहत, भारत बौद्ध धरोहरों के संरक्षण और सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्जीवित कर रहा है, जो क्षेत्र में भारत की सभ्यतागत गहराई को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत की सतत विकास पहलें जैसे अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, जल प्रौद्योगिकी और सूखा कृषि मध्य एशिया के पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान में सहायक हैं। ये विविध प्रयास भारत की रणनीति को दर्शाते हैं जो आर्थिक विकास, क्षेत्रीय स्थिरता और मध्य एशिया के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को प्रोत्साहित करते हैं। क्षेत्रीय परिदृश्य के अनुसार खुद को ढालते हुए भारत मध्य एशिया में सहयोग और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत दीव के घोघला बीच पर बीच सॉकर ग्रुप मैचों के साथ हुई

एजेंसी

दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 (केआईबीजी) के पहले संस्करण की शुरुआत दीव के घोघला बीच पर हुई। इस दिन बीच सॉकर मुख्य आकर्षण रहा। अरब सागर की चमकती लहरों के बीच गोवा और राजस्थान ने लड़कों के दिन का पहला मैच खेला। हालांकि, परिणाम एकतरफा रहा। बीच गेम्स में माहिर गोवा ने 13-9 से जीत के साथ अपना विजयी अभियान शुरू किया।गोवा में समुद्र तटों की भरमार है, जबकि राजस्थान में कोई समुद्र तट नहीं है। इसका मतलब है कि गोवा के लोग घर जैसा माहौल महसूस कर रहे थे और राजस्थान के खिलाड़ी संघर्ष करते नजर आ रहे थे। इससे यह सवाल उठता है- क्या गैर-तटीय टीमों के लिए केआईबीजी 2025 में मुश्किलें आने वाली हैं? इसका जवाब यह है कि कि यह कोई जरूरी नहीं, क्योंकि पिछले साल दीव बीच गेम्स में मध्य प्रदेश (जो एक गैर-तटीय राज्य है) ने सबसे ज्यादा पदक जीते। हालांकि यह कहना गलत नहीं होगा कि गैर तटीय राज्यों के लिए निश्चित रूप से चुनौतियां होंगी। राजस्थान टीम के मैनेजर हरिओम ने केआईबीजी की अगुवाई में अपनी टीम के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करी। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए आसान नहीं है। एक गैर-तटीय राज्य के लिए तट पर खेलना हमेशा से मुश्किल रहा है। मेरा मतलब है कि हम राजस्थान में खेल के कृत्रिम मैदान पर अभ्यास करते हैं।

केकेआर ने शिवम शुक्ला और आरसीबी ने मुजरबानी को किया शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बाकी बचे मुकाबलों के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर)और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी-अपनी टीमों में बदलाव किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पावेल की जगह शिवम शुक्ला को टीम में शामिल किया है। इसी तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है। पावेल टॉन्सिल की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर शामिल किए गए शिवम शुक्ला लेग स्पिनर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें 30 लाख रुपये में साइन किया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है। एनगिडी 26 मई, 2025 से दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए आईपीएल छोड़ेंगे। ऐसे में आरसीबी ने मुज़रबानी को 75 लाख रुपये में टीम का हिस्सा बनाया है। ब्लेसिंग मुज़रबानी अब तक 70 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 78 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टेस्ट और 55 वनडे मुकाबलों में भी जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया है। उनके अनुभव को देखते हुए आरसीबी को उम्मीद है कि वह गेंदबाजी विभाग को मजबूती देंगे।

आदिल राशिद ने इंग्लैंड के नए कप्तान के रूप में ब्रूक का किया समर्थन

लंदन। इंग्लैंड के वरिष्ठ स्पिनर आदिल राशिद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पहली सीरीज से पहले नए कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन किया है। इंग्लैंड के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में एक नया युग शुरू हो रहा है, हैरी ब्रूक 29 मई से वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पहली बार कप्तानी संभालेंगे। इंग्लैंड की टीम हाल के वर्षों में एक बदलाव के दौर से गुजर रही है। 2019 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की जीत और 2022 टी20 विश्व कप की जीत के बाद, हाल ही में सफलता उनके हाथ नहीं लगी है। आईसीसी टूर्नामेंटों में उनके प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट आई है, 2023 क्रिकेट विश्व कप में वे सातवें स्थान पर रहे और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में वे जीत दर्ज नहीं कर पाए। जोस बटलर के पद छोड़ने के फैसले के बाद, 26 वर्षीय हैरी ब्रूक को इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीनियर खिलाड़ी पूरी तरह से उनके साथ हैं, आदिल राशिद को पूरा भरोसा है कि ब्रूक टीम को आगे ले जाने के लिए सही व्यक्ति हैं।

ड्रीम स्पोर्टस पे अल्टीमेट टेबल टेनिस के साथ की साझेदारी

अहमदाबाद। जमीनी स्तर पर टेबल टेनिस के प्रोत्साहन देने की कवायद के तहत ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के साथ एक विशेष साझेदारी की घोषणा की। यूथ डेवलपमेंट पार्टनर के रूप में, डीएसएफ ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का उद्घाटन करेगा। यह एक अंडर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट है, जिसे उभरती हुई टेबल टेनिस प्रतिभाओं को पेशेवर लीग का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। ड्रीम यूटीटी जूनियर्स का उद्घाटन 29 मई से 8 जून तक अहमदाबाद में अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग के छठे संस्करण के साथ आयोजित किया जाएगा और इसे फैनकोड पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। साझेदारी पर बात करते हुए ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ और सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा, ड्रीम स्पोर्ट्स में, हम 'खेलों को बेहतर बनाने' के अपने दृष्टिकोण से प्रेरित हैं।

आईपीएल 2025: सम्मान के लिए भिड़ेंगे सीएसके और राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कब की खत्म हो चुकी हैं। दोनों ही टीमें अब केवल सम्मान के लिए इस मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलने के उतरेगी। इस मुकाबले में सबसे बड़ा सवाल यही होगा—कौन बच पाएगा इस सीजन की सबसे निचली पायदान यानी 'वुडन स्पून' से? सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के सीजन की कहानी एक जैसी खत्म हुई, लेकिन रास्ते काफी अलग रहे। राजस्थान रॉयल्स ने चार ऐसे मुकाबले गंवाए जो उनकी मुट्ठी में थे, वहीं चेन्नई की टीम अपने गौरवशाली इतिहास की परछाई बनकर रह गई। यह फ्रेंचाइज़ी का शायद अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा है।

जहां टीम के स्तर पर अब कोई बड़ी प्रेरणा नहीं बची है, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज़ से यह मुकाबला कई खिलाड़ियों के लिए अहम साबित हो सकता है। युवा खिलाड़ियों और बाहर बैठे सितारों को खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा, जो इस 'डेड-रबर'मुकाबले को देखने लायक बना सकता है। पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस ने आसानी से 200 का लक्ष्य हासिल किया था।

हालांकि पिच में बदलाव संभव है, लेकिन आमतौर पर यहां आक्रामक बल्लेबाज़ी को मदद मिलती है। हेड टू हेड की बात करें तो सीएसके का राजस्थान पर अब तक 16-14 का बढ़त है, लेकिन साल 2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ 9 में से 7 मैच जीते हैं। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन, चेन्नई के स्पिन जोड़ी अश्विन-जडेजा के खिलाफ ज्यादा स्ट्राइक रेट से नहीं खेल पाए हैं। छोटे मैदान के बावजूद यह जोड़ी उन्हें परेशान कर सकती है।

ब्राजील के पूर्व मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने फ्लुमिनेंस क्लब को कहा अलविदा

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने रियो डी जेनेरियो स्थित फुटबॉल क्लब फ्लुमिनेंस से आपसी सहमति के आधार पर अपना नाता तोड़ लिया है। क्लब ने एक संक्षिप्त सोशल मीडिया बयान में यह जानकारी दी। फ्लुमिनेंस क्लब ने 37 वर्षीय खिलाड़ी के जाने के पीछे किसी कारण का उल्लेख नहीं किया। क्लब ने अपने बयान में कहा, फ्लुमिनेंस खिलाड़ी द्वारा दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रेनेटो ऑगस्टो ने जनवरी 2024 में कोरिंथियंस से फ्लुमिनेंस में शामिल होकर सभी प्रतियोगिताओं में कुल 36 मैच खेले। उनका अनुबंध दिसंबर 2024 तक था, लेकिन उन्होंने समय से पहले ही क्लब को छोड़ दिया। 20 साल के अपने पेशेवर करियर में रेनेटो ने फ्लेमेंगो, जर्मन क्लब बायर लेवरकुसेन और चीनी क्लब बीजिंग

गुओआन के लिए भी खेला है। वे ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए 33 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 2018 फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की उस टीम का हिस्सा रहे जो क्वार्टरफाइनल तक पहुँची थी। रेनेटो के इस फैसले के बाद फुटबॉल जगत में उनके अगले कदम को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

आईपीएल 2025 से बाहर होने पर, एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत बोले- खकई गैप थे जिन्हें भरना मुश्किल हो गया'

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का सफर आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया जब सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने उन्हें हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मुकाबले के बाद कप्तान ऋषभ पंत ने टीम के प्रदर्शन पर खुलकर बात की और बताया कि चोटिल खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी ने टीम को काफी नुकसान पहुँचाया। पंत ने कहा, यह हमारे लिए सबसे अच्छा सीजन नहीं रहा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही हमें अंदाज़ा था कि चोटों के कारण कई गैप हैं। हमने सोचा कि इस बारे में बात नहीं करेंगे, लेकिन इन गैप्स को भरना मुश्किल होता चला गया। एलएसजी के लिए तेज़ गेंदबाज़ी विभाग सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ। मोहसिन खान पूरे सीजन से बाहर रहे, जबकि तेज़ गेंदबाज़ मयंक यादव, जिन पर टीम ने काफी भरोसा जताया था, ज्यादातर समय चोटिल रहे। मयंक की वापसी भी लंबी नहीं चल सकी और वह दोबारा कमर की चोट से जूझते नज़र आए। इसके अलावा अवेश खान और आकाश दीप भी फिटनेस समस्याओं से जूझते रहे और सीजन के बीच में ही टीम से जुड़ सके।ऋषभ पंत ने आगे कहा, हमने जिस तरह से नीलामी की

योजना बनाई थी, अगर वही गेंदबाज़ी अटैक होता तो शायद कहानी अलग होती। लेकिन यही क्रिकेट है, कभी चीजें आपके पक्ष में जाती हैं, तो कभी नहीं। हमें उन सकारात्मक बातों पर फोकस करना चाहिए जो हमें आगे बढ़ा सकती हैं। एलएसजी की बल्लेबाज़ी में इस सीजन दम ज़रूर दिखा। मिशेल मार्श और एडेन मार्करम की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम ने 205 रन बनाए, हालांकि पंत के मुताबिक यह स्कोर कम से कम 10 रन कम था। एसआरएच ने यह लक्ष्य सिर्फ 10 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। बावजूद इसके, कुछ सकारात्मक पहलू भी एलएसजी के लिए रहे। युवा लेग स्पिनर दिग्वेश राठी ने अपने डेब्यू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया। 25 वर्षीय गेंदबाज़ ने 12 मैचों में 14 विकेट झटके और उनकी इकॉनमी 8.08 रही। भी उन्होंने 2 विकेट लिए और सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहे। पंत ने कहा, राठी ने जिस तरह से गेंदबाज़ी की, वह देखने में बहुत अच्छा रहा। वह हमारे लिए इस सीजन की सबसे बड़ी सकारात्मक चीज़ों में से एक रहे। सीजन के दो हिस्सों का अंतर बताते हुए पंत ने कहा, शुरुआत में हमने चीजों को संभाला, खिलाड़ी अच्छा खेल रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा, अच्छे प्रदर्शन कर रही टीमों के खिलाफ पकड़ बनाना मुश्किल होता गया। एलएसजी भले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई हो, लेकिन कुछ व्यक्तिगत प्रदर्शन और खिलाड़ियों की वापसी भविष्य के लिए टीम को उम्मीद जरूर देंगे।

आईपीएल 2025: प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई एलएसजी, चौथे स्थान के लिए मुंबई और दिल्ली में मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से एक और टीम बाहर हो गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई है। अब तीन टीमों - गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स - ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। चौथे और अंतिम स्थान के लिए अब मुकाबला सिर्फ दो टीमों के बीच - मुंबई इंडियंस (एमआई) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच है।

21 मई को होगा निर्णायक मुकाबला

आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद मुंबई इंडियंस का यह पहला मुकाबला होगा, जो 21 मई को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच प्लेऑफ की तस्वीर काफी हद तक साफ कर सकता है। अगर मुंबई यह मैच जीतती है, तो उसके 16 अंक हो जाएंगे और वह सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी, भले ही उसका आखिरी लीग मैच पंजाब किंग्स के

खिलाफ बाकी हो। वहीं, दिल्ली अधिकतम 15 अंक तक ही पहुंच सकती है, इसलिए वह बाहर हो जाएगी।

अगर दिल्ली ने मुंबई को हराया तो समीकरण बदलेंगे

अगर दिल्ली कैपिटल्स यह मैच जीत जाती है, तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और मुंबई 14 पर ही रह जाएगी। ऐसे में दोनों टीमों के पास प्लेऑफ में पहुंचने का एक और मौका होगा, जो उनके अंतिम लीग मुकाबलों पर निर्भर करेगा। दिल्ली अगर अपने दोनों मैच जीतती है (मुंबई और पंजाब के खिलाफ), तो उसके 17 अंक हो जाएंगे और वह सीधे प्लेऑफ में पहुंचेगी। मुंबई अगर दिल्ली से हारने के बाद पंजाब को हराती है, तो उसके 16 अंक होंगे। यदि दिल्ली पंजाब से हार जाती है, तो वह 15 अंक पर रह जाएगी और बाहर हो जाएगी।

21 मई या 26 मई तक हो सकता है फैसला

चौथे प्लेऑफ स्पॉट की तस्वीर 21 मई को ही साफ हो सकती है, अगर मुंबई जीत जाती है। लेकिन अगर दिल्ली जीतती है, तो यह फैसला 26 मई तक खिंच सकता है, जब मुंबई और पंजाब के बीच आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि प्लेऑफ में पहुंचने की रेस जल्द खत्म हो सकती है, लेकिन शीर्ष दो स्थानों की लड़ाई, जिससे फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलते हैं, वह लीग के अंतिम चरण तक जारी रहने की संभावना है।

आईपीएल 2025: हैदराबाद ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया, प्लेऑफ से बाहर हुई लखनऊ सुपर जायंट्स

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अहम मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को छह विकेट से हरा दिया और उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस तरह ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बन गई। खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 205 रन बनाए। लखनऊ की ओर से ओपनर मिशेल मार्श और एडन मारक्रम के बीच 115 रन की साझेदारी हुई। मार्श 65 रन और मारक्रम 61 रन बनाकर आउट हुए।इसके बाद निकोलस पूरन ने 45

की पारी खेली। इनके अलावा कोई बल्लेबाजी दहाई का आंकड़ पार नहीं कर सका। हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा ने दो विकेट चटकाए, जबकि हर्ष दुबे, हर्षल पटेल और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक सफलता मिली। 206 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत झटके के साथ हुई। सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 82 रनों की साझेदारी हुई। अभिषेक 20 गेंदों में 59 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें दिग्वेश राठी ने शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच कराया। इसके बाद ईशान किशन को हेनरिक क्लासेन का साथ मिला। दोनों ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले और 41 रन जोड़े। किशन 28 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि क्लासेन 47 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे।

वहीं, कामिंदु मेंडिस 32 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें हैमस्ट्रिंग से जूझते देखा गया। अनिकेत वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी पांच-पांच रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ के लिए दिग्वेश राठी ने दो विकेट लिए जबकि विलियम ओरुर्के और शार्दुल ठाकुर को एक-एक सफलता मिली।

अंडर-19 क्रिकेट टीम में देश का प्रतिनिधित्व करेगा कनिष्क चौहान

एजेंसी

सिरसा। सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने बताया कि सिरसा का युवा क्रिकेटर कनिष्क चौहान अंडर-19 क्रिकेट टीम में इंग्लेंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। डा. वेद बैनीवाल सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले शाह सतनाम जी क्रिकेट अकादमी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिरसा का यह उभरता सितारा क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण और सामर्थ्य से भारत की अंडर-19 क्रिकेट का हिस्सा बना है जो न केवल सिरसा बल्कि समूचे हरियाणा के लिए गौरव का विषय है। डॉ. बेनीवाल ने इस मौके पर हाल ही में अंडर-19 की विजेता बनी सिरसा की टीम और अंडर-23 की फाइनल तक पहुंची क्रिकेट टीम को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि वे हर खिलाड़ी को एक बड़ा मंच देने के लिए तत्पर हैं, बशर्ते वह मैदान पर परफॉरमेंस दे। उनके जीवन में सिफारिश नाम के शब्द की कोई जगह नहीं है। इसका ज्वलंत उदाहरण भारत की टीम में हरियाणा के ख्यातिप्राप्त स्पिनर युजवेंद्र चहल है। डॉ. वेद बेनीवाल ने कहा कि वे अनुभव से कहते हैं कि कनिष्क चौहान में क्रिकेट की जो भूख है, उसी के चलते वह एक दिन सीनियर भारतीय क्रिकेट में भी अपना स्थान बनाएंगे। इससे पूर्व चयनकर्ता हितेश ने अपने संबोधन में खिलाडिों को प्रेरित करते हुए कहा कि क्रिकेटर्स को उनका असली मंच वे खुद अपनी प्रतिभा से दे सकते हैं।

हीरो हॉकी इंडिया लीग 2026 के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आज बहुप्रतीक्षित हीरो हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) 2026 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण प्रक्रिया की शुरुआत की घोषणा की। पंजीकरण प्रक्रिया 19 मई 2025 को शाम 5 बजे से शुरू होकर 20 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे तक चलेगी। 2024–25 के पुनः आरंभ सत्र की शानदार सफलता के बाद आगामी संस्करण और भी भव्य और प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है। पिछली बार 8 पुरुष और 4 महिला फ्रेंचाइज़ियों ने इसमें भाग लिया था।

इसके तहत पुरुष खिलाड़ी के तौर पर पंजिकरण के लिए भारत के अलावा, नीदरलैंड्स, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, अर्जेंटीना, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के देश पात्र हैं। जबकि महिला खिलाड़ियों के लिए भारत के

साथ नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, चिली, जापान, अमेरिका और स्कॉटलैंड देश पात्र हैं। हॉकी इंडिया की ओर से भारतीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए शुरू किए गए पंजिकरण लिंक जारी किया गया, जो https://forms.gle/xrVoZdRXoozf~SHS{ है। पिछले सीज़न में 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, जो लीग की वैश्विक लोकप्रियता और नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए मंच की भूमिका को दर्शाता है। हॉकी इंडिया एवं हीरो एचआईएल संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग भारतीय हॉकी के लिए एक गेम चेंजर साबित हुई है। खिलाड़ियों और दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया ने हमें प्रेरित किया है कि हम 2026 संस्करण को और अधिक भव्य बनाएं। यह लीग न केवल भारत में हॉकी का स्तर ऊंचा कर रही है, बल्कि अंतराष्ट्रीय सहयोग को भी सशक्त बना रही है। हॉकी इंडिया के महासचिव एवं संचालन समिति सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, पुरुष और महिला दोनों लीगों की सफलता से खेल में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है। हम भारत और विदेश के सभी योग्य खिलाड़ियों को आमंत्रित करते हैं कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और आगामी ऐतिहासिक सत्र का हिस्सा बनें।

जेकब फर्नले जिनेवा ओपन के दूसरे दौर में

जिनेवा। ब्रिटेन के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैकब फर्नले ने डुसन लाजोविक को हराकर जिनेवा ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया23 वर्षीय खिलाड़ी ने सर्बिया के वाइल्डकार्ड लाजोविक को 6-4, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले पहले ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए।

स्कॉटिश खिलाड़ी का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से होगा।फर्नले ने अप्रैल में मैड्रिड ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने के बाद विश्व में अपने करियर की सर्वोच्च 54वीं रैंकिंग हासिल की, उन्होंने उसी महीने की शुरुआत में बार्सिलोना में क्ले पर अपना पहला पेशेवर मैच खेला था। फ्रेंच ओपन (वर्ष का दूसरा ग्रैंड स्लैम) रविवार से शुरू हो रहा है।

प्लेऑफ में पंजाब किंग्सः कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम भावना और परस्पर सहयोग को दिया सफलता का श्रेय

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर आखिरकार 11 वर्षों बाद आईपीएल प्लेऑफ में जगह बना ली। इस ऐतिहासिक क्षण के बाद, कप्तान श्रेयस अय्यर ने ड्रेसिंग रूम में टीम के सामूहिक प्रयास और एक-दूसरे के लिए चिंता करने की भावना को जीत का मूल मंत्र बताया। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जब किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, तब यह कितना मुश्किल होता है। लेकिन आज हमने देखा कि जो खिलाड़ी बाहर बैठे थे, उन्होंने भी मैदान पर जाकर बाकी साथियों की मदद की। यह दर्शाता है कि हर कोई टीम के लिए कितना समर्पित है। अय्यर ने हेड कोच रिकी पोंटिंग का उल्लेख करते हुए कहा, रिकी ने टीम के भीतर 'एक-दूसरे की परवाह' की बात की थी, और आज मैं वह भावना हर खिलाड़ी में देख सका। यही असली टीम भावना है। श्रेयस ने जीत के बाद सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा, प्लेऑफ में पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, और इसके लिए टीम के हर सदस्य को बधाई। चाहे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ी हों या बेंच पर बैठे साथी, हर किसी ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम से आग्रह किया कि इस ऊर्जा और जोश को आगामी मुकाबलों में भी बनाए रखें, ताकि पंजाब किंग्स इस बार खिताब की दौड़ में और आगे बढ़ सके। पंजाब किंग्स की 11 साल

के बाद प्लेऑफ में वापसी 2014 के बाद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है। लंबे समय से टीम पर प्रदर्शन को लेकर सवाल उठते रहे, लेकिन इस सीजन में खिलाड़ियों की एकजुटता, नेतृत्व और मेहनत ने टीम को नई दिशा दी।

खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रतीक बना खेलो इंडिया बीच गेम्सः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

दीव। भारत के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। देश के पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) का भव्य शुभारंभ दीव के घोघला बीच पर हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत के खेल कैलेंडर में उत्साह की नई लहर पैदा करेगा और तटीय क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच देगा।

प्रधानमंत्री ने आयोजन स्थल दीव को उचित चुनाव बताते हुए कहा, सूरज, रेत और समुद्र का संगम इन खेलों को न केवल रोमांचक बनाता है, बल्कि यह हमारी समुद्री विरासत का भी उत्सव है। जैसे-जैसे लहरें तटों से टकरा रही हैं, भारत खेलों के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिख रहा है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल संस्कृति राष्ट्रीय गौरव, एकता और युवाओं की आकांक्षाओं को पोषित करती है। खेलो इंडिया बीच गेम्स इसी शक्ति के प्रतीक बनकर उभरे हैं। इस आयोजन का उद्घाटन केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने किया। उन्होंने कहा, खेलो इंडिया बीच गेम्स न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि भारत की पहली बीच स्पोर्ट्स क्रांति का आरंभ है। इस आयोजन में 1350 से अधिक एथलीट अपनी प्रतिभा का मंचन करेंगे। जबकि

30 से अधिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागी इसमें प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। इस दौरान छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी खेल- बीच सॉकर, वॉलीबॉल, सेपक टकरॉ, कबड्डी, पेन्चक सिलाट और ओपन वॉटर स्विमिंग के मुकाबले होंगे। जबकि दो डेमो खेल मल्लखंभ और रस्साकशी को भी इसमें शामिल किया गया है। इस खेल समारोह का समापन 24 मई को होगा। डॉ मांडविया ने कहा कि जहां लहरें हों वहां जुनून और जहां रेत हो वहां उत्साह की चिंगारी होनी चाहिए। खेलो इंडिया बीच गेम्स ने यह चिंगारी जलाई है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी सरकार खेलों को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि रोजगार, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के अवसर के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि खेल अब नया सामान्य बन चुके हैं, और भारत एक फिटनेस-सजग राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इस उद्घाटन समारोह में देश की सांस्कृतिक विविधता की झलक देने वाले पारंपरिक नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां भी हुईं। आयोजन में शामिल गणमान्य अतिथियों में दादरा नगर हवेली, दमन और दीव व लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी. के. जोशी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रुपये 18 पैसे चढ़ा

मुंबई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिकी सरकार की रेटिंग घटाने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.57 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 12 रुपये की तेजी के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से 85.35 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 85.62 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.57 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

अब दिल्ली मेट्रो की टिकट उबर ऐप से होगी बुक

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी उबर के ऐप से अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की टिकटें बुक की जा सकेंगी।इसके लिए उबर ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ करार किया है। यह सुविधा यात्रियों को क्यूआर कोड और एपीआई-सक्षम भुगतान के माध्यम से टिकट बुक करने में सक्षम बनाएगी, जिससे उन्हें मेट्रो सफर के लिए अलग ऐप या लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। उबर के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (मोबिलिटी और डिलीवरी) प्रवीण नेपल्ली नागा ने कहा, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में गहराई से शामिल होना हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। ओएनडीसी की मदद से हम मेट्रो सेवाओं को सीधे उबर प्लेटफॉर्म पर ला पाए हैं। उबर की योजना है कि जल्द ही तीन और शहरों में भी मेट्रो टिकटिंग सुविधा शुरू की जाए। उबर ने सिर्फ सार्वजनिक परिवहन तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है। कंपनी ने ओएनडीसी के साथ नए लॉजिस्टिक्स मॉडल वी2बी उबर के तहत डिलीवरी सेवाओं के विस्तार की भी घोषणा की है। यह कदम 14 लाख डिलीवरी साझेदार के नेटवर्क को और मजबूत बनाएगा।उल्लेखनीय है कि ओएनडीसी प्लेटफ़ॉर्म का नो-कमीशन मॉडल डिलीवरी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और किफायती बना रहा है। उबर ने फरवरी में इस मॉडल को ऑटोरिक्शा सेवाओं में अपनाया, जहां चालक और सवारी के बीच सीधे किराए की बातचीत होती है और भुगतान आमतौर पर यूपीआई या नकद से किया जाता है।

अमेरिकी सीनेट से स्टेबलक्वाइन को नियंत्रित करने वाले कानून को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका की सीनेट ने स्टेबलक्वाइन नाम की क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित करने वाले कानून को आगे बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। सोमवार को हुए इस प्रक्रियात्मक मतदान में 66 सीनेटरों ने पक्ष में और 32 ने विरोध में वोट दिया। दो हफ्ते पहले डेमोक्रेट्स ने इसे रोक दिया था, लेकिन अब कुछ बदलावों के बाद उन्होंने समर्थन दिया। स्टेबलक्वाइन एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जिसकी कीमत अमेरिकी डॉलर या सोने जैसी असली संपत्तियों से जुड़ी होती है। इसका मूल्य आमतौर पर 1 डॉलर के बराबर रहता है, जिससे यह अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तुलना में स्थिर और व्यापार में उपयोगी होती है। इस उद्योग की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और जोखिमों को देखते हुए, इसे एक सुसंगत केंद्रीय कानून के तहत लाना जरूरी माना जा रहा है। इस कानून को लेकर विवाद इसलिए भी हुआ क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार की कई क्रिप्टो परियोजनाओं से सीधा संबंध है। ट्रंप ने हाल ही में एक 'मेम क्वाइन' लॉन्च किया है जिससे 32 करोड़ डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई है। उनकी एक पारिवारिक कंपनी 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' ने भी SDv नाम से एक स्टेबलक्वाइन शुरू किया है, जिसे अब अरब देशों से बड़ा निवेश मिल रहा है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने छुआ नया शिखर, एयूएम 65.74 लाख करोड़ और एसआईपी निवेश में 45फीसदी की छलांग

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्तियों (एयूएम) का आकार 2024-25 में सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023-24 में एयूएम 53.40 लाख करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी एवं डेट बाजारों में तेजी के बीच शुद्ध 8.15 लाख करोड़ के मजबूत प्रवाह और निवेश के बाजार मूल्य (एमटीएम) में वृद्धि से होने वाले लाभ के कारण एयूएम बढ़ा है।संपत्ति आधार में तेज उछाल निवेशकों और म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती संख्या में भी देखने को मिला है। इस अवधि में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या रिकॉर्ड 23.45 करोड़ पहुंच गई और निवेशक आधार भी करीब 5.67 करोड़ हो गया।? सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश 2024-25 में सालाना आधार पर 45.24 फीसदी बढ़कर 2.89 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एमटीएम लाभ के साथ इस पर्याप्त वृद्धि ने एसआईपी परिसंपत्तियों को 24.6 फीसदी बढ़ाकर 13.35 लाख करोड़ रुपये कर दिया।

इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, मामूली मुनाफे में निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बिल्डिंग्स, सड़क और पुल बनाने वाली कंपनी इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स लिमिटेड की फीकी एंट्री ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री महज 0.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 100.80 रुपये के स्तर पर हुई। फीकी लिस्टिंग के बाद भी इस शेयर के कारोबार में कोई खास जोश नजर नहीं आ रहा है। सुबह 10.30 बजे तक कंपनी के शेयर लिस्टिंग प्राइस से 1 रुपये बढ़ कर 101.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 1.80 प्रतिशत का मुनाफा हासिल कर सके हैं। इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवेलपर्स का 12 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 15 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 29 लाख रुपये हो गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी ने अच्छी ग्रोथ दर्ज की, जिसके कारण शुद्ध लाभ बढ़ कर 95 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2021-22 में में कंपनी को 33.48 करोड़ रुपये, 2022-23 में 43.48 करोड़ रुपये और 2023-24 में 64.63 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। अगर पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 1.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 98.97 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल कर चुकी है।

रसना ने 350 करोड़ में 'जंपिन' ब्रांड का अधिग्रहण कर रेडी-टू-ड्रिंक बाजार में रखा कदम

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी इंस्टेंट बेवरेज निर्माता कंपनी रसना प्राइवेट लिमिटेड ने 350 करोड़ रुपये में प्रतिष्ठित ब्रांड 'जंपिन' का अधिग्रहण कर देश के तेजी से बढ़ते रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) सेगमेंट में आधिकारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि 350 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर स्वतंत्र रूप से किया गया यह अधिग्रहण रसना की गैर-कार्बोनेटेड पेय श्रेणी को और मजबूती देगा। यह कंपनी के दीर्घकालिक पोर्टफोलियो विविधीकरण तथा ब्रांड समेकन रणनीति का हिस्सा है।पूर्व में गोदरेज समूह द्वारा लॉन्च किया गया 'जंपिन' 1980 के दशक में भारत का पहला टेट्रापैक ब्रांड था, जिसे उसकी स्वादिष्ट पेशकशों और यादगार विज्ञापनों के लिए उपभोक्ताओं का भरपूर प्यार मिला। अब रसना द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद जंपिन को भारतीय फलों के रस से बने एक प्रीमियम, पौष्टिक और स्वादिष्ट पेय के रूप में पुनः लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद आधुनिक खुदरा चैनलों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और रसना के व्यापक ग्रामीण वितरण नेटवर्क के जरिए भारत भर में उपलब्ध होगा। रसना ग्रुप के अध्यक्ष पिरुज खंबाटा ने कहा, जंपिन का अधिग्रहण हमारे विकास पथ में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा बल्कि 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाली हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। नए जमाने के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए जंपिन को 250 मिलीलीटर (मिली), 600 मिली और 1.2 लीटर पीईटी बोतलों में तथा 125 मिली, 200 मिली और एक लीटर के टेट्रा पैक में लॉन्च किया जाएगा। मैंगो, लेमन, लीची और अमरूद जैसे लोकप्रिय फ्लेवर्स के साथ शुरुआत करते हुए ब्रांड का लक्ष्य प्रमुख शहरी और क्षेत्रीय बाजारों में मजबूत उपस्थिति बनाना है, जिसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा।

आर्थिक मामलों के विभाग ने ब्रोकरों के लिए कारोबार में आसानी बढ़ाने के लिए नियमों में किया संशोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने ब्रोकरों के लिए कारोबार करने में आसानी बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्रदान करते हुए नियमों में संशोधन किया है। आर्थिक मामलों के विभाग ने प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम-8 में यह संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 318 (ई) के जरिए प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली (एससीआरआर), 1957 के नियम 8 में संशोधन किया है। इस संशोधन से ब्रोकरों को व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्राप्त होती है। मंत्रालय के मुताबिक उक्त नियमों में कुछ प्रावधानों पर विभिन्न हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर ध्यान देने के बाद डीईए ने सितंबर, 2024 में हितधारकों की टिप्पणियों को आमंत्रित करते हुए एक परामर्श पत्र (नियम 8 एससीआरआर (1957) पीडीएफ) सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए परामर्श पत्र) जारी किया था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के परिमाण और परस्पर अंतर्संबंधों में वृद्धि तथा समय के साथ ब्रोकरों के व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, डीईए ने नियमों में सन्निहित सुरक्षा उपायों की उपयुक्तता की समीक्षा करना आवश्यक समझा, जिससे कि हितधारकों के कार्यकलापों को बाधित किए बिना नियमों का आशय पूरा हो सके। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन हितधारकों से प्राप्त फीडबैक पर उचित विचार-विमर्श के बाद किया गया है तथा यह वित्तीय क्षेत्र में नियामक स्पष्टता प्रदान करने और व्यवसाय करने में सुगमता बढ़ाने पर सरकार द्वारा दिए जा रहे बल का हिस्सा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि बाजार से जुड़ी मध्यवर्ती संस्थाएं एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से भारत के पूंजी बाजारों के विकास में सहायता करना जारी रखें।

जीईएम पोर्टल पर जल्द ही दर अनुबंध, वैश्विक निविदा सुविधाएं जुड़ेंगी : सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर जल्द ही दर अनुबंध और वैश्विक निविदा कार्यक्षमताओं को भी शामिल किया जायेगा, ताकि इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके। फिलहाल, ये सुविधाएं जीईएम पोर्टल पर नहीं हैं। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने जीईएम के 8वें निगमन दिवस पर कहा कि जीईएम में हम सरलीकरण और परिवर्तन को सशक्त बनाने के लिए नवाचार कर रहे हैं। वैश्विक निविदा कार्यक्षमता से अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं या विदेशी विक्रेताओं से लेनदेन संभव हो सकेगा। यह प्लेटफॉर्म 2025-26 में 7 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन की सुविधा प्रदान करने पर विचार कर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 5.42 लाख करोड़ रुपये था। वर्तमान में वार्षिक खरीद का 40-50 फीसदी हिस्सा इस पोर्टल के माध्यम से हो रहा है। मिहिर कुमार ने कहा कि हम इन सुविधाओं को जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह दर अनुबंध के तहत सरकारी खरीदार एक तय अवधि में पूर्व निश्चित कीमतों पर सामान और सेवाएं खरीद सकेंगे। ऐसे में बार-बार बोली लगाने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीईएम के दायरे को और व्यापक बनाने के तरीकों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीईएम ने सार्वजनिक क्षेत्र में भारत का पहला जीईएनएआई चैटबॉट लॉन्च किया है। कुमार ने बताया कि 10 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई), 1.3 लाख कारीगर और बुनकर, 1.84 लाख महिला उद्यमी और 31,000 स्टार्टअप अब जीईएम इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक हाल के वर्षों में जीईएम के उपयोगकर्ता आधार में तीन गुना वृद्धि देखी गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये से लेकर 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,560 रुपये से लेकर 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 98,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडसइंड बैंक ने एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट से किया करार

एजेंसी

मुंबई। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए इंडसइंड बैंक ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के एआईसी एसटीपीआईनेक्स्ट के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी शुरुआती चरण के स्टार्टअप और एमएसएमई को वित्तीय समाधान, विशेषज्ञ सलाह और संरचनात्मक सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है। इस सहयोग के तहत इंडसइंड बैंक एसटीपीआईनेक्स्ट से जुड़े स्टार्टअप को बिना न्यूनतम शेष राशि की शर्त वाले विशेष चालू खाता सुविधा, मुफ्त पेरोल और उपस्थिति प्रबंधन सेवाएं, और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी कार्यशालाओं के माध्यम से मजबूत सहयोग देगा।इन कार्यशालाओं में बैंकिंग मूल बातें, इक्विटी निवेश, ईएसओपी और विभिन्न सेगमेंट-आधारित फंडिंग मॉडलों पर मार्गदर्शन शामिल होगा। यह पहल देश में नवाचार को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। दोनों संस्थाएं मिलकर ऐसा सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने की दिशा में अग्रसर हैं, जहां नए विचार फले-फूलें और भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय योगदान दें।

आयात पर रोक से बांग्लादेश को 770 मिलियन डॉलर का झटका : जीटीआरआई

एजेंसी

कोलकाता। भारत द्वारा बांग्लादेश से आयातित कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पड़ोसी देश को लगभग 770 मिलियन डॉलर का झटका लगने वाला है, जो कि दोनों देशों के बीच कुल आयात का करीब 42 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के ताजा विश्लेषण में सामने आई है।

बांग्लादेश से वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य और प्लास्टिक उत्पादों जैसे प्रमुख आयातित सामान अब केवल कुछ सीमित समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे या फिर पूरी तरह भूमि सीमा से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से 17 मई को जारी आदेश के अनुसार यह कदम भारत की व्यापार नीति में एक अहम मोड़ का संकेत है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक

संदेश छिपा है। जीटीआरआई ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है, बल्कि यह बांग्लादेश द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों और चीन की ओर उसके कूटनीतिक झुकाव का जवाब प्रतीत होता है। बांग्लादेश से आयातित वस्त्र, जिसकी वार्षिक लागत करीब 618 मिलियन डॉलर है, अब केवल कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे। इससे बांग्लादेश की मुख्य भूमि व्यापार गलियारों तक पहुंच लगभग बंद हो जाएगी। यह निर्णय विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की सिफारिश पर लिया गया है और इसे भारत की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। दिसंबर 2024 से बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं पर कई व्यापारिक प्रतिबंध लगाए हैं। अप्रैल में उसने पांच प्रमुख स्थल सीमा बंदरगाहों से भारतीय सूती धागे के आयात पर रोक लगाई । चावल के निर्यात पर कड़े नियंत्रण किए और तंबाकू, मछली और दूध पाउडर समेत दर्जनों भारतीय वस्तुओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा, बांग्लादेश ने भारतीय कार्गो पर 1.8 टका प्रति टन प्रति किलोमीटर का ट्रांजिट शुल्क भी लगा दिया, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और अधिक बढ़ गई।

एलआईसी के नामित निदेशक राज कुमार आईडीबीआई बैंक के बोर्ड से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के नामित निदेशक राज कुमार 18 मई से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं। आईडीबीआई बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि राज कुमार 18 मई को अपना कार्यकाल पूरा होने पर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं, जिससे वे एलआईसी में नामित निदेशक नहीं रहेंगे।

सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) आईडीबीआई बैंक के प्रवर्तक हैं, जिनकी हिस्सेदारी 94.71 फीसदी है। एलआईसी के पास 49 फीसदी से थोड़ा अधिक हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है। आईडीबीआई बैंक भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा बैंक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस बैंक को 'अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में रखा है। आईडीबीआई बैंक के शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर पिछले बंद भाव से 3.45 अंक यानी 4.01 फीसदी बढ़कर 89.46 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक,अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति में बदलावों से लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। वैश्विक व्यापार नीति में बदलावों से भारत को लंबे समय में लाभ होगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया ने सोमवार को एक अध्ययन में कहा, अर्थव्यवस्थाओं के खुद को बदलते व्यापार के हिसाब से ढालने एवं शुल्क चुनौतियों के अनुकूल होने के साथ भारत विनिर्माण बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति शृंखला एकीकरण के लिए इस मौके का लाभ उठा सकता है। स्थानीय स्तर पर काम कराने, बाजारों से निकटता और क्षेत्रीय एकीकरण से इस क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश आएगा।?इससे भारत की तकनीकी उन्नति और विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में तेजी आएगी।? अध्ययन में कहा गया है कि आगे चलकर वैश्विक व्यापार नीति में बदलाव से आपूर्ति शृंखला में विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत के लिए काफी लाभकारी साबित होगा। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर तैयार होंगे। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, 2024-25 में वास्तविक जीडीपी की धीमी वृद्धि के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हालांकि, वृद्धि के लिहाज से भारत की बाहरी व्यापार पर कम निर्भरता है।

सप्ताह के पहले दिन कंसोलिडेशन के मूड में दिखा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही कंसोलिडेशन होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई। पूरे दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इस खींचतान में अंततः बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। आईटी, टेक, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 443.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,273 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,524 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,571 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 178 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,625 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,654 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 971 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 24.33 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,354.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 93.51 अंक की मजबूती के साथ 82,424.10 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाल हावी हो गए। इस बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 366.02 अंक टूट कर 81,964.57 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 271.17 अंक की कमजोरी के साथ 82,059.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 14.45 अंक की गिरावट के साथ 25,005.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 43.15 अंक की मजबूती के साथ 25,062.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 103.15 अंक टूट कर 24,916.65 अंक तक गोता भी लगाया।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फरस्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

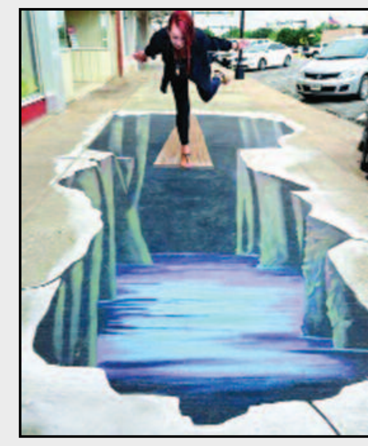

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।